रोहतक
रविवार, 15 जून 2025
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष, चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 135
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00
मौसम
अधि. 45.2
न्यून. 26.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

हैप्पी फादर्स-डे

WE TEACH OUR PROBLEM SOLVERS HOW TO ADAPT TO NEW SITUATIONS.

Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

That's why we have so many rankers this year too.

NEET 2025 format was not just different, it was tough too. But be it new formats or new challenges, Aakashians have proven yet again, that when you learn the skill of problem solving you can ace any test.

OUR NATIONAL TOPPERS 2025

AIR	Name	Classroom	Score	Note
11	Arsh Gandhi	2 Year Classroom	674/720	HARYANA TOPPER
16	Rachit S Chaudhuri	2 Year Classroom	670/720	WEST BENGAL TOPPER
20	Rupayan Pal	1 Year Classroom	666/720	
23	Gourav Yadav	3 Year Classroom	665/720	
25	Abhijeet Kulhari	1 Year Classroom	665/720	
29	Tanisha	3 Year Classroom	663/720	
35	Kavish	1 Year Classroom	661/720	
36	Muktesh Tanmay	2 Year Classroom	661/720	UTTAR PRADESH TOPPER
39	Raunaq Arora	2 Year Classroom	660/720	
44	Anant Chaurasia	4 Year Classroom	656/720	

& many more...

OUR STAR PERFORMERS FROM HARYANA

AIR	Name	Classroom	Score	Note
11	Arsh Gandhi	2 Year Classroom	674/720	HARYANA TOPPER
100	Muskan	2 Year Classroom	646/720	
255	Sonali	1 Year Classroom	630/720	
313	Dipesh Malik	2 Year Classroom	626/720	
371	Aarzoo Ahluwalia	2 Year Classroom	623/720	
381	Paras Yadav	2 Year Classroom	623/720	
491	Garima Gauri	4 Year Classroom	619/720	
636	Manan	1 Year Classroom	615/720	
829	Harshit Saini	2 Year Classroom	609/720	

& many more...

Though every care has been taken to publish the result, yet Aakash Educational Services Ltd. shall not be responsible for inadvertent error, if any.

TO EVERY Aakash TEACHER — THANK YOU FOR BEING OUR STUDENTS' PROBLEM-SOLVERS, MENTORS, AND UNWAVERING SUPPORT.

ADMISSIONS OPEN
Repeater / Dropper Batches
(XII Passed Batches)
NEET / JEE 2026

Get Up to **90%** Scholarship**

Appear for instant Admission cum Scholarship Test (iACST).
Register for FREE
Visit: iacst.aakash.ac.in
Hurry! Batches Filling Fast

SCAN TO APPLY

**Terms & Conditions apply. The maximum iACST scholarship for the Regular Classroom Course (RCC) is up to 90%. However, this scholarship is limited to a maximum of 60% for the NEET repeater courses.

CLASS 12th	CLASS 11th	CLASS 8th–10th
Studying Students	Studying Students	Studying Students
1 Year Integrated courses for NEET / JEE	2 Year Integrated courses for NEET / JEE	Integrated courses for School Boards / Olympiads

OUR BRANCHES: **Ambala:** 8800012946, 9354580243 **Ambala Cantt:** 7206555922, 7206111544 **Bahadurgarh:** 8800901820, 9289031693 **Bhiwani:** 8800012950, 9220495173 **Faridabad (Sec-16):** 8800013022 **NIT Faridabad:** 8800729482, 8448799013 **Gurugram: (Sector-14):** 8800840109, 9958064196 **Gurugram: (Sector-49):** 8800845034, 9289514345 **Gurugram (Sector-84):** 9220719538, 8383914210 **Hisar:** 8800013035, 7347492466 **Jhajjar:** 9728590900, 9468260012 **Jind:** 8800792651, 9289149595, 9289126149 **Kaithal:** 8800012949, 8448489650 **Karnal:** 8800012947, 8448489652 **Kurukshetra:** 8800013036, 7082319052 **Narnaul:** 8800013042, 9599289823 **Palwal:** 8800013038 **Panchkula:** 8800013039, 7876866442 **Panipat:** 8800013040, 7082000620 **Rewari:** 9053008274, 9053008275 **Rohtak:** 8800013037, 9355377057 **Sirsa:** 8448289956, 9355378249 **Sonipat:** 8800898137, 9289738918 **Yamuna Nagar:** 8800012945, 8448489651

SCAN FOR NEAREST BRANCH

CALL (TOLL-FREE): **1800-102-2727**
VISIT: **aakash.ac.in**
Scan to Download **Aakash** App
Aakash
Medical | IIT-JEE | Foundations

8.5 लाख+ सरकारी नौकरी

3.75 लाख+ संविदा पर नौकरी

2 करोड़+ निजी क्षेत्र/ MSME में रोज़गार

मिशन रोज़गार

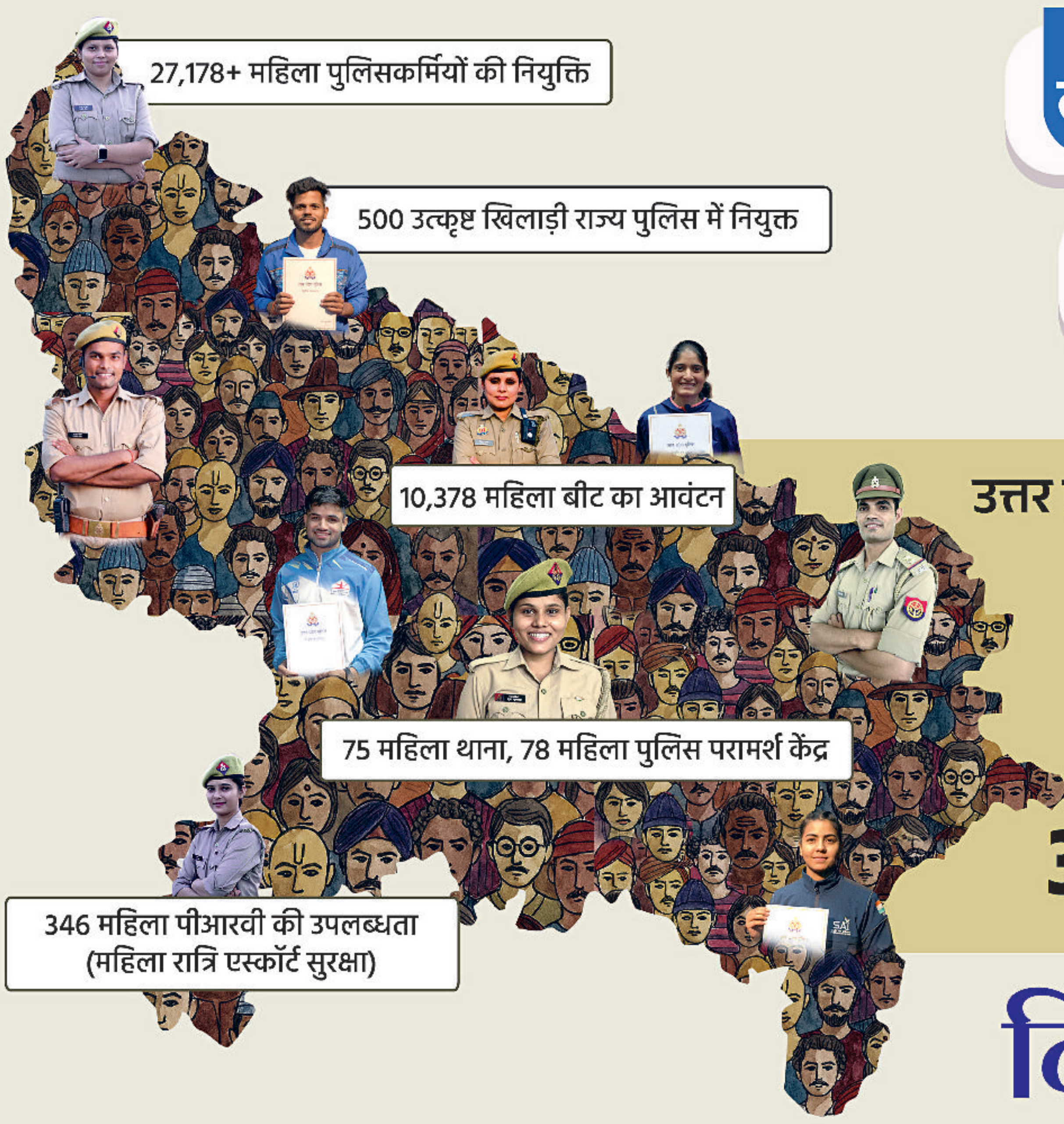

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित

60,244

आरक्षी नागरिक पुलिस

को

नियुक्ति पत्र वितरण

— द्वारा —

अमित शाह

गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

गरिमामयी उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 15 जून, 2025 | **समय :** अपराह्न 12:30 बजे | **स्थान :** डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, सेक्टर-18, वृंदावन कॉलोनी, लखनऊ

अपराधमुक्त समाज एवं सुदृढ कानून व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध सरकार

प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम सफलतापूर्वक लागू

उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ की स्थापना, वर्ष 2017 के बाद 8 नई विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना, 6 का निर्माण कार्य प्रगति पर

लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी, बदायूं में वीरांगना अवंतीबाई तथा गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई महिला पीएसी बटालियन का गठन

1,596 महिला हेल्प डेस्क की स्थापना

प्रदेश में 4.21 लाख से अधिक पुलिस कार्मिक कर्तव्यरत

8 वर्षों में 2.16 लाख पुलिसकर्मियों की नियुक्ति

131 नए जनपदीय थाने, 82 फायर स्टेशन, 75 साइबर क्राइम थाने, 10 सतर्कता अधिष्ठान थाने, 06 एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स थाने स्वीकृत

महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए 'उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल' का गठन

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

लाइव प्रसारण DD NEWS व Youtube.com/DDNEWS Youtube.com/dduttarpradesh एवं UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

रोहतक
रविवार, 15 जून 2025
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्थी वर्ष : 29, अंक : 135
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 45.2
न्यून. 26.4

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

हरियाणा के होनहार भी छाए

करनाल के अर्श को 11वां रैंक, नूंह में मौसी-भतीजी ने पास की परीक्षा

अर्श गांधी रैंक-11वां | शादिया रैंक-11000 | जैनब हुसैन रैंक-19530

करनाल/नूंह(हरिभूमि न्यूज)। नीट-यूजी परीक्षा में हरियाणा के अभ्यार्थियों ने भी परचम लहराया है। करनाल के अर्श गांधी ने देशभर में 11वां रैंक हासिल कर इतिहास रच दिया। संभवतया उसने प्रदेश में भी पहला स्थान प्राप्त किया। उसके पिता अरुण गांधी और उनकी माता भी डॉक्टर हैं। वह निजी अस्पताल चलाते हैं। अर्श के परिवार में 5 डाक्टर हैं। गांधी ने 720 में से 674 अंक प्राप्त किए। करनाल के जेनेसिस क्लासिज के संचालक जितेंद्र अहलावत ने बताया कि उनके यहां के 80 बच्चों का सरकारी मेडीकल कॉलेजों में प्रवेश हो जाएगा। वहीं, नूंह में पहली बार सैयद समाज की दो बेटियों ने परीक्षा पास की है। दोनों मौसी–भतीजी हैं। सिक्योरिटी ब्रांच में कार्यरत असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर जाकिर हुसैन की बेटी जैनब हुसैन (21) ने 720 अंक में से 551 अंक लिए उनकी आल इंडिया रैंक 11000 है। उसकी मौसी शादिया (22) ने 720 अंक में से 537 अंक प्राप्त किए हैं। उसकी आल इंडिया रैंक 19530 है। दोनों का किसी अच्छे सरकारी संस्थान में दाखिला अच्छी रैंक की वजह से आसानी से हो जाएगा। मौसी और भतीजी ने मॉड्यूल्स अलवर संस्थान से पढ़ाई करते हुए चौथे प्रयास में यह कामयाबी हासिल की। शादिया के पिता स्वास्थ्य विभाग के रिटायर्ड ड्राइवर है। जैनब के पिता जाकिर हुसैन ने बताया कि उनकी साली शादिया और बेटी जैनब ने एक साथ अलवर में पढ़ाई की थी।

खबर संक्षेप

2016 से पहले रिटायर व दिवंगत कर्मियों की पेंशन 9000 से कम नहीं

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने साल 2016 से पहले रिटायर और दिवंगत कर्मचारियों को राहत दी है। अब 2016 से पहले रिटायर्ड कर्मचारियों की पारिवारिक पेंशन 9000 से कम नहीं होगी। इसके लिए सरकार ने हरियाणा सिविल सेवा (संशोधित पेंशन) भाग-1 2017 को संशोधित कर हरियाणा सिविल सेवाएं (संशोधित पेंशन) भाग-1 (संशोधन) नियम 2025 बनाया है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। ब्यूरो

नीट अभ्यर्थियों से ठगी में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2025 के अभ्यर्थियों और उनके परिजनों से ठगी के आरोप में महाराष्ट्र से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि इन दोनों व्यक्तियों ने दावा किया था कि वे अंकों में हेरफेर कर सकते हैं, और इसके लिए वे प्रति उम्मीदवार 90 लाख वसूल रहे थे। आरोपितों में संदीप शाह और सलीम पटेल शामिल हैं। भाषा

सीआरपीएफ कर्मी की आईईडी ब्लास्ट में मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा-झारखंड सीमा पर नक्सल रोधी अभियान के दौरान आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की मौत हो गई। यूपी निवासी एएसआई सत्यवान सिंह (34) उस टीम का हिस्सा थे, जो माओवादियों द्वारा लूटे गए विस्फोटकों को बरामद करने सारंडा जंगल में गई थी। भाषा

तीन महिलाओं समेत चार नक्सली मारे गए

बालाघाट। एमपी में बालाघाट के एक वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन महिलाओं समेत चार नक्सली मारे गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह जानकारी दी। घटनास्थल से एक ग्रेनेड लांचर, एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर), दो .315 बोर राइफल, अन्य हथियार और सामग्री बरामद की गई है। भाषा

30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवर सम्मानित होंगे

लंदन। महाराजा चार्ल्स तृतीय की जन्मदिन सम्मान सूची 2025 में 30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवरों को शामिल किया है, जिनमें लोक सेवा के नायक, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, कलाकार और शिक्षाविद प्रमुख हैं। प्रेम बाबू गोयल, अमेजन वेब सर्विसेज की तनुजा रैंडरी और एनएचएस से जुड़े जगतार सिंह को 'कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' से नवाज़ा। भाषा

सुपरटेक, प्रवर्तक अरोड़ा के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नयी दिल्ली। सीबीआई ने आईडीबीआई बैंक से 126.07 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में नोएडा स्थित निर्माण कंपनी सुपरटेक लिमिटेड और उसके प्रवर्तक आर के अरोड़ा सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपितों में संगीता अरोड़ा, मोहित अरोड़ा, पारुल अरोड़ा, विकास कंसल, प्रदीप कुमार, अनिल शर्मा और अनिल कुमार जैन का भी नाम है। भाषा

आधार के अपडेट की तारीख एक साल बढ़ी

नई दिल्ली। आधार कार्ड में डॉक्युमेंट्स अपडेट करने की आखरी तारीख को बढ़ाकर 14 जून 2025 से 14 जून 2026 कर दिया गया है। यूआईडीएआई के अनुसार अब एक साल आधार कार्ड में अपने दस्तावेज पहले की तरह फ्री में अपडेट करवा सकेंगे। इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। एजेंसी

नीट-यूजी परिणाम : राजस्थान के महेश टॉपर और एमपी के उत्कर्ष दूसरे स्थान पर, लड़कियों में दिल्ली की अविका प्रथम

कुल 22.09 लाख में से 12.36 लाख अभ्यर्थी पास, महाराष्ट्र के जोशी तीसरे और दिल्ली के झा चौथे स्थान पर रहे

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक' (नीट-यूजी) का परिणाम जारी कर दिया। राजस्थान में हनुमानगढ़ के महेश कुमार केसवानी ने टॉप किया है। उन्हें 720 में से 686 मार्क्स मिले हैं, जबकि मध्यप्रदेश के उत्कर्ष अवधिया ने दूसरा स्थान हासिल किया है। लड़कियों में दिल्ली की अविका अग्रवाल शीर्ष पर रहीं और उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पांचवां स्थान हासिल किया। एनटीए ने बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शामिल कुल 22.09 लाख परीक्षार्थियों में से 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। हालांकि यह संख्या पिछले वर्ष के 13.15 लाख उत्तीर्ण अभ्यर्थियों से कम है। पिछले वर्ष परीक्षार्थियों की संख्या भी 23.33 लाख से अधिक थी।

7.2 लाख से अधिक छात्राएं पास, 5.14 लाख छात्र उत्तीर्ण

महेश कुमार
राजस्थान
रैंक-1

उत्कर्ष अवधिया
मध्य प्रदेश
रैंक-2

अविका अग्रवाल
दिल्ली
रैंक-5

सबसे ज्यादा यूपी के पास

राज्य	पास
उत्तर प्रदेश	1.70 लाख
महाराष्ट्र	1.25 लाख
राजस्थान	1.19 लाख

(कुल 73 अभ्यर्थियों ने 720 में से 651 से 686 अंक प्राप्त किए हैं, जबकि 1,259 अभ्यर्थियों ने 601 से 650 के बीच अंक प्राप्त किए हैं।)

छात्राएं अव्वल, छात्र पिछड़े

इस वर्ष उत्तीर्ण उम्मीदवारों में 7.2 लाख से अधिक छात्राएं हैं, जबकि 5.14 लाख से अधिक छात्र हैं। इनमें से 529 अभ्यर्थी विदेशी नागरिक, 405 एनआरआई (गैर निवासी भारतीय) और 606 ओसीआई (प्रवासी भारतीय नागरिक) कार्ड धारक हैं। महाराष्ट्र के कृषांग जोशी और दिल्ली के मृणाल किशोर झा क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे।

1,08,000 सीटें उपलब्ध

एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए कुल 1,08,000 सीटें उपलब्ध हैं जिनमें सरकारी अस्पतालों में लगभग 56,000 और निजी कॉलेजों में लगभग 52,000 सीटें हैं। दंत चिकित्सा, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी नीट परिणामों का उपयोग किया जाता है।

रैंक के आधार पर मेधा सूची तैयार होगी

एनटीए के निदेशक (परीक्षा) कर्नल बी विजय कुमार ने कहा, 'एनटीए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के आधार पर परीक्षा आयोजित करती है और परिणाम घोषित करती है। प्रवेश प्राधिकारी अब अपने अधिकार क्षेत्र में उपलब्ध एमबीबीएस और बीडीएस सीटों के लिए अखिल भारतीय रैंक के आधार पर एक मेधा सूची तैयार करेंगे।' एनटीए हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट आयोजित करती है।

अहमदाबाद विमान हादसा : उड्डयन मंत्री बोले- सुरक्षा मानकों को बनाएंगे बेहतर

हाईलेवल कमेटी करेगी जांच तीन माह में देनी होगी रिपोर्ट

विमान हादसे के बारे में जो सिद्धांत हैं उनका विश्लेषण होगा, 19 पीड़ितों के डीएनए का मिलान, जल्द सौंपे जाएंगे शव

मेडिकल कॉलेज के छात्रावास को खाली कराया जा रहा, अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल पर एनएसजी तैनात

भाषा ▶▶| अहमदाबाद/नई दिल्ली।

अहमदाबाद में लंदन जा रही एअर इंडिया की विमान दुर्घटना में मृतकों की संख्या शनिवार को बढ़कर 275 हो गई। इसी बीच, केंद्र सरकार ने हादसे के कारणों की जांच के लिए केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बहु-विषयक समिति गठित की है। कमेटी को तीन माह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। जांचकर्ता बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर (एआई171) के बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए बीजे मेडिकल कॉलेज छात्रावास और कैंटीन परिसर के मलबे की जांच कर रहे हैं। वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टाटा के स्वामित्व वाली विमान कंपनी के बोइंग 787 श्रृंखला के विमानों की 'विस्तारित निगरानी' के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की हाईलेवल कमेटी इसकी जांच कर जल्द रिपोर्ट सौंपेंगी। नायडू ने कहा कि हम सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाएंगे और विमान हादसे के बारे में जो सिद्धांत हैं उनका विश्लेषण किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में 29 की मौत

विमान मेडिकल कॉलेज परिसर पर गिरा, जिससे जमीन पर मौजूद 5 एमबीबीएस छात्रों सहित 29 की जान चली गई।

एआई देगी अंतरिम मुआवजा

एयर इंडिया ने कहा कि वह दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों और जीवित बचे लोगों को 25-25 लाख का अंतरिम भुगतान करेगी। यह राशि टाटा संस द्वारा पहले से घोषित एक-एक करोड़ रुपये के मुआवजे के अतिरिक्त है।

कमेटी की पहली बैठक कल

केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता वाली केंद्रीय समिति भविष्य में अहमदाबाद दुर्घटना जैसी घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश भी सुझाएगी। इसकी पहली बैठक सोमवार को होगी। समिति तीन महीने में रिपोर्ट देगी। समिति दुर्घटना के कारण का पता लगाएगी। यांत्रिक विफलता, मानवीय भूल, मौसम की स्थिति, नियामक अनुपालन और अन्य कारणों का आकलन करेगी।

8 के शव परिजनों को सौंपे

अहमदाबाद सिविल अस्पताल के प्राधिकारियों ने डीएनए नमूनों के आधार पर अब तक 19 पीड़ितों की पहचान कर ली है और शवों को उनके परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे पहले, आठ पीड़ितों के शवों को अस्पताल द्वारा उनके परिजनों को सौंप दिया गया था, जिनकी पहचान उनके रिश्तेदारों ने की थी और उनकी डीएनए जांच करने की जरूरत नहीं पड़ी थी।

ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा जांच कर रहे

एअर इंडिया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसने अपने 9 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों की एक बार की सुरक्षा जांच की है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निर्देशानुसार शेष 24 ऐसे विमानों की जांच पूरी करने की दिशा में अग्रसर हैं। एअर इंडिया के बेड़े में अब 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 विमान हैं। एक बार की सुरक्षा जांच से तात्पर्य किसी विशेष कार्यक्रम या गतिविधि से पहले किसी चीज के सुरक्षित होने और संबंधित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किए गए विशिष्ट निरीक्षण या मूल्यांकन से है।

शवों को रखने के लिए एयर इंडिया के मैनेजर ने बड़ोदरा के एक व्यवसायी को 170 ताबूतों का ऑर्डर दिया है।

50 लाख की फिरौती नहीं दी तो दुकानदार को मारी गोली

जींद में चार बदमाशों ने की वारदात

- बदमाशों ने दुकान से लूटे ढाई लाख, दो की शिनाख्त
- बाइक व स्कूटी पर सवार होकर आए थे चार बदमाश
- घायल दुकानदार ने चार के खिलाफ दर्ज करवाया केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नरवाना पुराना बाजार चौपड़ा पत्ती में बीती रात करियाणा दुकानदार ने 50 लाख रुपये की फिरौती नहीं दी तो बदमाशों ने उसे गोलियां मार दी और दुकान से ढाई लाख रुपये लूटकर ले गए। वारदात दुकान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घायल दुकानदार को हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने घायल दुकानदार की शिकायत पर चार बदमाशों के खिलाफ जानलेवा हमला, लूटपाट करने और शस्त्र अधिनियम समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मॉडल टाउन निवासी सौरभ (34) ने पुराना बाजार चौपड़ा पत्ती में करियाणे की दुकान खोली है। बीती रात वह अपने पड़ोसी के साथ दुकान में बैठा था। उसी दौरान चौपड़ा पत्ती नरवाना निवासी अंकित व लक्ष्य स्कूटी पर सवार होकर असलहा के साथ दुकान पर आए। उसी दौरान दो युवक बाइक के साथ बाहर खड़े रहे। दुकान के अंदर आए दोनों युवकों ने 50 लाख की फिरौती मांगी।

इनकार किया तो फायरिंग

जब दुकानदार सौरभ ने रुपये देने से मना कर दिया तो अंकित ने फायर कर दिया। गोली सौरभ के पेट में जा धंसी। एक युवक ने स्टूल उठा कर उसे मारना शुरू कर दिया। युवक ने उस पर फिर से फायर किया। गोली सौरभ की जांघ में जा लगी। दोनों बदमाशों ने सौरभ से गल्ले की चाबी छीन ली और ढाई लाख रुपये की राशि लूट ली। वारदात को अंजाम देकर आरोपित फरार हो गए। जाते समय बदमाशों ने फिर से पचास लाख की डिमांड को दोहराया।

दुकान के सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

डीएसपी अमित कुमार पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे और हालातों का जायजा। घायल दुकानदार सौरभ को पहले नागरिक अस्पताल नरवाना ले जाया गया। जहां से उसे हायर इंस्टीच्यूट रेफर कर दिया, लेकिन परिजन उसे हिसार के निजी अस्पताल ले गए। दुकानदार के साथ हुई वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें बदमाश दुकानदार पर गोली दागते, मारपीट करने तथा लूट की वारदात को अंजाम देते दिखाई दे रहे हैं।

आरोपितों की तलाश में पुलिस के छापे

शहर थाना नरवाना पुलिस ने अंकित, लक्ष्य को नामजद कर दो अन्य के खिलाफ लूट, शस्त्र अधिनियम, जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर थाना के जांच अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि घायल की शिकायत पर 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपितों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें छापेमारी कर रही है।

इजराइल 40 घंटे से कर रहा हमले 138 की मौत

ईरान की गैस रिफाइनरी समेत 150 ठिकाने ध्वस्त

तेल अवीव पर हमले में कई लोग घायल।

ईरान का इजराइल पर जवाबी हमला, तीन लोगों की मौत

ईरान ने एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव किया, मिसाइलें तेल अवीव में गिरी, भारी तबाही

इजराइल ने तेहरान को जला देने की चेतावनी दी

दुबई(भाषा)। इजराइल लगातार 40 घंटे से ईरान पर हमले कर रहा है। इजराइल ने दावा किया कि उसने ईरान में पार्स गैस रिफाइनरी समेत 150 से ज्यादा ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। शनिवार देर रात ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर हमला किया गया। वहीं, ईरान ने दावा किया कि इस पोर्ट पर एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव है और वह पूरी तरह सुरक्षित है। तीन दिन की लड़ाई में अब तक 138 ईरानी मारे जा चुके हैं, जबकि 350 से ज्यादा घायल हैं। इनमें 9 न्यूक्लियर साइंटिस्ट और 20 से ज्यादा ईरानी कमांडर्स शामिल हैं। ईरान ने भी जवाबी हमला करते हुए इजराइल पर 150 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इसमें से करीब 6 मिसाइलें राजधानी तेल अवीव में गिरीं। इजराइल में 3 लोगों मारे गए, 90 से ज्यादा घायल हैं। ईरान ने इजराइल के 3 एफ-35 विमान गिराने का दावा किया है। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने धमकी देते हुए कहा कि जल्द ही इजराइली एयरफोर्स ईरान के हर ठिकाने पर हमला करेगी। ईरान आने वाले दिनों में वो महसूस करेगा जो आज के हालातों के सामने कुछ भी नहीं होगा।

हमले जारी रहेंगे

इजराइल और ईरान दोनों ने कहा कि उनके हमले जारी रहेंगे, जिससे पश्चिम एशिया में लंबे समय तक एक और संघर्ष के जारी रहने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि उनका उद्देश्य इजराइल के लिए किसी भी ईरानी खतरे को खत्म करना है, साथ ही उन्होंने ईरान के नागरिकों से अपने नेताओं के खिलाफ उठ खड़े होने का भी आग्रह किया।

अमेरिका से ईरान की वार्ता रद्द

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि देश पर इजराइली हमलों के बाद अमेरिका के साथ आगामी परमाणु वार्ता 'निरर्थक' है। बाघेई ने कहा, 'अमेरिका ने ऐसा काम किया है कि बातचीत का कोई अर्थ नहीं बचा। इजराइल ने अपने हमलों के जरिए "आपराधिक कृत्य" करके सभी लक्ष्मण रेखाएं पार कर दी हैं।' ईरान और इजराइल के बीच लगातार जारी संघर्ष के बीच ईरान और अमेरिका की परमाणु वार्ता रद्द कर दी गई है। यह बातचीत रविवार को होने वाली थी।

हाईकोर्ट में सभी तीन राज्यों के डीजीपी ने दायर किए हलफनामे

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में अब बिना एफआईआर के नहीं होगी जांच

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि बिना एफआईआर के पुलिस जांच करना कानूनन अस्वीकार्य है। ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना है। इसके बाद पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की पुलिस ने ऐसे सभी मामलों में बिना एफआईआर शुरू की गई जांचों को बंद कर दिया है। इसकी पुष्टि तीनों राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) द्वारा दाखिल हलफनामों के माध्यम से अदालत को दी गई। हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान खुलासा हुआ कि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के अनेक थानों में ऐसी शिकायतों पर जांच आरंभ कर दी जाती है, जिनमें एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई होती। अदालत ने इसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन माना है। जस्टिस एनएस शेखावत की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बिना एफआईआर की गई जांच कानून की नज़र में न केवल अमान्य है बल्कि इससे जुड़े अधिकारी मुआवज़ा देने के लिए बाध्य होंगे। अदालत ने यह भी कहा कि यदि ऐसे मामले जारी रहे, तो संबंधित अधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन मानी गई गैर-एफआईआर जांच

क्रिकेट: ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, 1998 के बाद पहली बार बड़ी कामयाबी

दक्षिण अफ्रीका अब 'चोकर्स' नहीं चैंपियन पहली बार कब्जाया विश्व टेस्ट का खिताब

ट्रॉफी जीतते ही लॉर्ड्स के मैदान पर सभी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया

लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में रन चेज में दूसरी सबसे बड़ी जीत

लंदन(भाषा)। दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को फाइनल के चौथे दिन जीत के लिए जरूरी 69 रन बनाकर गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों में अपना पहला बड़ा क्रिकेट खिताब जीता, जिसके बाद लॉर्ड्स मैदान पर टीम के खिलाड़ी और प्रशंसकों ने जम कर जश्न मनाया। दक्षिण अफ्रीका ने अपना पिछला आईसीसी खिताब 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था। लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में मैच के चौथे दिन लंच से पहले साउथ अफ्रीका ने 282 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ऐडन मार्करम ने 136 रन बनाए, जबकि टेम्बा बावुमा ने 66 रन की पारी खेली। यह लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है। (पैकेज खेल पेज पर)

एडेन मारक्रम छाए

जब कमिंस की गेंद पर कप्तान तेम्बा बावुमा (66) विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के द्वारा लपके गये तब लगा कि टीम पिछली कई बार की तरह एक बार फिर जीत के करीब पहुंच कर फिसल ना जाये। दिन की शुरुआत 102 रन से करने वाले शतकवीर एडेन मारक्रम (136) की अगुवाई में टीम ने हालांकि धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए किसी अनहोनी को टालते हुए 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका की संयमित बल्लेबाजी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने दो घंटे से अधिक के सत्र में सिर्फ तीन चौके लगाये और सुबह माकूल परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी गेंदबाजों को सिर्फ तीन विकेट झटकने के मौके दिए।

खबर संक्षेप

फरीदाबाद व गुरुग्राम में स्थापित होंगे हरित कोयला संयंत्र : गोयल

चंडीगढ़। शहरी स्थानीय निकाय, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, और नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने शनिवार को वाराणसी स्थित एनटीपीसी के हरित कोयला परियोजना प्लांट का विभागीय अधिकारियों के साथ दौरा किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा नित्य नई उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है और अब कचरे से हरित कोयला उत्पादन की योजना भी धरातल पर तेजी से उतरेगी। कैबिनेट मंत्री गोयल ने जानकारी दी कि गुरुग्राम और फरीदाबाद में हरित कोयला संयंत्रों की स्थापना के लिए एनटीपीसी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में हो चुका है।

विश्वास फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर

चंडीगढ़। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य पर व भीषण गर्मियों के वजह से अस्पतालों में आई रक्त की कमी को पूरा करने के लिए विश्वास फाउंडेशन पंचकूला द्वारा गुरुदेव स्वामी विश्वास के आशीर्वाद से इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी यूटी चंडीगढ़ व कुमार ब्रदर्स केमिस्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से मार्केट सेक्टर-11 डी चंडीगढ़ में रक्तदान शिविर लगाया गया। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि शिविर का उद्घाटन कुमार ब्रदर्स केमिस्टस प्राइवेट लिमिटेड से अश्वनी कुमार सिंगला ने रक्तदाताओं को बैज लगाए।

अवैध हथियारों सहित दो युवक गिरफ्तार, केस

फरीदाबाद। अवैध हथियार रखने वालों पर फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच एनआईटी व क्राईम ब्रांच सेक्टर.65 की टीम ने अवैध हथियार रखने वाले आरोपियों को देसी कट्टा सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 जून को क्राईम ब्रांच एनआईटी की टीम ने अपने गुप्त सुत्रों से प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सूरज निवासी बडाबाद, जहानाबाद, बिहार हाल संतोष नगर फरीदाबाद को एनएचपीसी चौक के पास से व ब्रांच सेक्टर.65 की टीम ने सुमित कुमार को आशियाना फ्लैट के पास से अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

हरियाणा बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रमों की समीक्षा संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा बीजेपी कोर कमेटी की बैठक दिल्ली हरियाणा भवन में हुई। बैठक में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने पर गहनता से चर्चा हुई। जिलों में होने वाली संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन किया गया। सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार द्वारा जनहित में लिए गए निर्णयों और सरकार की योजनाओं की जानकारी बैठक में रखी। जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन से जुड़े अहम मुद्दों को भी बैठक में रखा। सभी मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र सिंह नागर, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, कैप्टन अभिमन्यु, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सुनीता दुग्गल, सुभाष बराला, रामबिलास शर्मा सहित हरियाणा के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। सबसे पहले सभी नेताओं ने अहमदाबाद प्लेन क्रेश की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के प्रार्थना की गई।

■ बैठक से पहले अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई

नई दिल्ली। कोर कमेटी की बैठक में हिस्सा लेते भाजपा के दिग्गज नेता।

योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ हर लाभार्थी तक पहुंच सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जिलों में संगठनात्मक नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता केंद्रीय नेतृत्व से मिले हर अभियान को सफल बना रहे हैं जिसकी इस बैठक में सभी नेताओं ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कर्मठता से काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और राव इंद्रजीत सिंह ने भी केंद्र सरकार की तरफ से हरियाणा में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को सबके सामने रखा।

लुधियाना पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने प्रबुद्ध नागरिकों व व्यापारियों को किया संबोधित

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि पंजाब की धरती गुरुओं, पीरों और वीरों की भूमि रही है, जो हमेशा देश को मार्गदर्शन देने में अग्रणी रही है। उन्होंने लुधियाना में औद्योगिक संस्थानों और समाज के प्रबुद्ध वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब और हरियाणा मिलकर विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर आल इंडस्ट्रियलिस्ट सोसाइटी, लुधियाना द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बीते 11 वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। धारा 370 की समाप्ति, जम्मू-कश्मीर में शांति और विकास की बहाली, किसानों को एमएसपी पर फसलों की खरीद की गारंटी जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने देश की एकता और विकास को सशक्त किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं से समाज के हर वर्ग को लाभ मिला है। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने संविधान के नाम पर लोगों को गुमराह करने का काम किया।

रक्षामंत्री व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से मिले अनिल विज

नई दिल्ली(ब्यूरो) हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को नई दिल्ली में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विज ने अपने विधानसभा क्षेत्र अंबाला छावनी के विकास से संबंधित तीन महत्वपूर्ण मांगें रक्षा मंत्री के समक्ष रखीं। विज ने सिविल अस्पताल व अटल कैंसर अस्पताल के विस्तार के लिए इसके साथ लगती सेना की भूमि हरियाणा सरकार को देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 9 मई 2022 को अंबाला में अटल कैंसर अस्पताल की शुरुआत की गई थी।

वहीं घरेलू हवाई अड्डे के लिए फोरलेन रोड बनाने की मांग सहित सैन्य क्षेत्र से सटी संकरी सड़कों को चौड़ा करने करने का आग्रह किया।

■ अंबाला अस्पताल विस्तार के लिए सैन्य भूमि देने का अनुरोध किया

अंबाला से चंडीगढ के बीच मेट्रो के लिए मनोहर से मिले अनिल विज

नई दिल्ली। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को केन्द्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान विज ने केन्द्रीय मंत्री से अंबाला से चण्डीगढ के बीच मेट्रो रेल लाईन बिछाने/संचालित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि चण्डीगढ में यूटी प्रशासन है और पंजाब व हरियाणा की राजधानी भी है। इस विषय पर दोनों मंत्रियों के बीच विस्तार से चर्चा हुई। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने इस विषय पर त्वरित कार्यवाही का आश्वासन विज को दिया है। मुलाकात के उपरांत मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए विज ने बताया कि अंबाला-चंडीगढ़ सड़क पर अब यातायात बहुत ज्यादा हो गया है। चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश होने के साथ-साथ हरियाणा व पंजाब की राजधानी भी है।

अपराधियों पर लगाम कस पाने पर सरकार विफल : हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा'राज' नहीं, बल्कि गुंडा'राज' चल रहा है। यही वजह है कि गुंडे-बदमाश बेखौफ होकर वारदातों का अंजाम दे रहे हैं और आम जनता डर के साए में जीने को मजबूर है। जिस बीजेपी को जनता ने सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, वह खुद सत्ता की मदमस्त नींद में सो रही है और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर अपराध को संरक्षण दे रही है। रोहतक में बदमाशों ने शराब के ठेके पर की फायरिंग, इंस्टाग्राम पर डाला वीडियो। हांसी में व्यापारी से मांगी 50 लाख की फिरौती। टोल प्लाजा पर फायरिंग, खाद की दुकान पर भी गोलियां चलाई। फैक्ट्री मालिक से मांगी 50 लाख की फिरौती। कुरुक्षेत्र में शराब ठेकेदार की गोलियां मारकर हत्या। पिंजौर में धमकी देकर 2 दिन बाद कर दी हत्या। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि ये पिछले कुछ दिनों में छपी अखबारों की सुर्खियां है। रोज अखबार ऐसी खबरों से भरे मिलते हैं। लेकिन बीजेपी सरकार को यह सब दिखाई नहीं दे रहा। क्योंकि कानून व्यवस्था व जनता की सुरक्षा कभी भी बीजेपी की प्राथमिकता नहीं रही।यही वजह है कि जब भी भाजपा सत्ता में आती है, प्रदेश में गुंडाराज स्थापित हो जाता है। इससे पहले जब साल 2000 से 2005 तक बीजेपी और इनेलो की सरकार थी, तब हरियाणा में ऐसी ही गुंडागर्दी और माफियाराज था। आए दिन गोलीबारी, फिरौती और डकैती की वारदातें होती थीं। एक बार फिर हरियाणा में वही सब हो रहा है। सरकार उसे रोक नहीं पा रही।

दो दिवसीय अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन आज से

पंचकूला। पंचकूला में रविवार से दो दिवसीय अखिल भारतीय महापौर परिषद सम्मेलन होने जा रहा है। 15 और 16 जून को होने वाले सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिसमें देशभर से आए महापौर विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर अपने विचार साझा करेंगे। इस सम्मेलन का आयोजन पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने किया है। कुलभूषण गोयल ने बताया कि अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन में 50 महापौर भाग लेने आ रहे हैं, जिसमें कर्नाटक, केरल, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली से लोग पहुंच रहे हैं। इस कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारियां कर ली गई हैं। 15 जून को हरियाणा के महापौरों की बैठक होगी।जिसमें हरियाणा के सभी 11 महापौर भाग लेंगे। इसमें विस्तृत चर्चा होगी। अन्य मुद्दों पर भी मंथन किया जाएगा।

■ देशभर के 50 से ज्यादा मेयर कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे

रेवाड़ी में 95 करोड़ की लागत से बने जेल परिसर का उद्घाटन आज, मुख्यमंत्री पहुंचेंगे

■ नई जेल में 1000 कैदियों को रखने की क्षमता होगी : डॉ. सुमिता मिश्रा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सैनी रविवार को 10 बजे रेवाड़ी जिले के फिदेरी गांव में नवनिर्मित अत्याधुनिक जेल परिसर का उद्घाटन करेंगे। यह 95 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है और लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में है। गृह, जेल, आपराधिक जांच एवं न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि नया जेल परिसर रेवाड़ी में जेल बुनियादी ढांचे की लंबे समय से चली आ रही कमी को पूरा करेगा। अब तक जिले में केवल 65 कैदियों की क्षमता वाली एक छोटी जेल थी।

रोहतक में जेल निर्माण अंतिम चरण में

गृह, जेल, आपराधिक जांच एवं न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि रेवाड़ी जेल की क्षमता कम होने के कारण,700 से अधिक कैदियों को गुरुग्राम, नारनौल और झज्जर की सुविधाओं में स्थानांतरित किया गया था। नई जेल को लगभग 1,000 कैदियों को रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा क्षेत्र में कैदी प्रबंधन में रसद संबंधी चुनौतियों में कमी आएगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों के लिए रोहतक में उच्च सुरक्षा वाली जेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा राज्य भर में जेल प्रशासन में पेशेवर मानकों को बढ़ाने के लिए हाल ही में करनाल में जेल कर्मचारियों के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना की गई है।

विज के निर्देश : बिजली कट के संबंध में एसई रोजाना ऊर्जा मंत्री कार्यालय में रिपोर्ट भेजें

चंडीगढ़। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने ऊर्जा विभाग अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के लोगों को बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और बिजली जाने/कट के संबंध में संबंधित एसई को रोजाना एक रिपोर्ट ऊर्जा मंत्री के कार्यालय में भेजनी होगी। उनके इन निर्देशों के संबंध में यदि किसी भी अधिकारी द्वारा कोई लापरवाही बरती गई तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। विज नई दिल्ली में मीडियाकर्मियों द्वारा गर्मियों में बिजली की आपूर्ति को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को शनिवार उनके द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन उन्हें प्रत्येक अधीक्षक अभियंता (एसई) से उनके अधिकार क्षेत्र में कितने घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं हुई और आपूर्ति न होने के क्या कारण रहे, के संबंध में पूरी रिपोर्ट रोजाना ऊर्जा मंत्री को भेजनी होगी। विज ने कहा कि हरियाणा में बिजली आपूर्ति को लेकर कोई कमी नहीं है।

पंचायत उपचुनाव को लेकर मतदान आज

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि चरखी दादरी जिले की बाढ़डा खंड की ग्राम पंचायत हंसावास खुर्द तथा बाढ़डा व झज्जर जिले के बादली खंड की ग्राम पंचायत बादली व मुहम्मदपुरा माजरा तथा फैजाबाद ग्राम पचांयतों के पंचों व सरपंचों के आमचुनाव 15 जून 2025 को होंगे। साथ ही राज्य के विभिन्न जिलों में पंचों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों और जिला परिषद सदस्यों के रिक्त पदों के लिए उपचुनाव भी इसी तिथि को होंगे। ये सभी सीटें मृत्यु, त्यागपत्र, बर्खास्तगी या अन्य कारणों से खाली हुई थीं, जिनके संबंध में राज्य चुनाव आयोग ने एक महीने पहले अधिसूचना जारी की थी। उन्होंने ने बताया कि कुल मिलाकर पंचायत स्तर पर पंचों की 829, सरपंचों की 81, पंचायत समिति सदस्यों की 17 और जिला परिषद सदस्य की 1 सीट के लिए उपचुनाव निर्धारित किए गए थे। इनमें से कई सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। उन्होंने बताया कि अब चरखी दादरी जिले की बाढ़डा खंड की ग्राम पंचायत हंसावास खुर्द व अन्य जगह उपचुनाव होंगे।

जेजेपी का सदस्यता अभियान आज से

चंडीगढ़। रविवार 15 जून को जननायक जनता पार्टी प्रदेशभर में मेगा सदस्यता अभियान का आगाज करेगी। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला भिवानी और दादरी में नए साथियों को जेजेपी की सदस्यता ग्रहण करवाकर अभियान की शुरुआत करेंगे। इसी तरह पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सोनीपत और जींद, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा कैथल जिले में सदस्यता अभियान कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

हिसार में पूर्व विधायक नैना सिंह और पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा, सिरसा और फतेहाबाद में जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला जेजेपी के सदस्यता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इनके अलावा अन्य सभी जिलों में जेजेपी के अन्य वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता सदस्यता अभियान शुरू करेंगे। जेजेपी ने 31 जुलाई तक चलने वाले सदस्यता अभियान हर विस क्षेत्र में चलेगा।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016, www.ncert.nic.in

एनसीईआरटी प्रकाशनों के वितरण हेतु भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों एवं विदेशों में विक्रेताओं के पैनल का गठन

एनसीईआरटी अपने प्रकाशनों विशेष रूप से विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों के वितरण हेतु सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पैनल में शामिल विक्रेताओं की संख्या को वर्ष 2025 एवं आगे के लिए बढ़ाना चाहती है। प्रतिष्ठित स्टॉकिस्ट/थोक विक्रेता, जिन्हें पुस्तकों के वितरण का अनुभव हो जिनकी वित्तीय स्थिति सुदृढ़ हो, जो वार्षिक बिक्री लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता रखते हों और आवेदन पत्र में उल्लिखित अन्य शर्तों को पूरा करते हों वे आवेदन कर सकते हैं। वे विद्यालय संगठन / संघ भी आवेदन कर सकते हैं जो अपने छात्रों के लिए सीधे एनसीईआरटी से पाठ्य पुस्तकें प्राप्त करना चाहते हों। आवेदन पत्र और संबंधित दस्तावेज़ एनसीईआरटी की वेबसाइट www.ncert.nic.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। **वर्तमान में पैनल में शामिल विक्रेताओं को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।** पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों को पीडीएफ प्रारूप में ncert.hpd@gmail.com पर इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर ईमेल के माध्यम से भेजा जाना चाहिए।

CBC-21104/12/0001/2526

समाज कल्याण विभाग में वित्तीय घोटाले की आरोपित महिला का सुराग नहीं, कई अन्य भी खेल में शामिल

■ सामाजिक पेंशन का पैसा निजी खातों में डालने का आरोप, एक हो चुका गिरफ्तार

योगेंद्र शर्मा ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा समाज कल्याण विभाग मुख्यालय पर सामाजिक पेंशन का पैसा निजी खातों में डाल लेने और एक करोड़ से ज्यादा को गोलमाल मामले में चंडीगढ़ पुलिस एक गिरफ्तारी तक सीमित रह गई है। पूरे मामले में आरोपित एक महिला कर्मचारी अभी तक भी फरार चल रही है, बताया जा रहा है कि उक्त महिला पहले भी कनाडा जा चुकी है। अभी भी आशंका है कि उक्त महिला विदेश फरार हो सकती है। खास बात यह है कि गोलमाल में कुछ अन्य अफसरों और कर्मियों के शामिल होने के संकेत मिल रहे हैं। पूरे मामले में अभी तक भी महिला आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि एक आरोपित की गिरफ्तारी होने के बाद अभी भी चंडीगढ़ पुलिस के हाथ खाली हैं। बताया जा रहा है कि हाई प्रोफाइल महिला अपने रसूख के बल पर अभी तक भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। बताया जा रहा है कि उक्त महिला अनुबंध (कांट्रेक्चुअल) तौर पर सेवाएं दे रही है। पूरा मामला विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। एक्स सर्विसमैन की गिरफ्तारी करने के बाद में चंडीगढ़ पुलिस मामले में नामजद महिला को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

महिला के कनाडा भागने की आशंका, पहले भी जा चुकी

बताया जा रहा है कि उक्त महिला बचाव के लिए अपने रसूखों का इस्तेमाल करने में लगी है। इसके अलावा सरकारी पैसा निजी खातों में डाल लेने के इस मामले में अब शक की सुईं कुछ अन्य कर्मियों और अधिकारियों की तरफ घूम रही है। जिसके कारण कुछ लोग इसमें लीपापोती करने में जुट गए हैं।यहां पर उल्लेखनीय है कि विभाग में पहले भी भूतों को पेंशन बांटने का मामला हाई कोर्ट तक जा चुका है। इसके अलावा भी कईं तरह के गोलमाल पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट तक पहुंच चुके हैं। विभाग के अंदर के दो कर्मियों (एक महिला और एक एक्स सर्विसमैन) ने मिलकर बड़ा खेल कर दिया था। पूरे मामले में निजी खातों में लाखों की राशि हेराफेरी कर जमा करा दी और उसका इस्तेमाल करते रहे। बाद में इसका खुलासा हुआ और मामला आला अफसरों तक पहुंचा, तो एक लिपिक व एक महिला कर्मचारी के विरुद्ध नामजद करते हुए केस दर्ज करा दिया। एक माह का समय बीत जाने के बाद भी मामले मास्टर माइंड महिला फरार बताई जा रही है, जिसके बाहर कनाडा निकल जाने की भी पूरी पूरी आशंका है।

सिस्टम एनालिस्ट हारट्रोन के माध्यम से लगी थी नौकरी

घपले घोटाले में अब पूरा सिंडिकेट काम करने के संकेत मिल रहे हैं, बताया जा रहा है कि हरियाणा सामाजिक न्याय औअधिकारिता विभाग चंडीगढ़ के आला अधिकारी पूरे मामले में गंभीर हैं। लेकिन मामले महिला की गिरफ्तारी के बाद ही आगे बढ़ने की उम्मीद है। यहां पर यह भी बता दें कि यहां पर लिपिक (एक्स सर्विसमैन) जोगेंद्र और महिला सिस्टम एनालिस्ट पूनम ने खेल किया है। दोनों आरोपितों में तालमेल भी विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है। उक्त महिला हारट्रॉन के माध्यम से लगने वाले कर्मियों वाली श्रेणी में हैं। उक्त मामले को पहले भी हरिभूमि ने उठाया था। घोटाले का खुलासा सामाजिक पेंशनों विधवा, बुढ़ापा पेंशन अन्य कईं तरह की पेंशन की रकम बड़ी बड़ी रकम महिला के निजी खातों में ट्रांसफर होने के बाद में हुआ। आरोपितों लिपिक जोगेंद्र और आरोपित महिला ने मामले को घुमाए रखा। बताते हैं कि एक गिरफ्तार ने तो पत्नी के खातों में भी पैसा ट्रांसफर किया था, मोटी रकम एक साल से भी ज्यादा वक्त से निजी खातों में डाली जा रही थी।

चंडीगढ़ पुलिस सरगर्मी से पूनम गुप्ता की तलाश में

चंडीगढ़ पुलिस को आरोपित क्लर्क की गिरफ्तारी के बाद महिला पूनम गुप्ता सिस्टम एनालिस्ट की तलाश में है। आतंरिक विभाग की कमेटी द्वारा जांच पड़ताल और घोटाले की पुष्टि के बाद में ही केसक दर्ज कराया गया था। शिकायत विभाग संयुक्त निदेशक अलका यादव की अध्यक्षता में की गई। बाकी लेखा अधिकारी अमित शर्मा अधीक्षक नरेंद्र सिंह और शिशिर की संयुक्त कमेटी की ओर से विभागीय जांच भी पुलिस के पास जाने से पहले की गई थी। जांच के दौरान पेंशन शाखा और आईटी शाखा के कर्मियों से लंबी जांच पड़ताल और पूछताछ हुई थी । बताते हैं कि उक्त मामले में आरोपित मात्र दो ही नहीं बल्कि महिला की गिरफ्तारी के बाद में पूरे सिंडिकेट का खुलास होने की उम्मीद है। विभाग के आला अफसर भी मामले में गंभीर हैं। बताया यह भी जा रहा है कि राज्य की नायब सैनी सरकार पूरे मामले में आरोपितों के विरुद्ध शिकंजा कसने और एसीबी के पास भी मामले को भेजने पर मंथन करने में जुटी है। सीएमओ के अफसरों के बीच भी यह पूरा का पूरा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से **ई–निविदा** के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को **15:00** बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अग्रिम राशि	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
लिडार सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी (आरपीजे - बीटीआई - एसजीएनआर) का उपयोग करके यार्ड और अनुभाग का ढाल सत्यापन।	₹ 45,79,846	₹ 91,600	02 Months	07.07.2025
सहारनपुर यार्ड में टीआरआर (पी) 1.59 टीकेएम, सहारनपुर में पी. एफ. लाइन नंबर 1, 2 और सेंटर लाइन और एडीईएन/ एसआरई के अधीन एसएसई/ पी. वे/ एसआरई के सेक्शन में खानआलमपुरा (केजेजीवाई) यार्ड में टीबीआर - 13.769 टीकेएम के साथ डीप स्क्रीनिंग कार्य।	₹ 82,84,786	₹ 1,65,700	09 Months	07.07.2025
एसआर. डीईएन-II/ यूएमबी के तहत एडीईएन/पीटीए के अनुभाग में सीएस, सीएमएस, टीडब्ल्यूएस के साथ थ्रू टर्नआउट नवीनीकरण के लिए शेष कार्य और एसएसई/पीवे/पीटीए के अनुभाग में टीआरआर और अन्य विविध कार्यों का शेष कार्य।	₹ 80,75,377	₹ 1,61,500	09 Months	07.07.2025
आरपीजे-बीटीआई सेक्शन पर किमी 14/28-26 (14.612) पर पुल संख्या 26 (डीएन लाइन), स्पान 3x8.22 मीटर के लिए 25 टन लोडिंग के लिए उपयुक्त बनाने के लिए उप-संरचना को मजबूत करने के साथ-साथ स्टील गर्डर को पीएससी स्लैब से प्रतिस्थापित करना।	₹ 1,81,17,069	₹ 2,40,600	08 Months	07.07.2025
एडीईएन/ यूएमबी के अधीन एसएसई/ डब्ल्यू/ई/ यूएमबी खंड में पुरानी रेलवे कॉलोनी में पार्क का विकास/ उन्नयन।	₹ 40,06,216	₹ 80,100	04 Months	07.07.2025

1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट **IREPS** पर अपलोड करनी जरूरी है। **2.** अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होगें। **3.** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। **4.** ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। **5.** जी.एस.टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी।

खुली निविदा संख्याः 11-अम्बाला/2025-26 **दिनांक 13.06.2025**

1776/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी अणु विद्युत परियोजना : मनोहर लाल

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं केंद्रीय ऊर्जा और आवासन व शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को फतेहाबाद के गोरखपुर स्थित हरियाणा अणु विद्युत परियोजना का संयुक्त रूप से दौरा किया। इस दौरान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल हरियाणा बल्कि उत्तर भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी। साथ ही स्वच्छ और सतत ऊर्जा समाधान की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाएं देश को साल 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में यह परियोजना दूरदर्शी कदम है।

खास बातें

- केंद्रीय मंत्री ने कहा की ऊर्जा उत्पादन में परमाणु ऊर्जा संयंत्र अन्य के मुकाबले लंबी अवधि के हिसाब से सस्ता है और प्रदूषण की समस्या भी न के बराबर है

योजना न केवल हरियाणा बल्कि उत्तर भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री को अणु विद्युत परियोजना के निरीक्षण के दौरान अधिकारी स्मृति चिहन देकर सम्मानित करते हुए।

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री व मनोहर लाल अणु विद्युत परियोजना के मॉडल का अवलोकन करते हुए।

ये रहे मौजूद: इस मौके पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अपूर्व कुमार सिंह, निदेशक एचआरपीए सुरेश बाबू, निदेशक परियोजनाएं एनके मिठरवाल, मुख्य निर्माण अभियंता संजीव कुमार सिंगला, सीएसआरचेयरमैन एचके नगोटिया, जिला प्रधान प्रवीण जोड़ा, हरकोफेड चेयरमैन वेद फुलां सहित अन्य गणमान्य व अधिकारीगण उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री नें कहा कि परमाणु सुरक्षा को लेकर आमजन में किसी भी प्रकार की कोई शंका न हो उसके लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाए। नजदीक क्षेत्र में लोगों के बीच जाकर उन्हें परमाणु सुरक्षा के बारे में भी बताएं। खट्टर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीएसआर फंड का और बेहतर सदुपयोग के लिए प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधि के साथ तालमेल बनाकर दूरदर्शी विकास कार्यों की प्राथमिकता बनाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश को साल 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य है उसमें यह परियोजना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा उत्पादन में परमाणु ऊर्जा संयंत्र अन्य के मुकाबले लंबी अवधि के हिसाब से सस्ता है और प्रदूषण की समस्या भी न के बराबर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी राज्यों से भी अपील की गई है कि जहां परमाणु संयंत्र लगने की संभावना हो, वहां कम से कम एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र जरूर लगाएं और पहले से जहाँ संयंत्र लगे हैं उनकी बढोतरी के लिए कार्य करें। मनोहर लाल ने कहा कि बेहतर परिणाम के लिए इस परियोजना के निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें और कहीं कोई परेशानी आए तो केंद्र और राज्य सरकार को अवगत करवाएं। समीक्षा बैठक से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का अणुशिल्प भवन में पहुंचने पर एनपीसीआईएल के अधिकारियों द्वारा शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने साइट विजिट करते हुए निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया।

2031 तक 700-700 मेगावाट दो यूनिट चालू होंगी

भुना। पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि संयंत्र की 1400 मेगावाट की दो यूनिट वर्ष 2031 में शुरू हो जाएंगी। यह परियोजना हरियाणा ही नहीं, पूरे उत्तर भारत के ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी। ग्राम पंचायत गोरखपुर के सरपंच डॉक्टर मनदीप योगी ने मुख्यमंत्री को विकास कार्यों को लेकर मांग पत्र सौंपा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से चंडीगढ़ रवाना हुए। रास्ते में भूना के शहीद भगत सिंह पार्क के पास उनका काफिला रुका। यहां 10 वर्षीय यश बागड़ी पार्टी का झंडा लिए खड़ा था। मुख्यमंत्री ने उसे पास बुलाकर आशीर्वाद दिया और फोटो खिंचवाई।

खबर संक्षेप

परिजनों को नशीला पदार्थ खिला कर किशोरी फरार

पानीपत। पानीपत में एक किशोरी अपने परिवार को आमलेट में नशीला पदार्थ मिलाकर व खिलाकर कथित रूप से अपने प्रेमी संग फरार हो गई। हालांकि हरिभूमि इस का दावा नहीं करता। इधर, नशीले पदार्थ के दुष्प्रभाव के चलते लडकी का परिवार दोपहर तक जब सो कर नहीं उठा तो पडोसियों को शक हुआ और वे घर पर पहुंचे तो लडकी के पिता व दो भाई अपने बिस्तार पर बेहोशी की हालत में मिले। तीनों को पडोसियों ने अस्पताल में भर्ती करवाया। तीनों के होश में आने पर किला थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और तीनों के बयान दर्ज किए। पुलिस ने हुसैन व इसके दोस्त अमीर पर किशोरी को बहला फुसला कर अपने साथ ले जाने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिक्योरिटी गार्ड से अज्ञात युवकों ने की मारपीट

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना क्षेत्र के सिक्योरिटी गार्ड के साथ युवकों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। गार्ड की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। गार्ड व सुपरवाइजर ने दो युवकों को पहचान लिया है, जबकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस को दी शिकायत में यूपी के शाहजहांपुर निवासी जयप्रकाश ने बताया कि वह सेक्टर-45 स्थित ग्रीनवुड सिटी ब्लाक-ए में गार्ड की नौकरी करता है।

मिस्ट्री बॉक्स के जरिए युवक से हजारों ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वेस्ट थाना एरिया में मिस्ट्री बॉक्स के जरिए युवक से हजारों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में लक्ष्मण विहार में रहने वाले कुणाल शर्मा ने कहा एक दिन उसने प्ले स्टोर पर हाई बॉक्स नाम का ऐप देखा, जो एक मिस्ट्री बॉक्स था। ई-कॉमर्स कंपनी का मिस्ट्री बॉक्स खरीदना होता था। जिसमें से प्रोडक्ट निकाला जाता था। प्रोडक्ट पसंद आने पर उसे डिलीवरी करने के लिए कहा जाता था। यदि इस दौरान कुछ नहीं आता है तो इस प्लान को दोबारा बेचे जाने की ऑफर थी।

हत्या के बाद से ही पुलिस ने चारों तरफ नाकाबंदी शुरू की

शराब ठेकेदार शांतनु के मर्डर की जिम्मेदारी काला राणा गैंग ने ली

- मृतक की पहचान मूल रुप से वासी हाल वासी शाहबाद शराब कारोबारी शांतनु के रुप में हुई

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| कुरुक्षेत्र

शाहबाद में शांतनु मर्डर मामले की जिम्मेदारी लेते हुए नोनी राणा के सोशल मीडिया अकाउंट पर डाली गई पोस्ट में नोनी राणा ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। उधर हत्या के बाद से ही पुलिस ने चारों तरफ नाकाबंदी शुरू कर दी है। पुलिस की करीब 7 कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई गई हैं। जानकारी देते हुए उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे पुलिस को सूचना मिली कि दिल्ली-चंडीगढ़ नैशनल हाईवे-44 पर मारकंडा पुल के पास स्तिथ मीना मार्केट के पास एक व्यक्ति पर गोली चलाई गई हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौका पर पहुंची। पुलिस ने मौका पर पहुंचकर घायल को आदेश मैडिकल हस्पताल पहुंचाया जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मूल रुप से वासी हाल वासी शाहबाद शराब कारोबारी शांतनु के रुप में हुई। पुलिस की सीन आफ क्राईम टीम ने मौका पर पहुंचकर छानबीन की। आरोपी अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर नेशनल हाईवे की दूसरी तरफ भागे। आरोपियों ने एक राहगीर से हथियार की नोक पर मोटरसाईकिल छीनी और फरार हो गए। सूचना पर पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने जिला कुरुक्षेत्र और साथ लगते जिलों में तुरन्त नाकाबंदी करके आरोपियों को तलाश करने के आदेश दिए। पुलिस अधीक्षक ने अपराध अन्वेषण शाखा-1 व शाखा-2 साहित कई टीमों का गठन करके सर्च अभियान चलाने तथा आरोपियों को शीघ्र पकड़ने के आदेश दिए। शनिवार को मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले किया गया।

भानू राणा गैंग से जुड़े हुए है हैंड ग्रेनेड मामले में पकड़े गए आरोपी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

करनाल के सेक्टर-13 से शुक्रवार को हैंड ग्रेनेड के साथ पकड़े गए दोनों युवकों का भानू राणा गैंग से जुड़े होने का खुलासा हुआ है। एक युवक गाड़ियों की सेल-परचेज का काम करता है, जबकि दूसरा पढ़ाई पूरी कर विदेश जाने की प्लानिंग बना रहा था। दोनों को एसटीएफ टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा और शनिवार को करनाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

हैंड ग्रेनेड मिलने से मचा था हड़कंप

एसटीएफ टीम ने शुक्रवार को करनाल के सेक्टर-13 क्षेत्र से दोनों युवकों दीपेंद्र प्रताप उर्फ दीपन और अदम्य को उस समय राउंडअप किया, जब उनके पास से एक खतरनाक हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ। इस हथगोले को तुरंत डिफ्यूज करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए इंद्री रोड पर स्थित एक खाली खेत को चुना गया। वहां पर बम निरोधक दस्ते को बुलाकर ग्रेनेड को डिफ्यूज कराया गया।

कोर्ट से मिला 7 दिन का पुलिस रिमांड, एसटीएफ करेगी गहन पूछताछ

शनिवार को एसटीएफ ने दोनों आरोपियों को करनाल कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दोनों को 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। इस दौरान यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि ये हथगोला आरोपियों के पास कहां से आया, इसे लाने के पीछे मकसद क्या था और इसका उपयोग कहां किया जाना था। हालांकि शुरुआती जांच में पुलिस को दोनों के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है, लेकिन अभी हर एंगल से जांच कर रही है। जांच के दायरे में इनकी कॉल डिटेल, सोशल मीडिया गतिविधियां और बैंकिंग ट्रांजैक्शन भी शामिल किए गए हैं।

अधिकारी बोले- पूछताछ के बाद होगा खुलासा

एसटीएफ के जांच अधिकारी अंकित ने बताया कि दीपेंद्र प्रताप और अदम्य से एक हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ है। जिसे इंद्री रोड पर खेतों में डिफ्यूज किया गया। दोनों संदिग्धों को गहन पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के बाद ही इस केस में बड़ा खुलासा हो सकेगा।

सुरक्षा इंतजामों के बीच खेत में किया गया विस्फोट

डिफ्यूजन प्रक्रिया के दौरान मौके पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि न हो। बम निरोधक टीम की निगरानी में ग्रेनेड को खेत के बीच में डिफ्यूज किया गया, जिसमें तेज धमाका हुआ। इसके बाद टीम ने घटनास्थल से ग्रेनेड के बचे हुए टुकड़े भी एकत्र किए। यह पूरा ऑपरेशन बेहद सावधानी से किया गया।

सोशल मीडिया अकाउंट पर की पोस्ट

शराब ठेकेदार शांतनु की हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए नोनी राणा के सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- जय बजरंग बली, राम राम सभी भाइयों को। मैं नोनी राणा जो शांतनु ठेकेदार का शाहबाद (कुरुक्षेत्र) में मर्डर हुआ है इसकी जिम्मेदारी मैं लेता हूं। ये हमारे खिलाफ चल रहा था। जो और कोई भी हमारे खिलाफ चलेगा, उसका यही अंजाम होगा। हां, अब किसी को भी फोन करके सूचित नहीं किया जाएगा, सीधा मौत दी जाएगी..। आखिरी में हैश टैग लगाकर लिखा, काला राणा ग्रुप, लॉरेंस ग्रुप, जितेंद्र मान (गोगी ग्रुप), राजन जाट शाहबाद, नोनी राणा।

रतिया/फतेहाबाद। अस्पताल में खड़े मृतक के परिजन।

फतेहाबाद में चाकू मारकर पशु व्यापारी की हत्या

- पत्नी की शिकायत पर चार पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| रतिया/फतेहाबाद

गांव लाम्बा में पैसे के लेनदेन के चलते देर रात को एक पशु व्यापारी की उसके पड़ोसियो द्वारा चाकू मारकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या की सूचना मिलने पर सदर प्रभारी राजवीर सिंह मौके पर पहुंचे और मृतक की पत्नी कालो बाई की। शिकायत पर उसके पड़ोसी सुखदेव व उसके दो अन्य सहयोगियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले में मुख्य आरोपी सुखदेव को काबू कर आरोपी से मामले के बारे मे पुछताश शुरू कर दी है। मृतक 42 वर्षीय विनोद पशुओं का व्यापार करता है और उसके 2 बेटे हैं। बड़ा बेटा विवाहित है, जबकि छोटा अविवाहित है। पुलिस को दी शिकायत में विनोद की पत्नी कालो बाई ने बताया कि शुक्रवार देर रात उसके घर का पड़ोसी सुखदेव सिंह, अपने 3 साथियों के साथ नशे मे धुत होकर उनके घर में घुस आया। उस समय उसके परिवार के सदस्य सोए हुए थे। शोर सुनकर वह उठ गई और देखा कि सुखदेव सिंह ने आते ही सो रहे उसके पति को उठाया ओर साथ ही उसके पति के मुह के ऊपर चाकू से वार कर दिया। जिस पर उसके पति ने विरोध किया तो सुखदेव सिंह ने उसका मुंह दबा दिया और हाथापाई की और उसने चाकू से विनोद के गले पर वार करते हुए उसकी हत्या कर दी कालो बाई ने बताया कि वह अपने पति को बचाने के लिए बीच में आई तो उक्त लोगो ने उसे धक्का देकर गिरा दिया और इसके बाद वह अपने साथियों के साथ फरार हो गया सुखदेव और उसके साथी को जाने के बाद वह अपने परिजनों के साथ अपने पति को तुरंत सिविल अस्पताल लेकर पहुची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रतिया के सिविल अस्पताल में रखवा दिया और मृतक की पत्नी की शिकायत पर सुखदेव और उसके साथियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपी सुखदेव को गिरफ्तार कर लिया है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर युवक से लाखों की ठगी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| गुरुग्राम

साइबर क्राइम वेस्ट एरिया में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर युवक से लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गुड़गांव के सेक्टर-112 स्थित सोसाइटी में रहने वाले हिमांशु दीवान ने कहा कि फरवरी, 2024 में उसने फेसबुक पर एक स्पेशल स्टॉक ट्रेडिंग में निवेश को बढ़ावा देने वाला एक विज्ञापन देखा। जो ब्रोकरेज फर्म एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड से संबद्ध था। हिमांशु की सहमति पर उसे एसएमसीएलई नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। जिसमें अनुभवी स्टॉक कारोबारियों व हाई-नेट-वर्थ निवेशकों को दिखाया गया था। ग्रुप में रुपए कमाने के स्क्रीन शॉट शेयर किए जाते और निवेश में अच्छा प्रॉफिट दिए जाने की बात कही जाती। ग्रुप में राहुल शर्मा, मनीष कुमार व अंकिता गुप्ता को इंवेस्टमेंट एक्सपर्ट के रूप में पेश किया गया था। वे लोगों को इंवेस्टमेंट करने के बारे में बताते की पैसा कहां लगाना है और कितना प्रॉफिट मिलेगा। हिमांशु को भी विशेष स्टॉक ट्रेडिंग एल्गोरिदम तक पहुंचने के लिए एक लिंक भेजकर ऐप डाउनलोड कर अकाउंट एक्टिव करने के लिए निर्देशित किया गया। उससे सात बार में कुल 24.01 लाख रुपए इंवेस्ट कराए गए। यहीं नहीं विश्वास जमाने के लिए बीती 12 फरवरी को हिमांशु को 5 लाख रुपए एनईएफटी के जरिए वापिस भी किए गए। इसके बाद भी उसे 19 फरवरी व 22 फरवरी को दो बार में इमरान बैंगल्स और डीजी एंटरप्राइजेज द्वारा करीब 15.18 लाख रुपए दिए गए। लेकिन इसके बाद जब हिमांशु ने अपनी राशि वापिस निकालनी चाही तो उसे फ्लेटफार्म से निरस्त करते हुए बिना किसी स्पष्टीकरण के व्हाट्सएप ग्रुप से हटा दिया।

चार धाम यात्रा के लिए बुकिंग के नाम पर ठगे 94 हजार

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वेस्ट थाना एरिया में चार धाम की यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर व होटल बुकिंग के नाम पर 94 हजार रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में गुडगांव के सेक्टर-23 में रहने वाले बृजभूषण शर्मा ने कहा कि उन्हें अपनी पत्नी के साथ चार धाम की यात्रा पर जाना था। इसके लिए उन्हें हेलिकॉप्टर की सुविधा चाहिए थी। जिसके लिए उन्होंने बीती 26 मार्च को फेसबुक पर चार धाम यात्रा सर्च किया, तो पवनहंस लिमिटेड नाम की साइट मिली।

दिल्ली पेरलल नहर में डूबा युवक, सर्च ऑपरेशन जारी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| करनाल

शुक्रवार देर शाम करनाल के मूनक हेड के पास दिल्ली पेरलल नहर में नहाने गया एक युवक अचानक डूब गया। मृतक की पहचान 26 वर्षीय बंसी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बरवाला गांव का निवासी था और मूनक में अपनी बुआ के घर के पास किराये पर रहकर टाइल लगाने का काम करता था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंसी गर्मी से राहत पाने के लिए अपने दो दोस्तों के साथ नहर पर पहुंचा था। तीनों दोस्त नहर की पौड़ी पर बैठकर नहा रहे थे कि अचानक बंसी का पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बह गया। दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि वह कुछ ही पल में आंखों से ओझल हो गया।

घटना के बाद उसके दोस्तों ने गांव पहुंचकर उसकी बुआ को सूचना दी। परिजनों को खबर मिलने के बाद बंसी का भाई महेंद्र भी मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों के साथ मिलकर उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया।

परिजनों की सूचना पर मूनक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी राजपाल ने गोताखोरों की टीम को बुलाकर रात में ही सर्च ऑपरेशन शुरू करवाया। हालांकि अंधेरा और नहर का तेज बहाव होने के कारण ऑपरेशन में बाधा आई और देर रात तक युवक का कोई पता नहीं चल पाया।

थाना प्रभारी राजपाल ने बताया कि जैसे ही नहर में युवक के डूबने की सूचना मिली, तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। गोताखोरों की टीम लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन अंधेरे और तेज बहाव की वजह से दिक्कतें आ रही हैं। उम्मीद है कि युवक को जल्द खोज लिया जाएगा।

गौरतलब है कि बंसी की शादी हो चुकी थी और वह दो छोटे बच्चों 'एक बेटा और एक बेटी' का पिता था। वह परिवार का सबसे छोटा बेटा था।

कार सवार युवक से 7.750 किलोग्राम चूरापोस्त बरामद

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| रानियां

सीआईए सिरसा पुलिस ने गश्त के दौरान गांव सैनपाल क्षेत्र से कार सवार युवक को 7 किलो 750 ग्राम चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान बीते दिन रानियां थाना क्षेत्र के गांव बहिया से गांव सेनपाल की ओर जा रही थी। इस दौरान गांव सैनपाल की ओर से एक कार आती दिखाई दी।

पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त कार को रुकने का इशारा किया तो कार सवार युवक अचानक कार को वापिस मोडने का प्रयास करने लगा।

पुलिस पार्टी ने कार सवार युवक को काबू कर शक के आधार कार की तलाशी ली तो कार की डिग्गी में एक प्लास्टिक का गट्टा रखा हुआ मिला। पुलिस पार्टी ने मौका पर राजपत्रित अधिकारी को बुलाकर प्लास्टिक के गट्टे को चेक किया तो उसमें से 7 किलो 750 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना रानियां में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई हेतु जांच रानियां थाना पुलिस के हवाले की गई है।

सिरसा। चूरापोस्त के साथ पकड़ा गया आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

कैंटर चालक ने छबील स्टॉल को मारी टक्कर, एक की मौत, पांच जख्मी

अंबाला। दिल्ली-अमृतसर हाइवे पर शनिवार दोपहर अढाई बजे एक तेज रफ्तार कैंटर ने छबील के स्टॉल को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। घायलों में से एक को चंडीगढ़ जीएमसीएच सेक्टर-32 रेफर किया गया है। हादसे के समय स्टॉल पर छबील बांटने और पीने वाले लोग मौजूद थे। टक्कर के बाद घायलों को राहगीरों की मदद से अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कैंटर को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हादसे में एक एक्टिवा और जुगाड़ बाइक रेहड़ी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हाईवे किनारे जूते-चप्पलें और डिस्पोजल गिलास बिखर गए। समाजसेवियों ने चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों के लिए टेंट लगाकर छबील का स्टॉल लगाया था।

सफलता मामले में शामिल चार सिक्योरिटी गार्ड पहले ही बर्खास्त

हकृवि में छात्रों पर लाठीचार्ज मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर राधेश्याम को किया गया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶| हिसार

हरियाणा के कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज के मामले में पुलिस ने असिस्टेंट प्रोफेसर राधेश्याम को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन ने उसे निलंबित कर दिया गया था। यूनिवर्सिटी की जांच में सामने आया था कि असिस्टेंट प्रोफेसर राधेश्याम का व्यवहार अशोभनीय था। इससे पहले हकृवि प्रशासन द्वारा चार सिक्योरिटी गार्डों को पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी में शनिवार को बताया कि मामले में एक आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर राधेश्याम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। इस मामले में पुलिस ने रजिस्ट्रार व सिक्योरिटी इंचार्ज सहित कइयों पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उधर, आंदोलनकारी छात्रों को मनाने को प्रयास लगातार जारी है।

यह था मामला

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मंगलवार 10 मई देर रात को कुलपति आवास के बाहर सिक्योरिटी गार्ड्स ने स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज कर दिया था। इसमें 20 से ज्यादा स्टूडेंट घायल हो गए थे और 6 स्टूडेंट्स को गंभीर चोटें आई थीं, जिन्हें नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दरअसल मंगलवार सुबह स्टूडेंट दोपहर को स्कॉलरशिप पॉलिसी के विरोध में कुलपति से मिलने पहुंचे थे। यहां उनका सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ विवाद हो गया। स्टूडेंट्स ने आरोप लगाया कि उनके साथ मारपीट की गई। रात को वे इसके विरोध में कुलपति आवास के बाहर पहुंचे तो सिक्योरिटी गार्ड्स ने उन्हें दोबारा खदेड़ दिया और लाठीचार्ज किया। इसके बाद स्टूडेंट्स की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने यूनिवर्सिटी के सिक्योरिटी इंचार्ज सुखबीर सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर राधेश्याम, रजिस्ट्रार पवन कुमार, सुमन, नरेंद्र, जगमेश पूनिया, अनूप और बिजेंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया था।

दीपेन्द्र ने लगाया बचाने का आरोप

कर्नाटक के कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद रणदीप सुरजेवाला, रोहतक से सांसद दीपेंद्र हुड्डा, हिसार सांसद जयप्रकाश और कई कांग्रेसी विधायकों ने एचएयू में पहुंच धरना दे रहे छात्रों को अपना समर्थन दिया। इस दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जब तक वीसी को यूनिवर्सिटी से नहीं हटाया जाएगा तब तक छात्रों का आंदोलन समाप्त नहीं होगा।

छात्र अभी भी नहीं संतुष्ट

उधर, लाठीचार्ज में घायल हुए छात्र दीपांशु ने बताया कि अभी छात्र यूनिवर्सिटी की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। वो चाहते हैं वीसी धरने पर आकर माफी मांगें और जिन लोगों पर केस दर्ज हुआ है उन सबकी गिरफ्तारी हो। इसके बाद ही धरना समाप्त किया जाएगा।

प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता

इसमें संदेह नहीं कि एक संतान के जीवन में पिता की अहमियत को किसी पैमाने से मापा नहीं जा सकता। वह केवल उसे रचते ही नहीं गढ़ते भी हैं। तभी तो पिता की उदात्त भूमिका का वर्णन पुराणों से लेकर हिंदी समेत विश्व साहित्य में विस्तार से किया गया है। हालांकि तकनीकी प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली से अक्सर पिता उपेक्षित से नजर आते हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि उन्हें सम्मान के साथ अपनेपन का अहसास भी अवश्य कराएं।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब-जब जून का तीसरा रविवार आने को होता है, पिता की छवि आंखों में तैर जाती है। पिता जीवित हों या दिवंगत, इससे उनकी अहमियत पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हम सबने अपने बचपन में पिता का लाड़-दुलार पाया है और जिनके पिता जीवित नहीं हैं, वे भी यह मानते हैं कि जो कुछ भी जिंदगी में बेहतर हुआ है, वह पिता की परवरिश के कारण हुआ है। यद्यपि मां को पृथ्वी का दर्जा दिया गया है और कहा गया है, *माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्याः।* लेकिन इसी तरह यदि मां धरती है तो पिता को आसमान कहा गया है- एक ऐसा साया जिसे हर बच्चा महसूस करता है और जिसे किसी भी उम्र का व्यक्ति भूल नहीं पाता। इस संबंध में शायर मेराज फैजाबादी का शेर याद आता है- *मुझको थकने नहीं देता ये जरूरत का पहाड़ / मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते।* सचमुच बाल-बच्चों से घिरे परिवार में पिता भी बच्चों में ऐसे घुले-मिले रहते हैं कि अपनी उम्र को पीछे छोड़ देते हैं और कभी थका और बूढ़ा नहीं महसूस करते। कम से कम भारतीय परिवेश में पिता और मां की अनिवार्य उपस्थिति अभी परिवार में होती है और उनकी भूमिका भी निर्णायक होती है। यदि बच्चों के लिए मां एक आत्मीय छाया की तरह हैं तो पिता एक दरख्त की तरह। पारिवारिक रिश्ते बहुत जज्बाती होते हैं। कम से कम हिंदुस्तान में आज भी संयुक्त परिवार महफूज है, जहां पिता की सरपरस्ती में बच्चे फूलते-फलते हैं। बल्कि कहें कि हिंदुस्तान में बच्चे अभी भी पिता, मां और बुजुर्गों के मजबूत संरक्षण में रहते हैं तो अतिशयोक्ति न होगी।

पिता होने का मतलब

पितृ दिवस पर जब हम पिता का स्मरण करते हैं तो यह मान कर चलते हैं कि हर एक के भीतर उसके पिता की स्नेह छाया या उसकी मधुर स्मृतियां मौजूद हैं। पिता एक ऐसी संज्ञा है, जिसकी परवरिश के बिना एक बच्चा बड़ा तो होता है लेकिन समग्रता के साथ परिपक्व नहीं हो सकता। पिता की छाया के बगैर बड़े होने वाले बच्चे, ऐसी संवेदना से वंचित रह जाते हैं, जिसमें पारिवारिकता, प्रेम-स्नेह, संस्कार और अभिभावक तत्व के रंग घुले होते हैं। पिता होना केवल एक जैविक इकाई को जन्म देने का श्रेय लेना भर नहीं है बल्कि उन जिम्मेदारियों से भरा होना भी है, जिन्हें पूरा करते हुए वे एक बच्चे को इंसानियत की जीवंत धड़कन के रूप में सहेजते हैं।

विश्व साहित्य में पिता

अकसर पिता के प्रेम को इस रूप में देखा जाता है, जैसे कि वे मां की तरह प्रेम का दिखावा नहीं कर पाते। इस संबंध में हमारे समय के कवियों ने पिता को लेकर बहुत कुछ लिखा है। दुनिया भर के साहित्य को पढ़ें तो पाएंगे कि उनमें पिता की अनेक छवियां विद्यमान हैं। सिल्विया प्लाथ की कविता 'डायरी' इसका एक उदाहरण है तो मार्क इरविन ने भी अपने पिता को आत्मीय संस्मरणों में बांधा है। अपने पिता की कमीज को धोते हुए पोलिश कवयित्री अन्ना स्विर भी जिस मार्मिकता से अपने पिता को याद करती हैं, वह उल्लेखनीय है। वे कहती हैं, 'आखिरी बार मैं धोती हूं कमीज अपने पिता की, जो गुजर गए, कमीज से पसीने की गंध आती है। ये गंध मुझे बचपन से याद है।'

हिंदी कविता में पिता

पिता को लेकर हिंदी के कवियों ने भी तमाम कविताएं लिखी हैं, जिनसे पता चलता है कि कवि, पिता जैसे रिश्ते को लेकर कितने गंभीर हैं। एक पिता के रूप में हिंदी के ख्यात कवि निराला ने अपनी बेटी सरोज पर जो कविता 'सरोज स्मृति' लिखी, वह हिंदी की अमर और अत्यंत मार्मिक शोक गीतिका बन गई।

एक कहावत है कि मां का प्रेम दिखाई देता है, जबकि प्रेम पिता भी करता है पर उसका प्रेम दिखाई नहीं देता। इसी आशय के भाव को जाने-माने कवि चंद्रकांत देवताले ने अपनी एक कविता में व्यक्त किया है। वह कहते हैं, *तुम्हारी निश्छल आंखें तारों सी चमकती हैं/मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में/प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता/ईश्वर की तरह होता है।* हिंदी के सुधी गीतकार यश मालवीय का पिता पर लिखा यह गीत खासा प्रसिद्ध है- *तुम छत से छाये/ जमीन से बिछे, खड़े दीवारों से/तुम घर के आंगन, बादल से घिरे/रहे बौछारों से।*

ये तो बानगी भर है। हिंदी के पुराने दौर के सुविख्यात कवियों से लेकर नए दौर के कवियों तक ने पिता पर अपने-अपने नजरिए से अनेक यादगार कविताएं लिखी हैं।

केवल दिखावे के लिए न हो लगाव

हर बार पिता दिवस आता है, जो हमें भावुक बना देता है। जिन्हें पिता का स्नेह मिला है, वे उन्हें बहुत ही आत्मीयता से याद करते हैं पर जिन्हें पिता का स्नेह नहीं मिला, वे कितनी कचोट अनुभव करते होंगे आज के दिन। पर विडंबना है कि पिता को याद करने का जो ढंग आज समाज में प्रचलित है, वह कुछ ज्यादा ही दिखावटी लगता है। जितनी श्रद्धा का ज्वार सोशल मीडिया पर पिता के प्रति उमड़ता है, क्या इसका पचास प्रतिशत भी वाकई आज की पीढ़ी अपने पिता से वैसा ही स्नेह करती है? यह सवाल बेमानी नहीं है कि आज समाज में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। प्रायः शहरी परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे के अलावा पिता या मां का स्थान नहीं रहा। वे यदि हैं तो अलग रिहाइश में रह रहे हैं। लिहाजा मां-पिता या तो गांव कस्बे में छूट जाते हैं या रहते भी हैं तो बदतर स्थिति में। तो सवाल है, क्या पिता दिवस पर उमड़ने वाला प्रेम केवल दिखावा भर है?

बहरहाल, आज पिता दिवस के मौके पर आशा कर सकते हैं कि जज्बातविहीन होती दुनिया में पुराने जज्बात फिर लौटें, पिता के प्रति बच्चों में आदर पनपे। वे दिखावे में नहीं, सच्चे आदर और स्नेह में भरोसा करें ताकि पारिवारिक संरचना में पिता केवल जन्मदाता के रूप में प्रमाणपत्रों में दर्ज भर होने के लिए न रहें, वह पारिवारिक स्नेह की धुरी भी बने रहें, जहां बच्चों के बीच वह भी सुख हासिल कर सकें। *

पौराणिक ग्रंथों में पिता की महत्ता

विश्व के प्राचीनतम माने जाने वाले ग्रंथ ऋग्वेद में पिता की महत्ता गाई गई है। उन्हें ही शिशुओं का रक्षक माना गया है। ऋग्वेद में ही पिता को अग्नि के तुल्य माना गया है। इस तरह परिवार में पिता एक मेरुदंड के समान होता है, जो शिशु के प्रति कल्याणकारी भावना रखता है। 'रामायण' में भी यह लिखा गया है-

पिता धर्म पिता कर्म पिता हि परमं तपः
पितरि प्रीतिमापन्ने प्रीयंते सर्व देवताः

पुत्र के प्रति पिता के स्नेह का उदाहरण राजा दशरथ भी हैं, जो राम के वन जाने के प्रसंग से उबर नहीं पाए और अपने प्राण त्याग दिए। 'महाभारत' में भी पिता के प्रति त्याग के अनुपम उदाहरण के रूप में भीष्म को देखा गया है। यक्ष के प्रश्नों के उत्तर में भी युधिष्ठिर ने माता को भूमि से बड़ा तथा पिता को आकाश से ऊंचा बताकर पिता की गरिमा को स्थापित किया। शास्त्रों में भी कहा गया है कि पिता का दायित्व है कि संतान को सम्यक शिक्षा दे-

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।

यानी, जो मां पिता बच्चे को तालीम नहीं दिलाते वह बच्चे के शत्रु समान हैं।

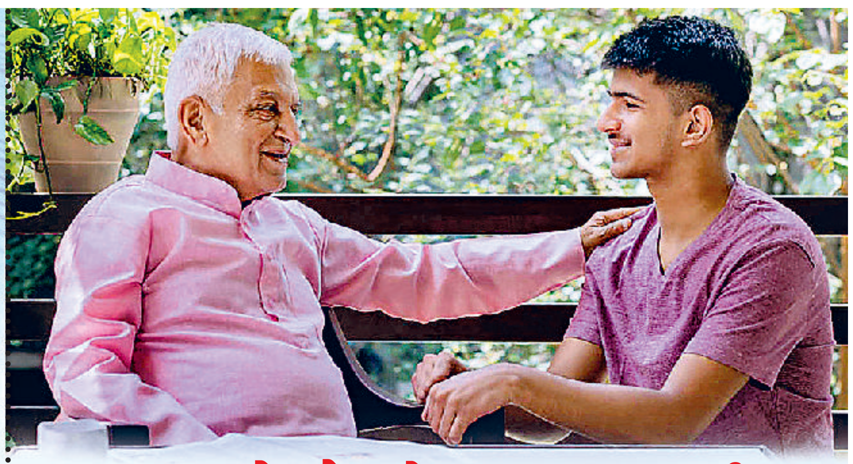

बदलते दौर के साथ बदलती पिता की छवि-भूमिका

भारतीय परंपरा में पिता को देवतुल्य माना गया है। लेकिन समय में बदलाव के साथ पिता की छवि और भूमिका में लगातार बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं। वक्त के साथ बदलती पिता की भूमिका और छवि पर एक नजर।

बदलाव / कल्पना मनोरमा

बीते दौर के पिता को याद करें तो एक ऐसा व्यक्ति याद आता है, जिसके गंभीर चेहरे पर ऊपर की ओर तनी भवें और आंखों के किनारों में आक्रोश का गुबार भरा हुआ दिखता था। हंसी-मजाक की बात पूछना-करना तो दूर, सीधी बात पूछने में भी बच्चों के आसन ढीले होते थे। फिर भी विगत सदी के परिवारों की रीढ़, पिता ही होते थे। मां सहित बच्चों को भरोसा होता था कि पिता घर लौट आए हैं, अब किसी भी तरह की कमी नहीं रहेगी। जो जिस हैसियत का हुआ, मौन होकर पिता परिवार पर सुख लुटाता था।

साठ और सत्तर के दशक के पिता लोहे की तरह सख्त और आत्मा से कोमल होते थे। वे अपने हाथों में रिश्तों की खुशबू और माथे पर जिम्मेदारी की लकीरें लिए मौन फर्ज निभाने में विश्वास करते थे। तब के पिता अपने दुःख बच्चों के आगे इसलिए नहीं कहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि बाल-सपने कांच की तरह होते हैं, जरा से तनाव में टूट जाएंगे। इसलिए खुद के जीवन को किनारे कर बच्चों के सुख-साधन मुहैया कराने की कोशिश हमेशा बनी रहती थी। यानी, तब पिता का प्यार शब्दों में नहीं, उनके कार्यों में झलकता था। जबकि वे बस्ता टांग कर बच्चों को स्कूल के गेट तक नहीं पहुंचाते थे। न मेले में लेकर जाते थे। न सर्दियों में सुबह सबसे पहले उठ कर बच्चों के लिए पानी गरम करते थे। तब पिता माने अनुशासन! पिता भी अपना होना अनुशासन से ही जानते थे। पहले खुद अनुशासित रहते थे, फिर उसी पगडंडी पर संतान को चलते हुए देखने के अभिलाषी बन जाते थे। तब के पिता जानते थे, बच्चे प्यार से बिगड़ जाते हैं। इसलिए पिता बिन बोले प्रेम की छांव देने में भरोसा करते थे। मंगलेश डबराल अपनी एक कविता में कहते हैं, 'जब मैं छोटा था, मेरे पिता मुझे बड़े होते देख रहे थे। / अब जब वे छोटे हो रहे हैं, मैं उन्हें बड़ा होते देखता हूं।' यानी, बच्चे जब दुनिया की ओर कदम बढ़ा रहे होते थे, उनके पिता मौन होकर उन्हें देखते रहते थे। और जब पिता दुनिया से बाहर की ओर सरकना शुरू कर देते थे तो उनके बच्चे भी मौन होकर ही, उन्हें देखते रहते थे। सब कुछ अच्छा होने के बावजूद संवादहीनता के मारे पिता पीड़ा सहते रहते थे और संतान के रूप में अपनी ही प्रतिकृति अगली पीढ़ी को सौंप जाते थे।

धीरे-धीरे बदलने लगी छवि: कुछ समय और सरका तो पिता की छवि और भी बदल गई। ये अस्सी-नब्बे का समय होगा, जब गांव, शहर की ओर दौड़ने लगे थे। उच्च वर्गीय पिताओं के तौर-तरीके सीखकर मध्यमवर्गीय पिता भी अपने परिवार को अलग सुगंधि से भरने लगे थे। अब पिता बदलते हुए अपने समाज में सहिष्णुता लिए मुखर चेहरा बन रहे थे। पिता के हाथ से संस्कार की डोर थोड़ी सी ढीली पड़ने लगी, लेकिन प्रेम से भरे पिता छलकने को आतुर दिख रहे थे। बच्चे पिता के साथ खेलने, हंसने, बोलने और सोने-जागने लगे। अपनी इच्छा प्रकट करने के लिए बच्चों को मां की आवाज की दरकार मिटने लगी। पिता बेटे-बेटियों के बाल भी संवारने लगे। होमवर्क और प्रोजेक्ट में हाथ बंटाने लगे। बेटे की मनोस्थिति समझने के लिए उसे टूर पर ले जाने लगे तो बेटी के लिए सेनेटरी नैपकिन भी लाकर देने लगे। माने अब पिता सिर्फ कमाने वाली मशीन नहीं, 'भावनात्मक उपस्थिति' भी बनने की चाह लिए आधुनिकता के साथ कदमताल करने की ओर मुखातिब हो गए। उनके संघर्ष अब सिर्फ बाहरी नहीं, खुद को बदलने के लिए भी चल रहे थे। अब पिता खुद से, समाज की अपेक्षाओं से और समय के साथ चलते बच्चों के मनोविज्ञान से रू-ब-रू होना चाहते थे। अब पिता खेलने में, सुनने में, गले लगाने में विश्वास करना चाहते थे लेकिन अदब की एक लकीर पिता-पुत्र के बीच खींची तब भी रहती थी।

नई सदी में नए पिता: सदी बदली तो पिता और भी बदल गए। आज के पिता बच्चों से प्रश्न करने से पहले स्वयं से प्रश्न करना चाहते हैं। किसी बिगड़े काम पर बच्चों को डांटने से पहले अपने पर डाउट करना सीख रहे हैं। बार-बार विगत में आवाजाही कर खुद से प्रश्न करते हैं कि 'क्या मैं अपने पिता और दादा जितना ठोस और ठस तो नहीं हूं?' 'क्या मैं अपने बच्चे के मन में जगह बना पाया हूं?' नई सदी के नए पिता, डिजिटल सफर पर भी निकल चुके हैं। बच्चों की 'हेल्दी डाइट' के बाबत यूट्यूब से खाना बनाना भी सीखकर बच्चों समेत उनकी मां को इंप्रेस करने के फिराक में भी रहते हैं। जीवन को सुगम बनाने के टिप्स जहां से मिलें, पिता सीखना चाहते हैं। लेकिन यह नया युग इतना भी सहज नहीं, जितना दिखता है। सूचना और ज्ञान की सहज उपलब्धता पिता-पुत्र को भावशून्य बना रही है। असंवेदनशीलता के इस दौर में चरणस्पर्श जैसी बात रही ही नहीं। अब तो 'हे डूड' 'हाय डैड' ने इनकी जगह ले ली है। आधुनिक पिता अनजाने में सही, अपने बच्चे को सोशल ब्रांड बना रहे हैं।

कहने का सार यही है कि समय कोई भी रहा हो, पिता का अपनी संतान से जुड़ाव में तो कोई अंतर नहीं आया है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति और भूमिका में अंतर आता गया, जिसे पिता सहर्ष स्वीकार भी रहे हैं। *

गजल
अशोक 'अंजुम'

बाबूजी!

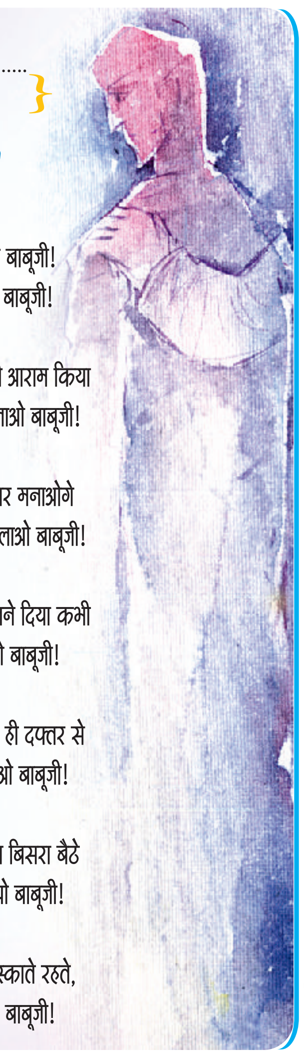

बेटे पर विश्वास करो यों मत घबराओ बाबूजी!
जो मन आए करो इशारा, पीयो-खाओ बाबूजी!

खूब किया है जीवन-भर ही नहीं कभी आराम किया
अब सुकून से घर पर बैठो, हुकुम चलाओ बाबूजी!

कब तक बेटों की उतरन से हर त्योहार मनाओगे
कसम आपको अब की कपड़े नए सिलाओ बाबूजी!

जिम्मेदारियों ने जीवन-भर नहीं निकलने दिया कभी
अम्मा के संग तीरथ जाओ, गंग नहाओ बाबूजी!

बोनस आज मिला है मुझको अकस्मात ही दफ्तर से
कहां खर्च करना है इसको, जरा बताओ बाबूजी!

राग-रागिनी, आल्हा-ऊदल सबके सब बिसरा बैठे
अब फुर्सत है झूम-झूम कर ढोला गाओ बाबूजी!

कष्ट कोई हो उसे छिपाकर हरदम मुस्काते रहते,
कहां दर्द है, यूं न छिपाओ, हमें बताओ बाबूजी!

लघुकथाएं

पिता की चिंता

शुभम ने स्कॉलरशिप का फॉर्म भरा था। आज उसकी परीक्षा थी। स्कूली परीक्षा से इतर यह उसके जीवन की पहली परीक्षा थी। रजनी सुबह से ही पति सुमित को देख रही थी। बेटे से ज्यादा पिता चिंतित दिख रहे थे। सुबह बेटे को उन्होंने ही जगाया फिर जल्दी-जल्दी नहाकर तैयार हो गए। कुछ खाए बगैर ही उसे एग्जाम सेंटर तक छोड़ने चले गए।

शुभम ने कितना कहा, 'पापा आप क्यों परेशान हो रहे हैं? मैं रिक्शे से अकेला ही चला जाऊंगा। मैंने सेंटर गूगल पर सर्च कर लिया है।' लेकिन सुमित नहीं माने।

'तुम्हें छोड़कर मैं लौट आऊंगा बेटा।' कहकर सुमित साथ चल पड़े। स्कूल गेट के भीतर जाने से पहले तक उन्होंने बेटे को परीक्षा के दौरान एहतियात रखने वाली जरूरी हिदायतें दीं। जब शुभम स्कूल में प्रवेश कर गया तो सुमित घर लौट आए।

परीक्षा आठ बजे से ग्यारह बजे तक होनी थी। इतना समय वहां रुकना व्यर्थ था। घर से बस आधे घंटे का रास्ता था। दोबारा जाया जा सकता था।

लेकिन यह क्या! अभी दस भी न बजे थे कि सुमित फिर तैयार हो गए।

'कहां चल दिए?' रजनी ने पूछा।

'शुभम को लेने।' सुमित ने जवाब दिया।

रजनी बोली, 'उसे रिक्शे के पैसे दे तो दिए हैं, वो खुद आ जाएगा।'

'अभी तेरह साल का ही तो है। कहीं भटक गया तो?' सुमित ने चिंता जताई।

रजनी ने कहा, 'पर अभी तो बहुत समय है।'

'तो क्या हुआ। पेपर पहले खत्म करके शुभम बाहर आ गया तो..।' सुमित बोले।

'समय से पहले किसी को बाहर नहीं आने दिया जाएगा।' पत्नी ने समझाया, लेकिन सुमित नहीं माने। इधर-उधर की बातें समझाने लगे।

अभी तक रजनी ने सुमित को बेटे को डांटते-डपटते ही देखा था। उसे लगता था, सुमित को बेटे की कोई परवाह नहीं रहती। हर समय उसे डांट-फटकार लगाने का बहाना ढूंढते रहते हैं। सुमित के भीतर यह पिता आज पहली बार रजनी ने देखा।

खुशी-खुशी बोली, 'अच्छा जाओ, शुभम आपकी राह देख रहा होगा।'

पत्नी की सहमति पाते ही सुमित हर्षित मन से बेटे को लेने चल पड़े। *

-सरस्वती रमेश

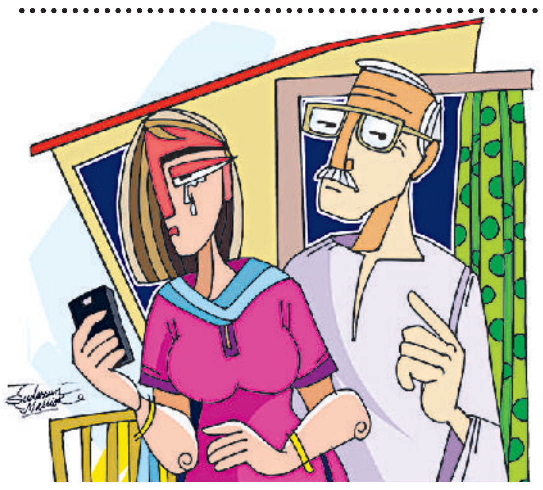

भरोसे का पुल

'अब क्या होगा पापा?' तकनीक की धोखाधड़ी का शिकार हुई बेटी की आंखों में आंसुओं के साथ भय भी उतर आया।

'होना क्या है, कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुनकर फेक वीडियो बनाने वाले को सजा दिलवानी है।' वे बिना किसी उलझन और संदेह के एक सांस में यह बात कह गए।

'यह मैं नहीं हूं पापा, यह वीडियो मेरा नहीं है। जाने कैसे मेरी तस्वीरें चुराकर यूं अभद्र शब्दों और अश्लील दृश्यों से जोड़ दिया है किसी ने?' हैरत और पीड़ा का यह मिला-जुला स्वर पिता का मन भेद गया।

'कॉलेज की दूसरी लड़कियों के साथ भी ऐसा हुआ है। आप चाहें तो उनसे पूछ लें।' स्पष्टीकरण देती बिटिया का हाथ पकड़कर पिता बोले, 'किसी से कुछ नहीं पूछना है मुझे।

पुरानी पीढ़ी का जरूर हूं पर यह अच्छे से समझता हूं कि आधुनिक तकनीक ने बहू-बेटियों का जीवन दुश्वार करने वाली आपराधिक मानसिकता और असुरक्षा के नए रास्ते खोल दिए हैं।'

फिर थोड़ा संयत होकर कहा, 'तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, बस।

हमारे बीच भरोसे का एक मजबूत पुल है मेरी बेटी।' आश्वस्ति भरी यह बात सुनकर भी जीवन की जद्दोजहद समझने की कच्ची-पक्की उम्र के मोड़ पर खड़ी बिटिया ने चिंतित स्वर में पूछा, 'सब लोग क्या कहेंगे पापा?

आस-पड़ोसी और सगे-संबंधी कैसे-कैसे सवाल करेंगे अब?'

वे दुधमुंही बच्ची को छोड़कर दुनिया से विदा ले लेने वाली पत्नी की दीवार पर लगी तस्वीर की ओर देखते हुए बोले, 'कौन करेगा सवाल और क्यों करेगा? किस अधिकार से पूछेगा कोई प्रश्न?

तुम्हारे पालन-पोषण की मुश्किल यात्रा के बीते अठारह वर्ष में जो कुछ पूछने नहीं आए वे किस अधिकार से एक फेक वीडियो को लेकर वास्तविक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछ सकेंगे?'

बेटी का हाथ थामकर समझाइश देते हुए पिता के रुंधे गले की आवाज बेहद स्पष्ट थी। *

-मोनिका शर्मा

विशेषः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून

सभी पृथ्वीवासी हों स्वस्थ-शांत यही है योग का ध्येय

भारतभूमि से उत्पन्न होने वाले अमूल्य ज्ञान योग की महत्ता आज संपूर्ण विश्व स्वीकार कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इसे एक विशेष दिवस के रूप में मान्यता दिए जाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग की ख्याति और स्वीकृति बढ़ रही है। योग किस तरह व्यक्ति ही नहीं संपूर्ण विश्व का कल्याण कर सकता है, इस बारे में आपको पता होना चाहिए।

महायोजन
कुमार राधारमण

महर्षि पतंजलि ने योग के आठ मार्ग बताए हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। इन योग-सूत्रों को बहुधा शारीरिक स्वास्थ्य से ही जोड़कर देखा जाता है, लेकिन वास्तव में यह स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। ये सूत्र शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं, इनका संबंध हमारी दिनचर्या और हमारे मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य से भी है। इन चारों पैमानों पर स्वस्थ व्यक्ति ही वास्तव में स्वस्थ है। प्रायः रोगग्रस्त व्यक्ति अपने शरीर से ऊपर उठ ही नहीं पाता। उसकी पूरी ऊर्जा इसी प्रयास में खप जाती है कि वह कैसे स्वस्थ हो? यहां यह समझना होगा कि जो स्थूल रूप में स्वस्थ होगा, उसके लिए सूक्ष्म की यात्रा सुगम होगी। ऊपर की यात्रा के लिए स्वास्थ्य एक प्रकार की अनिवार्यता है।

क्या है योग और इसकी महत्ता

पतंजलि कहते हैं- योगश्चित्तवृत्ति निरोधः अर्थात चित्त में किसी भी प्रकार की हलचल न होने की अवस्था योग है। दृश्य, स्मृतियां, कल्पनाएं और वस्तु आदि चित्त को अस्थिर करती हैं। इनमें न उलझने अथवा इनसे बाहर आ जाने का नाम योग है। हर प्रकार से हर व्यक्ति, हर प्राणी, हर जीव शांत हो, यही उपनिषदों के ऋषि की कामना रही है।

ऋग्वेद का ऋषि कहता है- ऊं द्यौः शांतिरंतरिक्षं शांति, पृथ्वी शांतिरापः शांतिरोषधयः शांति। वनस्पतयः शांतिर्विश्वेदेवाः शांतिर्ब्रह्म शांतिः सर्वं शांतिः शांतिरेव शांतिः सा मा शांतिरेधि।। अर्थात आकाशीय दुनिया, अंतरिक्ष, पृथ्वी और जल में ही नहीं, औषधि और वनस्पति में भी- यहां तक कि देवतागणों और ब्रह्म में भी यानी चहुंओर- समस्त विश्व में शांति हो, शांति हो, शांति हो।

अशांति के कारण पनपते हैं रोग

इस वर्ष के योग दिवस का विषय है-योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ अर्थात समष्टि-बोध और परम स्वास्थ्य के लिए योग। हम बचपन से सुनते आए हैं, स्वास्थ्य ही परमधन है। किसी भी प्रकार का अस्वास्थ्य या रोग बाहरी-भीतरी अशांति या अनियमितता के कारण ही होता है। इसलिए, ज्ञानियों ने शांति की बात की ताकि हम समग्र स्वास्थ्य को उपलब्ध हों और वह स्वास्थ्य हमारे लिए, उच्चतर ऊर्जा की ओर बढ़ने, चेतना के तल पर ऊपर उठने में सहायक हो। आज अच्छा इलाज करवा पाना सबके वश में नहीं है। बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में डॉक्टरों की कमी है और जहां अनुपात ठीक है, वहां इलाज बहुत महंगा है।

भारत में प्रति एक हजार व्यक्ति पर डॉक्टरों का अनुपात महज 0.64 प्रतिशत है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें, तो प्रति हजार व्यक्ति पर एक डॉक्टर की उपलब्धता होनी चाहिए। महंगे इलाज के कारण लोग अब सस्ते इलाज का विकल्प ढूंढ रहे हैं।

बीमार होने से बचाए योग

रुग्णता से बचने और अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने, दोनों का सहज मार्ग है-योग। विश्व समुदाय को या यों कहें कि मानवता को भारत की जो मौलिक देन है, योग उनमें से एक है। यह अच्छा है कि इसके प्रति अब दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है, क्योंकि डॉक्टरों की संख्या हमारी बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में कम ही रहेंगी। जाहिर है, योग ही विकल्प है। एक अच्छी बात यह है कि अब अपने यहां भी तमाम नामी अस्पतालों के एलोपैथ डॉक्टर योग को अपनाने की सलाह दे रहे हैं। योग हमारी दिनचर्या से जुड़ सके, तो हमारा कायाकल्प हो जाए। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि हम इसे स्वस्थ रहते अपनाएं। रुग्ण व्यक्ति की शारीरिक सीमाएं होती हैं, जबकि स्वस्थ व्यक्ति अधिक ऊर्जा के साथ न सिर्फ स्वयं को, बल्कि प्रकृति को भी चार्ज कर सकता है। आम आदमी के लिए योग भले निरोग होने का माध्यम हो, लेकिन योग वस्तुतः स्वस्थ व्यक्ति के लिए ही है। स्वस्थ व्यक्ति योग को अपनाए, तो उसके रुग्ण होने की संभावना ही न रहे।

योग में निहित है विश्व कल्याण

यह पृथ्वी कैसे जीवन के अनुकूल बनी रहे, यह आज की पीढ़ी के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। विश्व-ग्राम की अवधारणा केवल आर्थिक या व्यापारिक नहीं हो सकती, स्वास्थ्य को भी इससे जोड़ना होगा। तभी एक ऐसे सामूहिक जीवन की कल्पना की जा सकेगी, जिसमें स्वस्थ लोग स्वस्थ जीवन और स्वस्थ परंपरा की नींव रख रहे होंगे। योग की पूरी संकल्पना इसी पर आधारित है। इसकी शुरुआत तो शरीर के तल से होगी, लेकिन अभ्यास से आप धीरे-धीरे पाएंगे कि आप शरीर-मात्र नहीं हैं। इस बोध में कि आप स्थूल काया मात्र नहीं हैं, जीवन के अनेक संघर्षों का समाधान छिपा है।

योग व्यक्ति-मात्र तक सीमित नहीं है, इसका संबंध समष्टि से है। समष्टि के साथ एकाकार हो जाने का नाम है योग। हम इसे आसन, व्यायाम या प्राणायाम तक सीमित न समझें। लक्ष्य ध्यान, धारणा और समाधि तक जाने का हो। आज पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन पर जो कुछ भी कहा-लिखा जा रहा है, वह पतंजलि की 'धारणा' पर ही आधारित है। समाधि में वह धारणा भी मिट जाती है। अद्वैत की यह अवस्था परम स्वास्थ्यदायी तो है ही, इस अवस्था में पूरी सृष्टि के एक होने का बोध भी होता है, जहां सब एक-दूसरे से जुड़े हैं, जहां सबके होने से ही एक-दूसरे का अस्तित्व है। वह बोध ही वास्तविक विश्वग्राम है। शुभता वहीं से शुरू होती है। *

हम समझें योग की महत्ता

इस सृष्टि में कुछ भी पृथक नहीं है। सब कुछ परस्पर निर्भर है। किसी भी अर्थ में दुनिया के किसी भी कोने का पिछड़ापन संसार के बाकी हिस्सों के ऊपर उठने में बाधक होता है। स्वास्थ्य हमारा मौलिक अधिकार है, हमारी बुनियादी आवश्यकता है। परिवार में किसी भी व्यक्ति की बीमारी पूरे परिवार पर असर डालती है। योग इस स्थिति से हमें बचाने में सहायक है। एक दिलचस्प पहलू यह है कि जहां जीवन की अधिकतर बुनियादी सुविधाओं के लिए हमारी सरकार पर निर्भरता होती है, लेकिन योग एक ऐसा माध्यम है, जो सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता के बगैर भी हमारे लिए उपलब्ध है। यह सदियों से हमारे लिए उपलब्ध रहा है, जिसकी कीमत हमने पहचानी होती तो आज हर घर में योगाचार्य होते।

इन दिनों युवाओं में साइकिल से ट्रैवलिंग का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो रहा है। अगर आप भी साइकिल पर्यटन की योजना बना रहे हैं तो आपको परफेक्ट डेस्टिनेशन के बारे में पता होने के साथ कुछ बातों का ख्याल रखना भी आवश्यक है।

एडवेंचरस एक्सपीरियंस के लिए करिए साइकिल ट्रैवलिंग

ट्रैवल ट्रेंड
समीर चौधरी

चाहे अंगूर की बेलों से ढंकी यूरोप की वादियों में क्रूज करना हो या भारत में मसालों से महकती सड़कों पर सैर करना हो, साइकिलिंग संबंधित जगह से गहरा संपर्क स्थापित कर देती है। सस्टेनेबल पर्यटन और विशिष्ट अनुभव की इच्छा के कारण साइकिलिंग पर्यटन की मांग निरंतर बढ़ती जा रही है, विशेष कर इसलिए कि यह धीमा और मजेदार एडवेंचर है।

बढ़ रहा है क्रेजः इसमें कोई दो राय नहीं है कि किसी भी जगह को बहुत गहराई तक अनुभव करने के लिए साइकिलिंग पर्यटन सबसे अच्छा विकल्प है। एक ट्रैवल कंपनी के अध्यक्ष राजीव काले का कहना है, 'साइकिलिंग आधारित यात्रा में हम दिलचस्पी बढ़ते हुए देख रहे हैं। व्यक्तिगत तौर पर और छोटे-छोटे ग्रुप में लोग अधिक सक्रिय और पर्यावरण सजग कार्यक्रमों की तलाश कर रहे हैं।' आज अधिकतर युवा साइकिल पर्यटन का आनंद ले रहे हैं। यह बात केवल मेट्रो शहरों में ही देखने को नहीं मिल रही है बल्कि 2-3 टियर वाले शहरों में भी यही देखा जा रहा है। कहने का अर्थ यह है कि साइकिलिंग पर्यटन का क्रेज बढ़ता ही जा रहा है।

ये हैं फेवरेट स्पॉट्सः भारत विविध लैंडस्केपों का देश है, इसलिए खोजों की अनंत संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस समय भारत में जिन जगहों पर साइकिलिंग पर्यटन के लिए अधिक पर्यटक जा रहे हैं वह हैं- कुर्ग के कॉफी प्लांटेशंस, मुन्नार के रोलिंग टी गार्डंस, लेह-लद्दाख के पहाड़ी दर्रे, गोवा के कोस्टल रूट्स, पुडुचेरी के समुद्र तट और प्राकृतिक मार्ग, हिमाचल प्रदेश की स्पीति वादी, महाराष्ट्र में कास पठार, अरुणाचल प्रदेश की मेचुका वादी, पुणे के निकट वेल्हे पानशेत, असम में माजुली द्वीप, तमिलनाडु में वालपराई पहाड़ी मार्ग, केरल में वायनाड और आंध्रप्रदेश की अरकू वादी। साइकिलिंग पर्यटन के लिए बड़ी संख्या में लोग विदेश भी जा रहे हैं और इस सिलसिले में जो जगह विशेष रूप से पसंद की जा रही हैं वो हैं- एम्स्टर्डम, इसमें 500 किमी से अधिक समर्पित साइकिल लेन है, आसानी से साइकिल किराए पर ली जा सकती हैं और नहरों के किनारे साइकिलिंग मार्ग बने हुए हैं। एम्स्टर्डम सपनों जैसा शहरी साइकिलिंग अनुभव प्रदान करता है। क्योटो का समतल भू-भाग, अनुशासित ट्रैफिक और कॉम्पैक्ट लेआउट साइकिल से पर्यटन को आनंदमय और यादगार बना देता है। लवार वादी लगभग 900 किमी का इलाका है, जो महलों, अंगूर के खेतों और फ्रांस के गांवों से होकर गुजरता है। विदेशों में साइकिलिंग पर्यटन के लिए अन्य चर्चित मार्ग हैं, डेनमार्क का सुंदर लैंडस्केप, बेल्जियम के ऐतिहासिक शहर, स्विट्जरलैंड के पहाड़ी सर्किट और ऑस्ट्रिया के अल्पाइन मार्ग। इनके अतिरिक्त स्पेन का कामिनो डे सेंटिआगो, दक्षिण कोरिया के नदी किनारे के सुंदर मार्ग और सिंगापुर के शहरी साइकिलिंग मार्ग।

इन बातों का रखें ध्यानः साइकिलिंग पर्यटन के लिए जाते हुए कुछ बातों का ख्याल रखना आवश्यक है। सबसे पहले तो सही साइकिल का चयन करें। अगर आप लद्दाख के ऊबड़-खाबड़ क्षेत्रों में जा रहे हैं तो मजबूत माउंटेन बाइक का चयन करें। समतल शहरी मार्गों के लिए या सिटी राइड के लिए हाइब्रिड या टूरिंग बाइक्स का चयन करें, वो आरामदायक होती हैं और उसकी अच्छी क्षमता होती है। अपने रूट की योजना पहले से बनाएं। दूरी को कम न आंकें और अपने स्टैमिना को अधिक न आंकें। मार्ग-परिवर्तन, डाउनटाइम और मौसम के बदलते मिजाज के लिए हमेशा गुंजाइश बनाए रखें। स्मार्ट पैकिंग करें, हल्का और कम सामान लेकर चलें। आवश्यक चीजों पर फोकस करें- मौसम के हिसाब के ड्रेस, बेसिक रिपेयर किट, हाइड्रेशन गियर और भरोसेमंद पॉवर बैंक। स्थानीय नियमों का पालन करें। साइकिलिंग के स्थानीय नियमों को जानना और उनके पालन से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाथ के सिग्नल को समझें, हेलमेट लगाएं और हर क्षेत्र के लिए जो लेन इस्तेमाल करने के नियम हैं, उनका पालन करें। ठहरने की उन जगहों का चयन करें, जो साइकिल सवारों का स्वागत करती हैं। उन जगहों की तलाश करें, जो बाइक-फ्रेंडली हों, जिनमें पार्किंग की सुरक्षित जगह हो, साइकिल धोने के लिए जगह हो और आपके राइडिंग कार्यक्रम को मैच करते हुए भोजन करने की लचीली टाइमिंग हो। *

उपयोगी पेड़
वीना गौतम

विटामिन ए, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर आड़ू जहां एक ओर स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, वहीं इसकी खेती किसानों के लिए आर्थिक दृष्टि से बेहद फायदेमंद है।

स्वास्थ्यवर्धक-अर्थोपार्जक आड़ू

आड़ू मध्यम आकार का मीठा, रसीला और खुशबूदार फल है। इसका छिलका रोंएदार होता है। आड़ू का उपयोग जैम, जूस और केक बनाने में भी किया जाता है। हालांकि कुछ वर्ष पहले तक भारत में आड़ू की खेती सीमित होती थी। यह मुख्यतः हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के पहाड़ी क्षेत्रों में की जाती थी। लेकिन हाल के सालों में आड़ू की कुछ किस्में ऐसी विकसित की गई हैं, जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी उगाई जाने लगी हैं।

इसलिए मांग है अधिकः आड़ू यानी पीच का वैज्ञानिक नाम प्रूनस पर्सिका है। इस फल की मांग दिनों-दिन बढ़ रही है। दरअसल, जो लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हैं उन्हें पता है कि आड़ू के फल में विटामिन-ए, विटामिन-सी के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं।

किसानों के लिए फायदेमंदः आड़ू जब से मैदानी क्षेत्रों के लिए विकसित हुआ है, तब से पंजाब और हरियाणा के सैकड़ों किसान इसकी सफल खेती करके अपनी आर्थिक बेहतरी कर रहे हैं। आड़ू का पेड़ उगाना किसानों के लिए फायदे की गारंटी है। आड़ू का एक पेड़ औसतन 25 से 30 किलोग्राम फल एक वर्ष में देता है। अगर सही ढंग से कोई किसान एक एकड़ में आड़ू की बागवानी करता है तो सारे खर्च निकालने के बाद भी उसे 1.5 से 2 लाख रुपए तक का सालाना फायदा हो सकता है।

ऐसे आया भारतः आड़ू वैसे तो चीन का मूल फल है। लेकिन चीन से यह फारस, फारस से यूरोप और इन दोनों जगहों से लगभग 15वीं, 16वीं शताब्दी में भारत पहुंचा है। भारत के पहाड़ी क्षेत्र इसे विशेषतौर पर भाए और कई सादियों तक पहाड़ी क्षेत्रों का एक विशेष फल बन कर रहा। लेकिन अब इसके जीन को डेवलप करके मैदानी क्षेत्रों में भी आकर्षक और स्वादिष्ट आड़ू उगाए जा रहे हैं।

अनुकूल परिस्थितियांः पारंपरिक तौर पर आड़ू का पेड़ 1000 से 2500 मीटर ऊंचाई तक पहाड़ियों में बहुत अच्छी तरह से फलता-फूलता है, क्योंकि इसे 7 डिग्री सेंटीग्रेड से कम तापमान की जरूरत होती है। साथ ही इसे कम से कम इस ठंडे तापमान के 300 से 1000 घंटे चाहिए, जो इसके फलने-फूलने के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन अब जो आड़ू की नई किस्में वैज्ञानिक ढंग से अलग-अलग मौसमों और मिट्टी के अनुकूल विकसित की गई हैं, उन पर यह नियम लागू नहीं होता।

पारंपरिक रूप से आड़ू के पेड़ के लिए रेतीली और दोमट मिट्टी अच्छी होती है, जिसमें जल का निकास अच्छा हो। इसके लिए पीएच 6.0 से 7.5 तक उपयुक्त रहता है। एक एकड़ में आड़ू के 250 से 300 पौधे तक लगाए जा सकते हैं। आड़ू के दो पौधों के बीच 6X4 मीटर की दूरी होनी चाहिए। आड़ू के पौधों के रोपण का सही समय दिसंबर से फरवरी का महीना होता है। आड़ू के पेड़ की जहां तक देखभाल की बात है, तो इसे नियमित सिंचाई और उर्वरकों की जरूरत होती है। प्रमुख खाद के रूप में इसे गोबर की खाद, नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश चाहिए होती हैं। *

इसी हफ्ते आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' रिलीज हो रही है। इस फिल्म को लेकर आमिर कितने एक्साइटेड हैं? 'सितारे जमीन पर' की सक्सेस को लेकर वह कितने कॉन्फिडेंट हैं? इस फिल्म, करियर और उनकी लव लाइफ से जुड़ी बेबाक बातचीत आमिर खान से।

जब डायरेक्शन करूंगा तो एक्टिंग पूरी तरह छोड़ दूंगाःआमिर खान

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

लगभग तीन साल बाद 20 जून को आमिर खान अपनी नई फिल्म 'सितारे जमीन पर' लेकर आ रहे हैं। यह फुटबॉल पर केंद्रित एक कॉमिक फिल्म है। इस फिल्म में आमिर ने फुटबॉल कोच का किरदार निभाया है, जो खिलाड़ियों द्वारा बहुत परेशान किया जाता है। 'सितारे जमीन पर' की कहानी एक स्पेनिश फिल्म की रिमेक है। इसी कहानी पर हॉलीवुड फिल्म भी बन चुकी है। हाल में ही इस फिल्म से जुड़ी आमिर खान से लंबी बातचीत हुई, पेश हैं इसके प्रमुख अंश-

आजकल ज्यादातर फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। ऐसे में अपनी रिलीज हो रही फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर कितने एक्साइटेड हैं आप?

आज के दौर में फिल्मों को लेकर कोई भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है, क्योंकि हमारी कोशिश तो यही रहती है कि हम ऐसी फिल्म बनाएं, जो दर्शकों को पसंद आए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि रिलीज को लेकर हमारी टाइमिंग गलत हो जाती है। जैसे आजकल एक्शन फिल्मों का दौर है, जबकि मेरी फिल्म 'सितारे जमीन पर' की कहानी अलग है, यह कॉमेडी फिल्म है। ऐसे में मैं थोड़ा दुविधा में हूं कि आज के एक्शन फिल्मों के दौर में क्या मेरी फिल्म 'सितारे जमीन पर' दर्शकों को पसंद आएगी? बहरहाल, अब तो तीर कमान से निकल चुका है। फिल्म की सफलता/असफलता दर्शकों के हाथ में है। मुझे फिल्म निर्माण में जितनी भी मेहनत करनी थी, वह मैंने की है, आगे भगवान ही मालिक है।

सुना है आपने पहले 'सितारे जमीन पर' फिल्म को करने से इंकार कर दिया था, फिर फरहान अख्तर इसे साइन करने वाले थे। लेकिन तभी आपका मन बदला और आपने यह फिल्म करने के लिए हामी भर दी। इस बात में कितनी सच्चाई है?

हां, यह सच है। फिल्म के डायरेक्टर प्रसन्ना जब पहली बार मेरे पास स्क्रिप्ट लेकर आए तो मैंने उनसे कहा कि मैं डिप्रेशन में चल रहा हूं, इसलिए अभी यह फिल्म नहीं कर पाऊंगा। यह सुनकर वह बहुत निराश हो गए, लिहाजा उन्होंने इस फिल्म के लिए फरहान अख्तर से बात की, वह इसे फाइनल करने ही वाले थे कि तभी मैंने फिर से स्क्रिप्ट पढ़ी और मेरा मन बदल गया। मैंने फिर से डायरेक्टर से यह फिल्म करने की इच्छा जताई और फरहान से माफी भी मांगी। तब फरहान ने कहा यह फिल्म आप ही कर सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों से आप पहले से जुड़े हुए हैं। बताना चाहूंगा कि 'सितारे जमीन पर', 'तारे जमीन पर' की स्पिरिचुअल सीक्वल है और इसमें 10 नए सितारे हैं, जो मानसिक तौर पर फिट नहीं हैं।

'सितारे जमीन पर' की कहानी स्पेनिश फिल्म 'केंपिओंस' की रीमेक है, इसके अलावा यही फिल्म हॉलीवुड में भी 'चैंपियंस' नाम से बनी थी। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे नहीं लगता कि रीमेक फिल्मों में काम करने में कोई प्रॉब्लम है। मैंने इससे पहले भी कई रीमेक फिल्मों में काम किया है, फिर चाहे वह 'गजनी' हो या 'लाल सिंह चड्ढा' हो। अगर इस फिल्म की कहानी स्पेनिश या हॉलीवुड से प्रेरित है तो इसमें बुराई क्या है। कितने लोगों ने स्पेनिश, हॉलीवुड फिल्म देखी होंगी। मेरा मकसद हमेशा से अच्छी कहानियों पर काम करना रहा है फिर वह रीमेक हो या ओरिजनल, इससे मुझे कोई खास फर्क नहीं पड़ता।

क्या आप अपनी पिछली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की असफलता की वजह से इस रिलीज को लेकर डरे हुए हैं?

जब भी मैं किसी फिल्म में काम करता हूं या फिल्म बनाता हूं तो उसे फिल्म के निर्माण से पूरी तरह संतुष्ट रहता हूं, क्योंकि मैं अपनी फिल्म में 100% मेहनत करता हूं। इसी तरह जब मैंने 'लाल सिंह चड्ढा' बनाई तो मुझे उस फिल्म से बहुत उम्मीद थी। पर्सनली मुझे 'लाल सिंह चड्ढा' फिल्म बहुत अच्छी लगी थी। लेकिन दर्शकों ने उस फिल्म को नकार दिया तो मुझे लगा कि जितनी गलतियां मैंने अपने पूरे करियर में नहीं की, वह एक ही फिल्म में कर दीं। इससे मुझे सीख मिली और मैं भविष्य को लेकर अवेयर भी हो गया।

फिल्मों में डायरेक्शन को लेकर फ्यूचर में आपकी क्या प्लानिंग हैं?

जब तक मैं एक्टिंग करूंगा, तब तक डायरेक्शन नहीं करूंगा, और जब डायरेक्शन करूंगा तो एक्टिंग पूरी तरह छोड़ दूंगा। क्योंकि मैं दोनों तरफ एक साथ ध्यान नहीं दे सकता। इसलिए फिलहाल मैं डायरेक्शन में कम दिलचस्पी दिखा रहा हूं।

आज अधिकतर एक्टर्स ओटीटी पर काम कर रहे हैं। क्या भविष्य में आपका भी ओटीटी पर काम करने का इरादा है?

नहीं मैं पूरी तरह से थिएटर से जुड़ा हूं। मुझे सिनेमाघर से प्यार है। मैंने बचपन से सिनेमा के संग ही अपनी जिंदगी बिताई है। इसलिए मैं अगर काम करूंगा तो सिर्फ थिएटर में रिलीज होने वाली फिल्मों के लिए ही काम करूंगा। अभिनय के लिए किसी और माध्यम से नहीं जुड़ूंगा। *

गौरी के बगैर मैं अधूरा था

हाल ही में आमिर ने अपने प्यार गौरी से मीडिया को मिलवाया। उन्होंने यह साबित कर दिया कि प्यार की कोई उमर नहीं होती, वह कभी भी हो सकता है। इस बारे में आमिर से पूछने पर वह कहते हैं, 'हां यह सच है, मुझे भी नहीं पता चला कब मैं गौरी के प्यार में पड़ गया। वह कहते हैं ना, अपोजिट अट्रैक्ट्स, मेरे साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। हम दोनों पहले अच्छे दोस्त थे। हम दोनों एकदम अलग हैं। वह जितनी शांत है, मैं उतना ही एक्टिव हूं। मेरे दिमाग में कुछ ना कुछ चलता रहता है, जबकि वह बहुत सुलझी हुई है। उसके साथ रहने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं उसके बगैर अधूरा था, और आज मैं अपने आपको पूरा और संतुष्ट महसूस करता हूं।'

खबर संक्षेप

मालदीव के साथ 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली पर भारत ने संतोष जताया

माले (भाषा)। मालदीव और भारत के बीच 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मुद्रा अदला-बदली से माले के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में मदद मिली है, जिस पर नई दिल्ली ने शनिवार को संतोष जताया। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने बृहस्पतिवार को विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के कारण मालदीव की संप्रभु रेटिंग 'सीसी' की पुष्टि की थी। इसके बाद मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने उक्त टिप्पणी की। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया कि यह संतोष की बात है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण (एमएमए) के बीच अक्टूबर 2024 में मुद्रा अदला-बदली के तहत 40 करोड़ डॉलर का लेनदेन हुआ, जिससे द्वीप राष्ट्र के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई। मुद्रा अदला-बदली ने मालदीव के लिए फिच क्रेडिट रेटिंग द्वारा उल्लेखित बाहरी नकदी तनाव को कम किया।

नीति आयोग का अमेरिका से कृषि आयात पर टैरिफ घटाने का सुझाव किसान विरोधी

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने कहा है कि नीति आयोग का अमेरिका से कृषि आयात पर टैरिफ घटाने का सुझाव देश व किसान हितैषी नीति के खिलाफ है। यूनियन ने आरोप लगाया है कि नीति आयोग देश के किसानों को स्वावलंबी बनाने की भारत सरकार की नीति को पलीता लगाने की तैयारी में है। नीति आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत को चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पाद, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता, मक्का और आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) सोया उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल देना चाहिए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जन्मदिन वाले दिन 20 को महामहिम देंगी देहरादून को तोहफा

बेहद आकर्षक नये लुक में बने राष्ट्रपति निकेतन को खोला जाएगा आम जनता के लिए

■ इकोलॉजिकल पार्क उत्तराखंड पर्यटन के लिए साबित होगा मील पत्थर

शिशिर सोनी. नई दिल्ली

हरिभूमि विशेष

स्थित 'राष्ट्रपति आशियाना' को तेजी से 'राष्ट्रपति निकेतन' के रूप में विकसित किया जा रहा है। लगभग 22 एकड परिसर में फैले पुराने राष्ट्रपति आशियाने को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। प्रकृति और आधुनिकता के मेल का बेजोड गठबंधन हो, इसकी कोशिश है। तीन एजेंसियां दिनरात काम में जुटी हैं। लगातार हो रही बारिश ने हालांकि योजना की गति में ग्रहण लगाया है, लेकिन सभी को स्पष्ट निर्देश है कि हर विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आगामी 20 तारीख तक योजना को अंतिम रूप दे दिया जाए, ताकि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू नये राष्ट्रपति निकेतन का शुभारंभ कर सकें। चूंकि 20 को ही राष्ट्रपति का जन्मदिवस भी है लिहाजा राज्य सरकार ने भी महामहीम की आगवानी की भव्य तैयारी की है। राष्ट्रपति निकेतन को एक हिस्से को सजा संवार के दिल्ली के मुगल गार्डन की तरह आम जनता के लिए 24 जून से खोल दिया जाएगा। बकायदा टिकटिंग की व्यवस्था होगी। सुरक्षा के तमाम नियम कायदे आम जनता के लिए वैसे ही सख्त होंगे जैसे दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन के लिए जाने वक्त होता है। मजे की बात ये रही कि योजना के शुरू होते ही बडी बडी मशीनरीज के राष्ट्रपति आशियाना के भीतर जाने की जगह नहीं थी। कुछ पेडों को काटा जाने लगा तो राज्य की फॉरेस्ट टीम, स्थानीय पुलिस सभी मौके पर पहुंच गये।

दिल्ली, हैदराबाद, मशोबरा के बाद देहरादून

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति दौरे के दौरान खुद राष्ट्रपति निकेतन को आम जनता के लिए खोलने की तैयारियों का जायजा लेंगी। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रपति भवन और इसकी विरासत को जनता के साथ जोड़ना है, जैसा कि पहले राष्ट्रपति भवन (दिल्ली), राष्ट्रपति निलयम (हैदराबाद), और राष्ट्रपति निवास (मशोबरा) के साथ किया गया है। अब उत्तराखंड को भी इस ऐतिहासिक विरासत को संजाने का मौका मिलेगा। राष्ट्रपति निकेतन में अब कलाकृतियों का एक संग्रह प्रदर्शित किया गया है, जो इसकी समृद्ध विरासत को दर्शाता है। पहले इसका उपयोग राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के घोड़ों के प्रशिक्षण के लिए होता था।

132 एकड में बनेगा राष्ट्रपति उद्यान

सूत्रों ने बताया कि इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू 20 को राजपुर रोड की दूसरी तरफ स्थित राष्ट्रपति आशियाना परिसर में 132 एकड़ में बनने वाले विश्व स्तरीय इकोलॉजिकल पार्क (राष्ट्रपति उद्यान) की आधारशिला रखेंगी। इस पार्क का निर्माण उत्तराखंड सरकार और राष्ट्रपति कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह पार्क पर्यावरण के अनुकूल होगा और इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक विरासत के रूप में विकसित किया जाएगा। पार्क देहरादून को एक नई पहचान देगा और स्थानीय लोगों के लिए योग, ध्यान, शारीरिक गतिविधियों, और सामुदायिक कार्यक्रमों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा।

देहरादून राष्ट्रपति निकेतनः

तकरीबन 22 एकड में फैले 186 साल पुरानी राष्ट्रपति संपति को नया रूपरंग दिया जा रहा है। राष्ट्रपति के रुकने के लिए आधुनिक सूइट होंगे। सूइट के बाहर मंदिर का निर्माण किया गया है। टिकट घर से अंदर प्रवेश करते ही बेहद खूबसूरत रॉकर-लेक होगा। मकराना से आकर्षक पत्थर लाकर उसे आकार दिया जा रहा है। लिलि-पांड, कमल के फूलों की भरमार वाले तीन एस्थेटिक लुक वाले पोखर होंगे। बेहद सुंदर एक छोटा झील और कृत्रिम झरने को रंग बिरंगे लाइट से सजाया गया है।प्रस्तावित इकोलॉजिकल पार्क न केवल देहरादून की सुंदरता को बढ़ाएगा।

एअर इंडिया, एआई एक्सप्रेस उड़ान संख्या '171' का इस्तेमाल नहीं करेंगी

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया के विमान की बृहस्पतिवार को घातक दुर्घटना के बाद एयर इंडिया और एयर इंडिया (एआई) एक्सप्रेस उड़ान संख्या '171' का इस्तेमाल नहीं करेंगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोग मारे गए थे। उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद से लंदन गैटविक के लिए उड़ान संख्या 'एआई 171' का संचालन कर रहा था। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि यह एक आम चलन है कि घातक उड़ान दुर्घटनाओं के बाद एयरलाइंस विशेष उड़ान संख्या का उपयोग करना बंद कर देती हैं।

एक सूत्र ने बताया कि अब 17 जून से अहमदाबाद-लंदन गैटविक की उड़ान संख्या 'एआई 171' के बजाय 'एआई 159' होगी। बुकिंग प्रणाली में आवश्यक बदलाव शुक्रवार को कर दिए गए। एक अन्य सूत्र ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी अपनी उड़ान संख्या 'आईएक्स 171' को बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि उड़ान संख्या '171' को बंद करना दिवंगत आत्माओं के प्रति सम्मान का प्रतीक है। इससे पहले 2020 में, एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कोझीकोड में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान की उड़ान संख्या का उपयोग करना भी बंद कर दिया था। इस हादसे में 21 लोग मारे गए थे।

बीमा कंपनियों ने एयर इंडिया विमान दुर्घटना पीड़ितों के लिए दावा प्रक्रिया आसान की

नई दिल्ली (भाषा)। बीमा कंपनियों - एसबीआई लाइफ, एचडीएफसी लाइफ और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया को आसान बना दिया है। एसबीआई लाइफ ने ऐसी स्थितियों में प्रक्रियात्मक चुनौतियों से उत्पन्न होने वाले भारी भावनात्मक तनाव को समझते हुए, तेजी से वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बना दिया है। एसबीआई लाइफ ने एक बयान में कहा कि दावा प्रपत्र, पॉलिसी दस्तावेज और केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) तथा नामित व्यक्ति के बैंक खाते के विवरण जैसे न्यूनतम दस्तावेजों के साथ दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। दुखद हादसे में, एयर इंडिया की लंदन जाने वाली उड़ान संख्या एआई171 बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें 241 यात्रियों समेत कुल 274 लोगों की मौत हो गई। एचडीएफसी लाइफ ने एक अलग बयान में कहा कि उसने प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अपनी दावा प्रक्रिया को सरल बना दिया है। नामांकित व्यक्ति/कानूनी उत्तराधिकारी अब स्थानीय अधिकारियों (सरकार, पुलिस या अस्पताल) से मृत्यु के प्रमाण के साथ ही दावा शुरू कर सकते हैं। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने एक बयान में कहा कि वह दावों का पूर्ण और समय पर मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है, साथ ही पूर्ण समर्थन प्रदान कर रही है और प्रभावित लोगों के लिए प्रतिबद्ध है।

नौ बोइंग 787 ड्रीमलाइनर्स की सुरक्षा जांच पूरी हुई : एयर इंडिया

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया ने शनिवार को कहा कि उसने विमानन नियामक डीजीसीए के निर्देशानुसार अपने नौ बोइंग 787 ड्रीमलाइनर्स की एक बार सुरक्षा जांच पूरी कर ली है।

एयरलाइंस ने साथ ही कहा कि वह ऐसे बाकी 24 विमानों की जांच पूरी करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान की बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में घातक दुर्घटना के मद्देनजर, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को विमान बेड़े की सुरक्षा जांच बढ़ाने का आदेश दिया था। एयर इंडिया के पास 33 बोइंग 787-8/9 विमान हैं। एयरलाइन ने एक्स पर पोस्ट किया, ''कुछ जांचों के कारण कुछ लंबी दूरी के मार्गों पर उड़ानों में अधिक समय लग सकता है और देरी हो सकती है। खासकर उन हवाई अड्डों पर, जहां परिचालन पर रोक है। ग्राहकों को किसी भी देरी के बारे में विधिवत बताया जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि वह डीजीसीए द्वारा निर्देशित एक बार की सुरक्षा जांच पूरी करने की प्रक्रिया में है। पोस्ट के मुताबिक, ''बोइंग 787 बेड़े की जांच की जा रही है, क्योंकि वे अपने अगले परिचालन के लिए मंजूरी दिए जाने से पहले भारत लौट रहे हैं। एयरलाइन ने कहा, ''एयर इंडिया ने ऐसे नौ बोइंग 787 विमानों की जांच पूरी कर ली है और नियामक की समयसीमा के भीतर बाकी 24 विमानों के लिए इस प्रक्रिया को पूरा करने की राह पर है।'' एयरलाइन के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और सात बोइंग 787-9 हैं।

स्पाइसजेट का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में तीन गुना होकर 325 करोड़ हुआ

भाषा ▶▶| मुंबई

किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात एकल मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यरलाइन ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 119 करोड़ रुपये था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसका परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट ने 58.74 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में उसे 409 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 में 7,050 करोड़ रुपये था।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 319 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक तिमाही लाभ दर्ज किया और पूरे साल का शुद्ध लाभ 48 करोड़ रुपये रहा, जो सात साल में पहला है, जो इसकी वित्तीय और परिचालन बदलाव रणनीति की सफलता को रेखांकित करता है। प्रवर्तक समूह ने 500 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश पूरा कर लिया है, जिसमें पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 294.09 करोड़ रुपये की अंतिम किस्त भी शामिल है। यह कंपनी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण और क्षमता में उसके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अजय सिंह ने कहा, "स्पाइसजेट ने शानदार नतीजे दिए हैं, जिससे हमारे परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। लगातार दूसरी तिमाही और सात साल बाद पूरे वित्त वर्ष में लाभ दर्ज करना हमारी टीम के अथक प्रयासों, हमारे यात्रियों के निरंतर भरोसे और हमारे ब्रांड की दृढ़ता का प्रतिबिंब है।" उन्होंने कहा कि मजबूत बहीखाता, निवेशकों के नए विश्वास और निरंतर नेटवर्क विस्तार के साथ, स्पाइसजेट सतत वृद्धि के लिए अच्छी स्थिति में है। अजय सिंह ने कहा, "हालांकि जटिल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और इंजन ओवरहाल चुनौतियों के कारण हमारे ठप बेड़े के पुनरुद्धार में अनुमान से अधिक समय लगा है, लेकिन अब गति स्पष्ट रूप से बन रही है।

स्टैंडर्डएयरो और कार्लाइल एविएशन जैसे विश्व स्तरीय ओईएम और एमआरओ के साथ हमारी साझेदारी फलदायी हो रही है, और इंजन ओवरहाल का काम चल रहा है। ओवरहाल किए गए इंजन अब वापस आ रहे हैं, हम आने वाले हफ्तों में परिचालन क्षमता में लगातार वृद्धि की उम्मीद करते हैं।" उन्होंने कहा कि एयर इंडिया विमान दुर्घटना की हृदय विदारक त्रासदी ने सभी को गहराई से प्रभावित किया है। स्पाइसजेट के सीएमडी ने कहा, "अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना से प्रभावित लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं।

राशिफल

मेष: मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। माता-पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर भी ध्यान दें। पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। बौद्धिक कार्यों से आय बढ़ेगी।

मिथुन: मन परेशान रहेगा। संयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। भाइयों के सहयोग से नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कर्क: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

सिंह: व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

कन्या: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृश्चिक: आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी।

धनु: आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में आशातीत परिणाम मिलेंगे।

मकर: वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

कुंभ: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा। फिर भी व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

मीन: परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जाना हो सकता है।

आईटीसी ने श्रेष्ठा नेचुरल का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली (भाषा)। *विविध क्षेत्रों से जुड़ी आईटीसी ने श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। यह सौदा नकद 472.50 करोड़ रुपये में हुआ। श्रेष्ठा नेचुरल के पास '24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड' का स्वामित्व है। इस अधिग्रहण से आईटीसी को तेजी से बढ़ते जैविक खाद्य उत्पाद खंड में विस्तार करने में मदद मिलेगी। आईटीसी ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने 13 जून, 2025 को श्रेष्ठा नेचुरल की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। आईटीसी ने कहा कि यह अधिग्रहण भविष्य के लिए पोर्टफोलियो को बढ़ाने की रणनीति के अनुरूप है और इस लेनदेन से उच्च वृद्धि वाले जैविक उत्पाद खंड में उसकी उपस्थिति मजबूत होगी।*

कानून मंत्री मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता की वकालत की, बताया भारतीय संस्कृति का हिस्सा

भाषा : नई दिल्ली

अरुण कुमार ने कहा कि विवाद मुख्यतः तीन कारणों से उत्पन्न होते हैं

अधिकारियों का अत्यधिक रूढ़िवादी होना जो अपनी जान बचाने के लिए जिम्मेदारी दूसरे पर डाल देते हैं; विक्रेताओं का अत्यधिक आशावादी होना जो कम बोली पर अनुबंध लेते हैं और बाद में काम पूरा करने में विफल हो जाते हैं और स्थिति से बचने के लिए विवाद पैदा करते हैं; और अनुबंधों में कठोरता, जो कार्यों को पूरा करना कठिन बना देती है। विधि सचिव अंजू राठी राणा ने कहा कि सरकार मध्यस्थता और बीच-बचाव प्रक्रियाओं को तेज और आसान बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को संस्थागत मध्यस्थता की वकालत करते हुए कहा कि यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। इससे पहले ओएनजीसी के चेयरमैन ने मध्यस्थता की कार्यवाही को 'समयबद्ध' बनाने का आग्रह किया।

संस्थागत मध्यस्थता पर यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि संगठनों को समय की जरूरत के हिसाब से लचीला और कठोर होने के लिए तैयार रहना चाहिए, ताकि उनके हितों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान सुनिश्चित हो सके। मेघवाल ने कहा कि अधिकारियों को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने संगठन के वित्तीय हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रचलित रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। मेघवाल ने अफसोस जताया कि मध्यस्थता भारतीय संस्कृति का हिस्सा थी, लेकिन कहीं न कहीं यह अवधारणा 'बाधित' हो गई और अन्य देश अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के केंद्र बन गए। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के नए केंद्र के रूप में उभरेगा। इस मौके पर सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि समय ही धन है, इसलिए मध्यस्थता की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने की जरूरत है, न कि 'अंतहीन'। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक विवादों का समयबद्ध तरीके से निपटारा कारोबारी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जरूरी है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र के चेयरमैन न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) हेमंत गुप्ता ने कहा कि वाणिज्यिक विवादों को निपटाने के लिए तदर्थ प्रणाली के बजाय संस्थागत मध्यस्थता को अपनाने के लिए पक्षों की मानसिकता में बदलाव लाना होगा।

शब्द पहेली - 5898

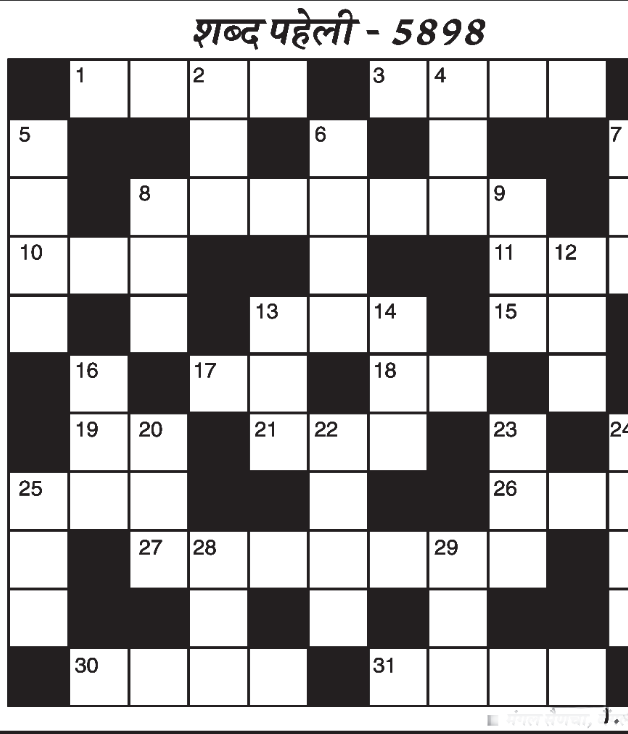

बाएँसेदाए±

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली - 5897 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

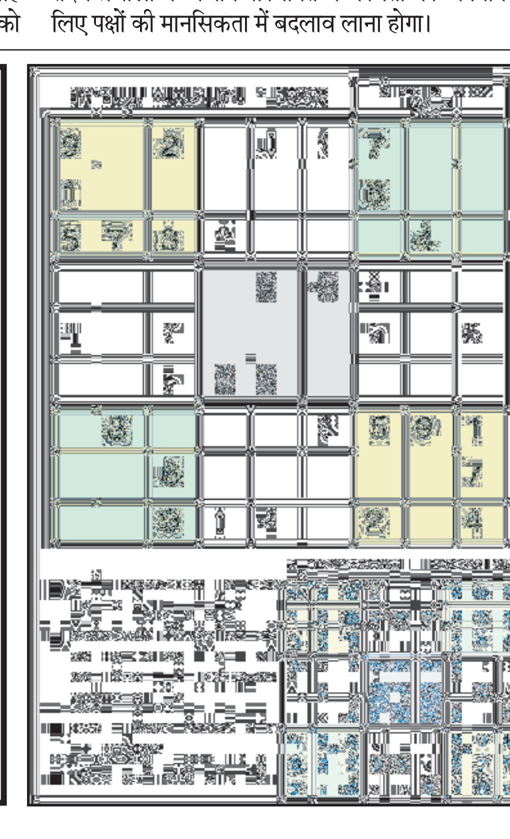

खबर संक्षेप

जनपथ रोड पर सीसीएस इमारत में लगी आग

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली में जनपथ रोड स्थित सीसीएस इमारत में शनिवार सुबह आग लग गई, जिसके बाद दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पूर्वाह्न 11.13 बजे सीसीएस बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली।

अयोध्या में राम दरबार जनता के लिए खोला

अयोध्या (उप्र)। अयोध्या में राम मंदिर की पहली मंजिल पर स्थापित राम दरबार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। मंदिर न्यास द्वारा शुक्रवार देर शाम को इस संबंध में निर्णय लिए जाने के बाद शनिवार से राम मंदिर में आने वाले भक्त राम दरबार में प्रवेश कर सकेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सदस्य अनिल मिश्रा ने कहा कि चूंकि फैसला देर शाम को लिया गया था इसलिए, शनिवार को दर्शन के लिए केवल दो पाली- सुबह छह से सात बजे और शाम सात से नौ बजे तक के लिए सीमित संख्या में पास की व्यवस्था की गई है।

दिव्यांगजन को परिवहन में मिलेंगी सुविधाएं

नई दिल्ली। नए मसौदा प्रारूप में दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) के लिए परिवहन प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने को लेकर व्यापक बदलाव का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें बसों और मेट्रो ट्रेन में व्हीलचेयर के लिए अनिवार्य स्थान, स्टेशन पर सीढ़ी रहित शौचालय, समतल बोर्डिंग रैंप तथा हवाई, रेल और सड़क परिवहन नेटवर्क में प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल हैं। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने परिवहन एवं गतिशीलता क्षेत्र के लिए सुगम्यता मानकों के मसौदे पर हितधारकों व जनता से टिप्पणियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं।

वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड में बोले एयर चीफ मार्शल एपी सिंह

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण

- बोले हमने दुश्मन पर तीव्र, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया
- सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय, तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया : एपी सिंह

भाषा ▶▶ हैदराबाद

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण है।

एयर चीफ मार्शल ने यह भी कहा कि इस अभियान ने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया। यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। उन्होंने युवा अफसरों से कहाकि वे सेवा में आगे बढ़ने के साथ-साथ एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाएं। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का शानदार उदाहरण है जिसमें हमने दुश्मन पर त्वरित, सटीक और निर्णायक प्रहार करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। आप वायुसेना का भविष्य हैं और आपको यह समझना होगा कि वायुसेना हमेशा से ही सबसे पहला कदम उठाने वाली रही है और रहेगी। देश के प्रत्येक नागरिक द्वारा वायुसेना पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरना सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए तैयार रहना चाहिए। यह कार्यक्रम वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में फ्लाइट कैडेट्स के सेवा में शामिल होने से पहले के प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा होने पर आयोजित किया गया।

जम्मू में सैन्य-नागरिक संपर्क सम्मेलन

जम्मू (भाषा)। ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने से अधिक समय बाद, सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय आबादी से तालमेल बढ़ाने और समर्थन पाने के लिए जारी प्रयासों समेत महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए यहां दो दिवसीय सैन्य-नागरिक संपर्क सम्मेलन आयोजित किया गया। एक रक्षा प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि 12 और 13 जून को सतवारी छावनी में आयोजित सम्मेलन में टाइगर डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल मुकेश भानवाला और जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में विरोधी के नापाक इरादों का मुकाबला करने के लिए टाइगर डिवीजन, अर्धसैनिक बलों और नागरिक प्रशासन के बीच घनिष्ठ समन्वय और एकजुटता देखी गई। इस तालमेल को और बढ़ाने के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया था।" ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने 6 और 7 मई की मध्य रात्रि पाक व पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे।

पटना में बोले-रविशंकर प्रसाद

आतंक के खिलाफ लड़ाई में दुनिया भारत के साथ

- 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्सा रहे भाजपा सांसद

भाषा ▶▶ पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में उन्होंने जिन यूरोपीय देशों का दौरा किया, उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में भारत को पूरा समर्थन दिया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले प्रसाद ने कहा कि आतंकवाद एक कैंसर की तरह है, जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने पटना में संवाददाताओं से कहा कि हमारे प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ किसी तरह की कोई नरमी नहीं बरतने के भारत के संदेश को पहुंचाने के लिए यूरोपीय देशों का दौरा किया।

पूरी दुनिया ने एक स्वर में बात की और 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई। पूरी दुनिया ने आतंक के खिलाफ युद्ध में भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने जिन देशों का दौरा किया, उनमें ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, डेनमार्क और जर्मनी शामिल हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हमने 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के नेताओं से मुलाकात की और उन्होंने स्वीकार्य नहीं है तथा हम इसकी निंदा करते हैं। हमने उन्हें यह भी बताया कि हम पाकिस्तान के नागरिकों के खिलाफ नहीं हैं लेकिन उनके साथ समस्या यह है कि सेना के जनरल देश चलाते हैं। ये जनरल अपने नापाक कार्यों को अंजाम देने के लिए आतंकवादियों का इस्तेमाल करते हैं। ये पाकिस्तानी जनरल न तो जनता द्वारा चुने गए हैं और न ही वे अपने देश के लोगों के प्रति जवाबदेह हैं।

सिक्किम के राज्यपाल पीएम से मिले

गंगटोक (भाषा)। सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उनके साथ राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। माथुर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। राजभवन की ओर से शनिवार को कहा कि पीएम के साथ बैठक के दौरान सिक्किम के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने 'वाइब्रेंट विलेज' योजना के तहत सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास पर चर्चा की। वहीं, एक अन्य बयान में कहा गया कि एक अलग बैठक में माथुर ने उपराष्ट्रपति को राज्य में जारी विभिन्न विकास परियोजनाओं से अवगत कराया। इसमें कहा गया कि सिक्किम के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, पर्यटन और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

शाह ने प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया

गलत बयानबाजी न करें पार्टी नेता

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश के पर्यटन स्थल पचमढ़ी में भाजपा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेताओं को नसीहत देने के साथ किया।

उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी है कि पार्टी के सांसद, विधायक, मंत्री और पदाधिकारी गलत बयानी न करें। एक बार गलती हो भी जाए तो तत्काल सुधार करें और कोशिश करें की गलती की पुनरावृत्ति न हो। शाह भोपाल होते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ पचमढ़ी पहुंचे। प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के सांसद, विधायक, मंत्री और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों सहित लगभग 200 नेता हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खुद यहां तीनों दिन रहने वाले हैं। प्रशिक्षण वर्ग में संबोधन के बाद शाह भोपाल के लिए रवाना हो गए। वहां से वे दिल्ली चले गए। प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश के सांसद, विधायक, मंत्री और पार्टी के प्रमुख पदाधिकारियों सहित लगभग 200 नेता हिस्सा ले रहे हैं। शाह ने प्रशिक्षण वर्ग में भारतीय जनता पार्टी के सफर के बारे में जानकारी दी। कैसे जनसंघ से सफर शुरू हुआ और उतार-चढ़ाव के बाद भाजपा बनी।

पहलगाम हमले के बाद बंद किए गए पर्यटक स्थलों को चरणबद्ध तरीके से खोला जा रहा : उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा कारणों से बंद किए गए पर्यटक स्थलों के पार्कों को चरणबद्ध तरीके से फिर खोला जा रहा है। सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा कारणों से 22 अप्रैल (हमले) के बाद कुछ स्थानों को बंद कर दिया गया था। कश्मीर व जम्मू के संभागीय आयुक्तों व पुलिस महानिरीक्षकों ने हर जिले से रिपोर्ट ली है और चरणबद्ध तरीके से कुछ स्थलों को फिर से खोलने का फैसला किया गया है।" उपराज्यपाल पहलगाम में अमरनाथ यात्रा के नुनवान आधार शिविर का दौरा करने के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

अमरनाथ यात्रा के मुख्य आधार शिविर में कार्य पूरा करने की समयसीमा 20 जून तय की गई

जम्मू (भाषा)। जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अमरनाथ यात्रा से पहले भगवती नगर यात्री निवास में किए जा रहे सभी कार्यों को 20 जून तक पूरा कर लें। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। संभागीय आयुक्त कुमार और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) भीम सेन टूटी ने दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के मुख्य आधार शिविर (भगवती नगर यात्री निवास) का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की। यह यात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी।

मोदी संग 40 देशों के राजनयिक करेंगे योग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 40 देशों के राजनयिक भी योगासन करते दिखाई देंगे। 21 जून को विशाखापत्तनम में पांच लाख से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी के साथ मंच पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु भी योग करते नजर आएगें। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि 21 जून को विशाखापत्तनम में योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम होगा, जिसमें पीएम मोदी स्वयं कॉमन योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान करीब पांच लाख से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे।

केंद्रीय आयुष मंत्री जाधव बोले-योग अब वैश्विक जन आंदोलन इसका श्रेय मोदी को जाता है

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि पीएम मोदी के निरंतर प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में योग व्यक्तिगत स्वास्थ्य दिनचर्या से वैश्विक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है और अब 170 से अधिक देशों में इसे उत्साह के साथ अपनाया जा रहा है। जाधव ने 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' से पहले एक साक्षात्कार में योग को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया। योग को वैश्विक स्तर पर व्यापक रूप से अपनाए जाने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया जा सकता है।

अमित शाह आज 60,244 सिपाही पुलिस भर्ती के नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण समारोह में शामिल होंगे

लखनऊ (भाषा)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को लखनऊ आएंगे और 60,244 सिपाही पुलिस भर्ती के नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण समारोह में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार रविवार को पुलिस विभाग की सबसे बड़ी (60,244) आरक्षी (सिपाही) नागरिक पुलिस सीधी भर्ती का नियुक्ति पत्र वितरित करेगी। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह आरक्षी पुलिस नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। योगी सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में इतने बड़े पैमाने पर आरक्षी सिपाही भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न कराया गया। इतना ही नहीं सरकार सकुशल भर्ती प्रक्रिया संपन्न कराने के साथ हाईटेक ट्रेनिंग देने के साथ रिकार्ड समय में 'ज्वाइनिंग' देकर नया कीर्तिमान रचने जा रही है। आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती-2023 के तहत 48,196 पुरुष और 12,048 महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। यह प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा संचालित की गई।

- उप्र के इतिहास में पहली बार पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर भर्ती परीक्षा को सकुशल संपन्न की गई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

दो वर्षीय एमबीए - एग्जीक्यूटिव (एमबीए-एक्स) कार्यक्रम, 2025-2027 बैच में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है
शनिवार और रविवार को समकालिक कक्षाएँ

विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी खड़गपुर द्वारा प्रस्तुत एमबीए-एक्स कार्यक्रम, नेतृत्व और प्रबंधकीय भूमिकाओं के लिए पेशेवरों को तैयार करने के उद्देश्य से दो-वर्षीय मास्टर डिग्री कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम शनिवार और रविवार को समकालिक कक्षाओं और प्रत्येक वैकल्पिक अवधि में कैंपस में व्यक्तिगत रूप से विसर्जन के माध्यम से हाइब्रिड मोड में दिया जाएगा।

कोर्स वितरण : सप्ताहांत पर समकालिक कक्षाएँ और चार बार कैंपस में व्यक्तिगत रूप से विसर्जन।
प्रवेश का तरीका : लिखित परीक्षा और उसके बाद पाँच केंद्रों में व्यक्तिगत साक्षात्कार।

आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों का प्रवेश भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार किया जाएगा।

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 10 जुलाई, 2025

पात्रता मानदंड, आवेदन शुल्क और आवेदन के तरीके के बारे में विवरण https://som.iitkgp.ac.in/executive-mba.php पर उपलब्ध हैं। अपडेट के लिए कृपया इस लिंक पर जाएं।

किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें: **executivemba@vgsom.iitkgp.ac.in**
टेलीफोन : 03222-282295 / 282297.

CBC-21255/12/0004/2526

कुणाल कामरा के खिलाफ जल्द शुरू होगी विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई: एकनाथ

मुंबई (भाषा)। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को निशाना बनाने वाले गीत को लेकर 'स्टैंड-अप कॉमेडियन' कुणाल कामरा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई जल्द शुरू होगी। कामरा ने 'एक्स' पर विशेषाधिकार हनन की कार्रवाई के बारे में समाचार को 'रीट्वीट' किया और लिखा, वास्तविक विशेषाधिकार हनन लोगों को हर दिन सार्वजनिक परिवहन में मरने देना है। कामरा मुंबई में हुए लोकल ट्रेन हादसे में चार लोगों की मौत से संबंधित घटना की ओर इशारा कर रहे थे। भाजपा विधायक प्रवीण दारेकर ने मार्च में बजट सत्र के दौरान राज्य विधान परिषद में कामरा और शिवसेना (उबाठा) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे के खिलाफ नोटिस पेश किया था।

आतंकी साजिश की जांच के तहत कार्रवाई

एनआईए के मध्य प्रदेश और राजस्थान में छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- भोपाल में तीन और झालावाड़ में दो स्थान पर टीम ने ली तलाशी
- डिजिटल उपकरण जब्त किए, जो फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजे

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की प्रतिबंधित संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) की आतंकी साजिश की जांच के लिए शनिवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान में छापे मारे।

अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने एचयूटी और उसके सदस्यों की गतिविधियों की जांच के तहत भोपाल में तीन और राजस्थान के झालावाड़ में दो स्थान पर छापे मारे। जांच एजेंसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, यह छापेमारी एनआईए द्वारा दर्ज किए गए एक मामले के तहत की गई है। बयान के अनुसार एनआईए ने भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे विभिन्न आतंकवादी और कट्टरपंथी समूह और संगठनों को खत्म करने के अपने प्रयासों के तहत मामला दर्ज किया था, जो संवेदनशील मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने की एचयूटी की साजिश से संबंधित है। बयान में कहा गया है, युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने और शरिया कानून द्वारा शासित एक इस्लामिक सरकार स्थापित करने के मकसद से हिंसा फैलाने के प्रेरित किया जा रहा था।

एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण जब्त किए, जो फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजे जाएंगे।

भारतीय तटरक्षक में शामिल हों

https://joinindiancoastguard.cdac.in के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण 11 जून 25 (1100 बजे) से 25 जून 25 (2330 बजे) तक उपलब्ध है।

टिप्पणी :- 1. विस्तृत विज्ञापन और ऑनलाइन आवेदन भरने के लिये प्रक्रिया हेतु कृपया **https://joinindiancoastguard.cdac.in** पर पधारें।
2. अपना ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र जमा करवाने से पूर्व कृपया वेबसाइट में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह केवल एक सूचक विज्ञापन है।

अस्वीकरण :- विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशित जानकारी केवल मार्गदर्शन हेतु है। पात्रता मानदंड, परीक्षा की तिथि, समय और अन्य प्रक्रियाओं के सम्बन्ध में किसी अस्पष्टता के मामले में, तटरक्षक भर्ती वेबसाइट **https://joinindiancoastguard.cdac.in** में दी गई जानकारी अन्तिम होगी।

चेतावनी : तटरक्षक में चयन केवल निष्पक्ष और मैरिट पर होता है। उम्मीदवार को भर्ती एजेंटों के रूप में किन्हीं धोखेबाज व्यक्तियों के झांसे में नहीं आना चाहिए। ऐसे व्यक्तियों के विरूद्ध शिकायत के लिए उम्मीदवार को भर्ती निदेशालय, तटरक्षक मुख्यालय, नोएडा से टेलीफोन 0120-2201340 और ई-मेल आईडी : dte-rect@indiancoastguard.nic.in पर सम्पर्क अवश्य करना चाहिए।

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करें

CBC-10119/11/0002/2526

इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध अगर विस्तार लेता है तो यह जहां वैश्विक जंग की शक्ल ले सकता है, वहीं वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और खाद्यान्न आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है। इजरायल और ईरान के बीच ताजा अदावत बढ़ने की वजह आतंकी गुट हमास का पिकनिक मना रहे इजरायलियों पर वहशियाना हमला है। इजरायल ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत हमास के खिलाफ सैन्य संघर्ष शुरू किया। इजरायल के खिलाफ हमास को खड़ा करने में ईरान का हाथ माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि हिजबुल्लाह व हूती के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इजरायल को परेशान करने के लिए उसकी जमीनी सीमाओं से लगे देशों में हमास, हिजबुल्लाह व हूती जैसे सशक्त आतंकी गुट खड़े किए। इजरायल इन तीनों आतंकी गुटों के खिलाफ निर्णायक सैन्य संघर्ष कर रहा है और इस दौरान तीनों की कमर तोड़ दी है। शिकस्त होते देख ईरान ने सीधे तौर पर इजरायल को निशाना बनाया था। उसके बाद इजरायल ने भी ईरान को करारी चोट पहुंचाई। अब इजरायल ने फिर से ईरान के अंदर घुसकर अब तक का सबसे करारा प्रहार किया है। अमेरिका खुले तौर पर इजरायल के साथ है व ये दोनों मुल्क नहीं चाहते कि ईरान परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल करने की स्थिति में आए। ईरान का बदला क्या रुख लेगा, आजकल के इस अंक में पेश है विश्लेषण...

मध्य पूर्व में विनाशकारी युद्ध की दस्तक

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

> **यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। युद्ध हमेशा के टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।**

इजरायल और ईरान के मध्य उत्पन्न हुए आक्रमणकारी सैन्य तनाव के कारण क्या मध्य पूर्व में बड़े पैमाने पर एक विनाशकारी युद्ध प्रारंभ होने का खतरा उत्पन्न हो गया है? प्रश्न है कि आखिरकार यही वक्त इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के लिए क्यों चुना गया? विकट प्रश्न उठता है कि इजरायल और ईरान में यदि एक बड़ा युद्ध छिड़ जाता है तो भारत पर इसका क्या प्रभाव स्थापित होगा?

उल्लेखनीय है कि रविवार 16 जून को ईरान और अमेरिका के मध्य परमाणु समझौते को लेकर समझौता वार्ता छठे दौर में पहुंच जाएगी। नेतन्याहू के लिए यह सटीक मौका था कि ईरान पर सैन्य आक्रमण अंजाम देकर इस वार्ता को विफल कर सकते हैं। यूरोपीय काउंसिल ऑफ फॉरेन रिलेशंस का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर आक्रमण इसलिए अंजाम दिया ताकि परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए ईरान से समझौता करने की राष्ट्रपति ट्रंप की संभावनाओं को एकदम खत्म किया जा सके। अनेक रणनीतिक विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इस युद्ध के बड़े पैमाने पर विस्तार होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन सैन्य रणनीति के विशेषज्ञ यह भी बयान करते हैं कि इजरायल की संसद और हुकूमत की कैबिनेट में ऐसे राजनीतिज्ञ विद्यमान हैं, जोकि ईरान से युद्ध चाहते हैं और उसके लिए इजरायली प्रधानमंत्री पर बड़ा राजनीतिक दबाव भी कायम कर सकते हैं। वे यह भी कहते हैं कि बेंजामिन नेतन्याहू जब भी स्वयं को राजनीतिक तौर पर अपने देश में कमजोर पाते हैं, वह तुरंत ही ईरानी कार्ड का इस्तेमाल शुरू कर देते हैं। रणनीति के कुछ विशेषज्ञों का विचार है कि युद्ध हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता, बल्कि आने वाले दौर में इसका दायरा और अधिक बढ़ सकता है।

परदे के पीछे अमेरिका भी शामिल

संभव है कि ईरान तत्काल इजरायल पर हमला न बोले, लेकिन ईरान सैन्य प्रतिशोध अवश्य ही लेगा। सैन्य संघर्ष का सिलसिला अब बिल्कुल रुकने वाला नहीं है। अमेरिकन सरकार भले ही दावा पेश कर रही है कि वह इस युद्ध में शामिल नहीं है, लेकिन इजरायली बॉम्बर फाइटर जेट्स द्वारा कतर में स्थित अमेरिकन एयर फोर्स बेस से बाकायदा ईंधन लिया गया है। ईरान द्वारा जो ड्रोन इजराइल पर आक्रमण करने के लिए रवाना किए थे, उनको भी अमेरिका द्वारा मार गिराया गया। अमेरिका ने ईरानी ड्रोन विमानों को इजरायल तक पहुंचने ही नहीं दिया। इसके अतिरिक्त सऊदी अरब ने अमेरिका के दबाव में इजराइल को अपना एयरस्पेस बाकायदा इस्तेमाल करने दिया। निश्चित तौर पर यह जंग ईरान और इजरायल के मध्य सीमित नहीं रह गई है। इजरायल की हिब्रू यूनिवर्सिटी की तरफ से आयोजित एक सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि तकरीबन 75 फीसदी इजरायली ईरान पर सैन्य कार्यवाही करने के एकदम विरुद्ध हो गए हैं। इजरायली जनमानस यकीनन निरंतर युद्ध से अब बेहद तंग आ चुके हैं। ईरान के साथ यदि इजरायल का एक बड़े पैमाने पर युद्ध प्रारम्भ हो जाता है तो इजरायल को फिर युद्ध में चौतरफा आक्रमणों का मुकाबला करना पड़ सकता है। लेबनान में ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए सक्रिय हिजबुल्ला तंजीम के गोरिल्ला लड़ाके, ईरान के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ते हुए दक्षिण यमन के हूती विद्रोही, ईरान की सैन्य मदद के बलबूते पर इजराइल के अंदर युद्धरत हमास तंजीम के छापामार लड़ाके हमले करेंगे।

जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध

सर्वविदित है कि ईरान के शिया समर्थकों की इराक और सीरिया में एक लंबी जंगजू फौज मौजूद है। ये सभी जंगजू शक्तियां इजरायल के विरुद्ध ईरान के पक्ष में युद्ध में अवश्य ही उतरेंगी। इजरायल की नेतन्याहू हुकूमत ने दावा पेश किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम का खात्मा करने के लिए इजरायल ने ऑपरेशन राइजिंग लायन के तहत ईरान पर धावा बोलकर उसके कुछ सीनियर फौजी कमांडरों को हलाक कर दिया गया। इन हलाक होने वालों में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर इन चीफ हुसैन सलामी भी शामिल हैं। हुसैन सलामी 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के संरक्षक रहे और शाह के शासन का खात्मा करने में उनका प्रमुख किरदार रहा था। ईरान के कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शामख़ानी भी इजरायली आक्रमण में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ईरान की हुकूमत के मुताबिक इजरायल ने तेहरान और दूसरे अन्य नगरों के रिहायशी इलाकों को अपना फौजी निशाना बनाया। ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने ऐलान किया कि इजरायल की जियोनिस्ट हुकूमत को अब ईरान से अत्यंत सख्त सजा की उम्मीद रखनी चाहिए।

विराट है ईरान की मिसाइल परियोजना

ईरान की फौज इजरायल को सख्त से सख्त सजा दिए बिना कदापि नहीं छोड़ेगी। दूसरी तरफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने दावा पेश किया कि ईरान द्वारा इजरायल पर 100 से अधिक ड्रोन दागे गए। विगत वर्ष 2024 के अप्रैल महीने में भी इजरायल और ईरान के मध्य एक अल्पकालिक जंग लड़ी गई थी। इजरायल का ऑपरेशन राइजिंग लायन ईरान पर किया गया एक जबरदस्त आक्रमण है। यह हमला विगत वर्ष ईरान के अंजाम दिए गए मिसाइल और ड्रोन संघर्ष से कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी है। इजरायल और ईरान के मध्य तकरीबन 2100 किलोमीटर की दूरी मौजूद है। अगर ईरान को इजरायल पर आक्रमण करना होगा तो उसे ड्रोन और मिसाइलों द्वारा धावा बोलना होगा। उल्लेखनीय है कि ईरान की फौज के पास फिलहाल तकरीबन 3000 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल विद्यमान हैं। ईरान की मिसाइल परियोजना मध्य पूर्व के देशों में सबसे विराट और सबसे अधिक विविधतापूर्ण मिसाइल परियोजना है। ईरान द्वारा अपने मिसाइल सिस्टम और ड्रोन सिस्टम पर काफी महत्वपूर्ण काम किया गया है। विशेष कर 1980 से 1988 के मध्य पड़ोसी देश इराक के विरुद्ध दीर्घकालीन युद्ध के दौरान ईरान ने इनका अत्यंत संजीदगी और विविधता के साथ निर्माण शुरू किया। ईरान द्वारा छोटी रेंज की मिसाइलों और ड्रोन का निर्माण बड़े पैमाने पर किया गया। सऊदी अरब और इजरायल पर दक्षिण यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी सभी मिसाइलें ईरान द्वारा प्रदान की जाती रही। इजरायल के द्वारा अंजाम दिए गए आक्रमण में परमाणु संस्थानों के साथ-साथ मिसाइल और एयर डिफेंस के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। क्षेत्रफल के मुताबिक ईरान वस्तुत इजरायल से कहीं बड़े क्षेत्रफल वाला मुल्क है। ईरान की आबादी तकरीबन 9 करोड़ है और इजरायल की आबादी लगभग एक करोड़ है। इजरायल के सैनिकों की तुलना भी ईरानी सैनिकों की संख्या में तकरीबन तीन गुनी है। ईरान की सैन्य सेवा में 6 लाख सक्रिय सैनिक विद्यमान हैं और इजरायल के पास आधिकारिक तौर पर तकरीबन 1,70000 सैनिक विद्यमान हैं।

इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश

सर्वविदित है इजरायल परमाणु हथियारों से लैस देश है, हालांकि इस विषय में कोई स्पष्ट जानकारी प्रदान करने से इजरायल सदैव बचता रहा है। ईरान के पास परमाणु हथियार विद्यमान होने की संभावनाएं बहुत कम प्रतीत होती है। ईरान पर परमाणु हथियार निर्मित करने की कोशिश करने का इल्जाम निरंतर आयद रहा है। लेकिन ईरान इस संगीन इल्जाम से सदैव इनकार करता रहा है। आज के दौर में दुनिया दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों में विभाजित होती प्रतीत हो रही है। एक तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में अमेरिका और नाटो देश हैं, तो दूसरी तरफ शक्तिशाली सैन्य ध्रुव में चीन, रूस, ईरान, उत्तरी कोरिया आदि अनेक देश हैं। ऐसी स्थिति में विकट प्रश्न यह उठता है कि इजरायल और ईरान यदि पूरी तरह युद्ध में संलग्न हो जाते हैं तो भारत पर इसका क्या प्रभाव होगा? निश्चित तौर पर इजरायल और ईरान के मध्य सैन्य टकराव की विकट स्थिति में भारत का रुख अत्यंत संतुलनवादी रहेगा। भारत भी परमाणु शक्ति संपन्न ईरान के पक्ष में कदाचित नहीं है। यकीनन भारत भी इजरायल द्वारा ईरान पर हमले का समर्थन कदापि नहीं करेगा। विगत माह मई में जब भारत ने पाकिस्तान के बहुत अंदर घुसकर सैन्य ठिकानों पर आक्रमणकारी धावा बोला था तो उस वक्त इजरायल ने भारत का एकदम खुलकर समर्थन किया था। इजरायल की हुकूमत ने बयान दिया था कि भारत के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। वहीं ईरान ने भी पाकिस्तान का समर्थन तो नहीं किया और दोनों देशों के मध्य सैन्य तनाव समाप्त कराने के लिए मध्यस्थता करने की भी कोशिश की। ऑपरेशन सिंदूर के समय ईरान द्वारा भारत व पाक के मध्य सैन्य संघर्ष के दौरान स्वयं को तटस्थ बनाए रखने की रणनीति अख्तियार की गई थी। इजरायल और ईरान के मध्य आक्रमणकारी सैन्य संघर्ष में भारत ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि इजरायल और ईरान को कूटनीतिक बातचीत के माध्यम से परस्पर विवाद को सुलझाना चाहिए और सैन्य टकराव से पूरी तरह बचना चाहिए। ईरान और इजरायल दोनों देशों के साथ भारत के अत्यंत निकट मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं। भारत हर तरह से दोनों देशों की कूटनीतिक मदद करने के लिए तैयार है। भारतीय विदेश नीति के कुछ विशिष्ट जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बाद भारत वस्तुतः सबसे बड़ा ऊर्जा का उपभोक्ता देश है। मध्य पूर्व के इलाके में यदि युद्ध का दायरा बढ़ेगा, जिसकी भागीदारी वैश्विक तेल उत्पादन में तकरीबन एक तिहाई है।

इजरायल व ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध

निश्चित तौर पर तेल और गैस की कीमतों में बड़े पैमाने पर इजाफा होगा तो फिर भारत की ऊर्जा सुरक्षा सीधे तौर पर मुतासिर हो जाएगी। ऐतिहासिक रूप से गल्फ कॉर्पोरेशन काउंसिल के छह मुल्क बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, और यूएई के साथ ही ईरान भारत के लिए तेल और गैस की आपूर्ति करने वाले मुल्क हैं। रूस से तेल और गैस का तकरीबन 40 फीसदी खरीदारी करने से भारत की निर्भरता गल्फ मुल्कों पर कुछ हद तक कम हो गई है। फिर भी भारत के तेल और गैस आपूर्ति में गल्फ मुल्कों का योगदान तकरीबन 50 फीसदी से अधिक रहा है। भारत का विदेशी व्यापार गल्फ और पश्चिम एशिया के साथ तकरीबन 209 अरब डॉलर का है अर्थात भारत के कुल विदेशी व्यापार का तकरीबन 19 प्रतिशत रहा है। इससे प्रतीत होता है कि भारत के लिए पश्चिम एशिया और गल्फ कंट्री कितनी महत्वपूर्ण है। भारत कदापि नहीं चाहता है कि यह युद्ध का दायरा विस्तारित हो जाए। इजरायल और ईरान के साथ भारत के गहरे संबंध रहे हैं और भारत द्वारा फिलिस्तीन के विवाद को सुलझाने में एक बड़ी जबरदस्त भूमिका निभाई जा सकती है।

परमाणु हथियार पर नियंत्रण के लिए हमले

ईरान-इजरायल
प्रमोद भार्गव
साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, 'जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है।' इजरायल ने 13 जून को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। इजरायल की सतर्कता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन 'मोसाद' के जरिये ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए।

डोनाल्ड ट्रंप की दोहरी नीति

इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए, क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है, ट्रंप की सहमति के बाद ही इजरायल ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इसके अंतर्गत यूरेनियम-235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है।

परमाणु हथियार संपन्न देश

दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति है, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी

कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमेरिका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमेरिका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है, लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छदम् युद्ध लड़ा है। जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिगेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। इजराइल से करीब 1800 किमी की दूरी पर स्थित होने के बावजूद ईरान हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमेरिका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमेरिका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने की गुहार भी लगाई थी। बावजूद ईरान ने चेतावनी दी थी कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। यह विरोधाभास भी देखने में आया कि ईरान ने अमेरिका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। ईरान के विदेश मंत्री ने ही इस आशय का बयान दिया था। वाकई यह बयान सच था तो यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि अमेरिका दोतरफा कुटिल चालें हमेशा ही चलता रहा है। रूस का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते के लिए जो वार्ता चल रही है, वह उसमें सहयोग करेगा।

तीसरे विश्व युद्ध की आशंका

इस युद्ध को लेकर भारत दुविधा में है, क्योंकि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तब इजरायल उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा था। इजरायल भारत का रक्षा साझेदार भी है। दूसरी तरफ ईरान से भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं। ईरान ने कई अवसरों पर इस्लामिक देशों के संगठन के मंच पर भारत की मदद की है। इसलिए भारत किसी को भी छोड़ना नहीं चाहता। अतः भारत ने दोनों देशों के बीच कूटनीति व शांति बरतने की अपील की है। बहरहाल, इस युद्ध के साथ बड़ी आशंका यह जुड़ गई है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर न बढ़ जाए।

बढ़ सकती हैं भारत की कूटनीतिक मुश्किलें

दो टूक
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकने के लिए ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच इसी रविवार को ओमान में वार्ता होनी थी। वार्ता शुरू होती, इससे पहले ही इजरायल ने ईरान पर हमला करके न केवल क्षेत्र में जंग के हालात उत्पन्न कर दिए हैं, बल्कि वार्ता में बड़ा गतिरोध भी पैदा कर दिया है।

समझौता वार्ता से हटा ईरान

इजरायल की आक्रामक कार्रवाई के बाद ईरान ने आधिकारिक तौर पर वार्ता से हटने का ऐलान कर दिया है। एक टीवी इंटरव्यू में जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्षेत्र का राजनीतिक और सैन्य तापमान कम करने के लिए क्या किया जा सकता है? जवाब में ट्रंप ने तल्ख लहजे में कहा कि ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता है। ईरान ने भी ट्रंप को कड़े शब्दों में जवाब दिया। रक्षामंत्री अजीज नसीर जादेह ने अमेरिका को स्पष्ट शब्दों में चेता दिया कि यदि हम पर युद्ध थोपा गया तो हम बिना किसी हिचकिचाहट के अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाएंगे। इस तरह की तल्ख टिप्पणियों से क्षेत्र में तनाव उत्पन्न होना ही था। अमेरिका ने खतरे को भांपकर अपने नागरिकों को मिडिल ईस्ट छोड़ने को कह दिया। इराक स्थित दूतावास से भी अपने कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया था। तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने लगी। हालात बता रहे थे कि अगर ईरान वार्ता के लिए राजी नहीं होता है, तो मध्यपूर्व जंग की चपेट में आ सकता है। ऐसा ही हुआ। इजरायल भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि अगर ईरान परमाणु ताकत हासिल कर लेता है तो उसके अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो जाएगा। ईरान ने राष्ट्र के रूप में इजरायल के अस्तित्व को कभी स्वीकार नहीं किया है।

इजरायल का यह भी कहना है कि ईरान के परमाणु संपन्न होने से वह पूरे मिडिल ईस्ट को नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाएगा। इसलिए ईरान को परमाणु कार्यक्रम की दिशा में आगे बढ़ने से रोकने के लिए यह हमला जरूरी था। दूसरी ओर, ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जूड़े अधिकारियों का दावा है कि ईरान अपने यूरेनियम भंडार को हथियार निर्माण के स्तर तक परिष्कृत करके परमाणु हथियार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। इससे पहले ट्रंप भी ईरान को कई बार धमका चुके हैं कि यदि वह समझौते के लिए राजी नहीं होता है तो अमेरिका उसके परमाणु ठिकानों पर हमला कर उसे नष्ट कर देगा। इस बार ईरान ने जिस तरह से अमेरिकी धमकी पर तल्ख प्रतिक्रिया दी, उसके बाद इजरायल ने ईरान पर धावा बोल दिया। सवाल यह है कि इजरायल-ईरान का यह तनाव कहां तक जाएगा। कहीं ऐसा तो नहीं कि यूरेशिया (रूस-यूक्रेन युद्ध) के बाद मिडिल ईस्ट भी लम्बी लड़ाई में उलझ जाए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के इरादों से तो यही लग रहा है।

नेतन्याहू ने हमले को जायज ठहराते हुए कहा कि हमला इजरायल के अस्तित्व के लिए ईरान के संभावित खतरे को कम करने का एक सैन्य अभियान था। अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता है। साफ है कि हमले आगे भी जारी रह सकते हैं।

दूसरी ओर, यदि ईरान लेबनान, सीरिया, इराक या यमन में अपने सहयोगी समूहों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई करता है तो निसंदेह मिडिल ईस्ट लंबे समय तक हिंसा की आग में धधकता रहेगा। एक प्रश्न ओर भी है जो दुनिया को डरा रहा है। ईरान और इजरायल के बीच सीधी जंग शुरू होती है तो दुनिया की सप्लाई चैन का क्या होगा।

वैश्विक व्यापार होगा प्रभावित

ईरान-इजरायल संघर्ष से क्या वैश्विक व्यापार अछूता रहेगा। हमले की स्थिति में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है। यह दुनिया का एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है। यहां से लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन होता है। यदि ईरान शिपिंग लेन या ऊर्जा अवसंरचना को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई करता है तो तेल की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हो सकती है। दरअसल, जुलाई 2015 में ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका सहित यूएनएससी के पांचों स्थायी सदस्य (फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, रूस और चीन) और जर्मनी जिन्हें सामूहिक रूप से पी-5 प्लस वन के रूप में जाना जाता है, के बीच एक ऐतिहासिक समझौता हुआ। राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुए इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त व्यापक कार्ययोजना समझौता (जेसीपीओए) के नाम से जाना जाता है। समझौते के अनुसार ईरान ने अरबों डॉलर के प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समझौते का समर्थन करने वाले राष्ट्रों का मानना था कि यह ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम पर नियंत्रण में मदद करेगा और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों (इजरायल और सउदी अरब) के बीच संघर्ष की संभावनाओं का कम करेगा। शुरू में ऐसा होता हुआ दिखा भी।

यूरेनियम के संवर्धन का अवसर

ईरान की यूरेनियम संवर्धन क्षमताओं में कमी आई और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षणों के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ी। साल 2018 में ट्रंप ने एक तरफा तौर पर समझौते से बाहर निकलने का ऐलान कर दिया। इसके बाद ईरान को यूरेनियम के संवर्धन का अवसर मिल गया और जेसीपीओए में तय सीमा को पार कर लिया। यूएन निरीक्षकों ने 2023 में रिपोर्ट दी थी कि ईरान ने यूरेनियम की मात्रा को लगभग हथियार ग्रेड स्तर तक समृद्ध कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय चिंताए बढ़ गईं। ईरान फिलहाल 60 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धित कर रहा है जो परमाणु हथियार बनाने की हद के बेहद करीब है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों के साथ अच्छे संबंध है। भारत ईरान से जो तेल खरीदता है उसका भुगतान वह भारतीय मुद्रा अर्थात रुपये में करता है।

इससे भारत को विदेशी मुद्रा भंडार बचाने और रुपये को मजबूत करने में मदद मिली है। इसके अलावा, भारत ईरान के दक्षिणी तट पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार पोर्ट को विकसित कर रहा है। कूटनीतिक दृष्टि से यह पोर्ट भारत के लिए काफी अहम है। इस पोर्ट के विकसित होने के बाद भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों से व्यापार के लिए नया मार्ग मिल जाएगा। इससे पहले भारत को मध्य एशियाई देशों तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान के रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता था। दूसरी ओर इजरायल के साथ भी भारत के अच्छे संबंध हैं। पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इजरायल ने भारत के रुख का खुलकर समर्थन किया था। ऐसे में अगर दोनों के बीच का तनाव किसी बड़े संघर्ष में बदलता है तो भारत के सामने एक बड़ी चुनौती यह होगी कि वह पश्चिम एशिया में किसके साथ खड़ा हो। कोई भी निर्णय भारत के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ऐसे में कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में भारत की कूटनीतिक मुश्किलें बढ़ेंगी ही।

खिताब के 27 साल का सूखा खत्म

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ा

द. अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को फाइनल के चौथे दिन गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली। दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों में अपना पहला बड़ा क्रिकेट खिताब जीता जिसके बाद लॉर्ड्स मैदान पर टीम के खिलाड़ी और प्रशंसकों ने जम कर जश्न मनाया। दक्षिण अफ्रीका ने अपना पिछला आईसीसी खिताब 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था।दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 213 रन से की थी। टीम ने पांच विकेट पर 282 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। यह लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी से जीता मैच

ऑस्ट्रेलिया ने मैच के चौथे दिन भी पूरा जोर लगाना जारी रखा और कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में उसके गेंदबाजों ने शुरुआती घंटे में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। दिन के तीसरे ओवर में जब कमिंस की गेंद पर कप्तान तेम्बा बावुमा (66) विकेट के पीछे एलेक्स कैरी के द्वारा लपके गये तब लगा कि टीम पिछली कई बार की तरह एक बार फिर जीत के करीब पहुंच कर फिसल ना जाए। दिन की शुरुआत 102 रन से करने वाले शतकवीर एडेन मारक्रम (136) की अगुवाई में टीम ने हालांकि धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए किसी अनहोनी को टालते हुए 'चोकर्स' के तमगे को पीछे छोड़ दिया।

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से दी शिकस्त

लॉर्ड्स के 141 साल के इतिहास में रन चेस में दूसरी सबसे बड़ी जीत

यह स्पेशल मोमेंट

'पिछले 2 दिन स्पेशल रहे, कुछ देर के लिए तो लग रहा था कि हम होम ग्राउंड पर ही खेल रहे हैं। हमारे देश के लिए यह स्पेशल मोमेंट है। कई मौकों पर किस्मत और मौसम हमारे साथ नहीं था, लेकिन इस बार हमें सूरज का साथ मिला।'

- तेम्बा बावुमा

कई बार गंवाया खिताब

दक्षिण अफ्रीका इससे पहले आईसीसी टूर्नामेंटों में कई अहम मौकों पर खिताब के करीब पहुंच कर चूक गया है। टीम को बर्मिंघम 1999, ढाका 2011, ऑकलैंड 2015, कोलकाता 2023 और ब्रिजटाउन 2024 में मिली हार लंबे समय तक निराश करती रही लेकिन लंदन 2025 दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट में सबसे यादगार दिनों में से एक के रूप में जाना जाएगा। टीम ने जीत की प्रबल दावेदार और आईसीसी के अहम मैचों में अपने प्रदर्शन के स्तर को ऊंचा करने वाली ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को शिकस्त दी।

डब्लूटीसी ईनामी राशि

स्थान	टीम	राशि
विजेता	द.अफ्रीका	31 करोड़
उपविजेता	ऑस्ट्रेलिया	18.63 करोड़
तीसरे नंबर	भारत	12.42 करोड़
चौथे नंबर	न्यूजीलैंड	10.35 करोड़
पांचवें नंबर	इंग्लैंड	8.28 करोड़
छठे नंबर	श्रीलंका	7.24 करोड़
सातवें नंबर	बांग्लादेश	6.21 करोड़
आठवें नंबर	वेस्टइंडीज	5.17 करोड़
नौवें नंबर	पाकिस्तान	4.14 करोड़

मैच का हॉल

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए दक्षिण अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और दक्षिण अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।

स्कोर बोर्ड

द.अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का हेड बो हेजलवुड	136	207	14	0
रिकल्टन का कैरी बो स्टार्क	06	08	1	0
मुल्डर का लाबुशेन बो स्टार्क	27	50	5	0
बावुमा का कैरी बो कमिंस	66	134	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो स्टार्क	08	43	0	0
डेविड बेडिंघम नाबाद	21	49	1	0
काइल वेरेने नाबाद	04	13	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 83.4 ओवर में 282/5
गेंदबाजी : स्टार्क 14.4-1-66-3, हेजलवुड 19-2-58-1, कमिंस 17-0-59-1, लियोन 26-4-66-0, वेबस्टर 5-0-13-0, हेड 2-0-8-0.

वे जीत के हकदार

'हमने कुछ चीजें सही नहीं कीं। पहली पारी में अच्छी बढ़त के बावजूद हम बड़ा स्कोर नहीं बना सके। टॉप-7 बैटिंग में हमें सुधार की जरूरत है। साउथ अफ्रीका ने बताया कि वे क्यों फाइनल तक पहुंचे हैं। वे इस जीत के हकदार हैं।'

- पैट कमिंस

खबर संक्षेप

प्रो लीग : बढ़त के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से हारा भारत

एंटवर्प। भारतीय पुरुष हॉकी टीम की एफआईएच प्रो लीग में मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार को यहां अभिषेक के दो गोल की मदद से दो गोल की बढ़त के बावजूद टीम को आखिरी क्षणों में गोल गंवाने के कारण ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट में नीदरलैंड और अर्जेंटीना से दो-दो बार हार चुकी है। इस तरह से यूरोपीय चरण में यह उसकी लगातार पांचवीं हार है। भारत ने अच्छी शुरुआत की और अभिषेक (आठवें और 35वें मिनट) के दो गोल की मदद से 35वें मिनट तक 2-0 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि मध्यांतर के बाद अधिक आक्रामक रवैया अपनाया तथा नाथन एफ्राम्स (42वें मिनट), जोएल रिंटाला (56वें मिनट) और टॉम क्रेग (60वें मिनट) के गोल से जीत सुनिश्चित की।

जूडो कोच पर यौन उत्पीड़न का आरोप

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अपने कोच पर प्रशिक्षण के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक 19 वर्षीय जूडो खिलाड़ी द्वारा दायर जनहित याचिका पर अगली सुनवाई सोमवार को निर्धारित की है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने इस मामले में शुक्रवार को सुनवाई शुरू की और फिर इसे 16 जून के लिए निर्धारित कर दिया। देहरादून की रहने वाली इस खिलाड़ी ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि वह राष्ट्रीय स्तर की जूडो-कराटे खिलाड़ी है और पिछले सात वर्षों से देहरादून में सविता गुरुंग से प्रशिक्षण ले रही है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 2024 में भोपाल में आयोजित किए गए राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर के लिए उसका चयन हुआ था, लेकिन गुरुंग ने उसे भोपाल जाने की अनुमति देने के बजाय मुरादाबाद में कोच सतीश शर्मा के पास भेज दिया, जो गुरुंग का कोच भी रह चुका है।

भारतीय एमजीडी-1 फिडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप जीतने वाली पहली टीम

एजेंसी ▶▶| लंदन

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और प्रणव के शानदार प्रदर्शन की मदद से टीम एमजीडी1 फिडे विश्व रैपिड टीम चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय टीम बन गई। छठी वरीयता प्राप्त टीम एमजीडी1 ने तीन दिन में 12 राउंड में 10 जीत दर्ज की और शुक्रवार को टीम हेक्सामाइंड के साथ एक करीबी मुकाबले के बाद चैंपियन बन गई। इस प्रतियोगिता में पिछले दो अवसरों पर रजत और कांस्य पदक जीतने वाली एमजीडी1 ने पहले दिन अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन टीम फ्रीडम के खिलाफ़ ड्रॉ और टीम हेक्सामाइंड से हार के कारण उसे खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए तीसरे दिन

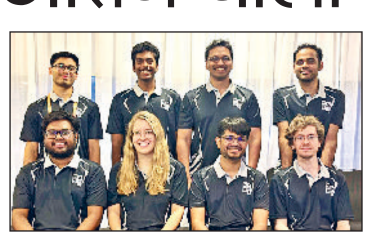

शानदार प्रदर्शन करने की जरूरत थी। अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन मेंडोंका, डेविड एंटोन गुइजारो, त्सोलाकिडो स्टोव्रोला, प्रणव, अथर्व तायडे और कप्तान श्रीनाथ नारायणन की मौजूदगी वाली एमजीडी1 ने अंतिम चार राउंड में जीत दर्ज करके चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अर्जुन और प्रणव की जीत आखिर में निर्णायक साबित हुई।

21 अंक हासिल कर बने चैंपियन

नारायणन ने कहा, 'यह जीत बेहद खास है। ओलंपियाड में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार थी लेकिन यहां एमजीडी1 को छुपा रुस्तम माना जा रहा था। इस सब के बावजूद हम स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे।' टीम एमजीडी1 ने 21 अंक हासिल किए, जो टीम हेक्सामाइंड से एक अंक अधिक था। विश्वनाथन आनंद की टीम फ्रीडम 17 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन टीम एमजीडी1 के लिए अंतिम दिन के स्टार रहे। उन्होंने चार में से 3.5 अंक बनाए। प्रणव ने अंतिम दिन अपनी सभी चार बाजियां जीतीं।

अभिजीत गुप्ता बने दिल्ली जीएम ओपन के चैंपियन

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता ने दिल्ली जीएम ओपन शतरंज में 10 में से 8.5 अंक हासिल करते हुए एशिया के इस प्रतिष्ठित आयोजन में अपना चौथा खिताब जीता। छत्तीस साल के गुप्ता ने 10 दौर के मुकाबले में अजेय रहे। उन्होंने नौवें दौर में बेलारूस के ग्रैंडमास्टर मिहेल निकितेंको पर जीत के बाद एकल बढ़त कायम की थी और फिर आखिरी दौर में अंतरराष्ट्रीय मास्टर अरोण्यक घोष के खिलाफ मुकाबला बराबरी पर छूटने के साथ खिताब पक्का कर लिया। निकितेंको (2520, बेलारूस) आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने भारतीय जीएम दीप्तयान घोष (2573) को टाईब्रेक में पछाड़ दिया। दीप्तयान ने ग्रैंडमास्टर कार्तिक वेंकटरमन पर जीत से प्रभावित करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। अपने अभियान को आठ अंक पर समाप्त करने वाले अरोण्यक और ग्रैंडमास्टर आदित्य एस सामंत टाईब्रेक पर क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। वियतनाम के गैंडमास्टर गुयेन डुक होआ ने 7.5 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया, जबकि भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त ग्रैंडमास्टर एसएल नारायणन सातवें स्थान पर रहे।

निशानेबाजी

आर्या-अर्जुन ने निशानेबाजी वर्ल्ड कप में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की भारतीय जोड़ी ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17-7 से हराकर शनिवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। आर्या और बबूता अहम मौके पर धैर्य और एकाग्रता का शानदार नमूना पेश करते हुए चीन के खिलाड़ियों को खिताबी मुकाबले में कोई मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में 635.2 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक दौर में प्रवेश किया, जो वांग और शेंग (635.9) से सिर्फ 0.7 अंक पीछे था। चीन की जोड़ी का यह स्कोर क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड भी है। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने क्वालिफिकेशन में 317.7 का स्कोर किया। आर्या इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिलकर 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी है। यह मौजूदा विश्व कप में भारत का दूसरा स्वर्ण और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था जबकि इस सप्ताह के शुरू में सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल ने अपने-अपने व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक जीते थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के लिए अच्छे प्रयास किए लेकिन आखिर में वह 2-3 से हार गई।ऑस्ट्रेलिया ने कोर्टनी शोनेल (16वें मिनट), लेक्सी पिकरिंग (26वें मिनट) के मैदानी गोल और टैटम स्टीवर्ट (35वें मिनट) के पेनल्टी स्ट्रोक पर के गए गोल की मदद से 3-0 की बढ़त ले ली। भारतीय टीम ने हालांकि दीपिका और नेहा के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से वापसी की कोशिश की लेकिन वह हार नहीं टाल सकी।

जिम्नास्टिक चैंपियनशिप

प्रणति ने एशियाई जिम्नास्टिक के वॉल्ट में जीता कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने दक्षिण कोरिया के जेचेन में 12वीं सीनियर महिला एशियाई कलात्मक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक जीता। इस साल मार्च में तुर्की के अंताल्या में एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली इस 30 साल की खिलाड़ी ने शनिवार को 13.466 स्कोर करके पोडियम पर तीसरा स्थान पक्का किया। चीन की यिहान झांग ने 13.650 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि वियतनाम की थी क्विन न्हू गुयेन ने 13.583 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता। युवा भारतीय जिमनास्ट प्रोतिस्ता सामंता ने भी इस स्पर्धा में प्रभावित करते हुए 13.016 के स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया। प्रणति ने इस प्रदर्शन के साथ महाद्वीपीय चैंपियनशिप में अपना तीसरा पदक हासिल करते हुए अनुभवी जिमनास्ट दीपा करमाकर के दो पदकों को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने इससे पहले 2019 में उलानबटोर में वॉल्ट में और फिर 2022 में दोहा में कांस्य पदक जीता था। दीपा ने 2015 में हिरोशिमा में वॉल्ट में कांस्य पदक जीतने के एक साल के बाद ताशकंद में स्वर्ण पदक जीता था।

बीसीसीआई ने भगदड़ जैसी स्थिति से बचने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु तीन सदस्यीय समिति गठित की

नई दिल्ली। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने शनिवार को अपने सचिव देवजीत सैकिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान हाल ही में बेंगलुरु में हुई भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से दिशानिर्देश तैयार करेगी। सैकिया के अलावा, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया समिति के अन्य सदस्य हैं, जो 15 दिनों के भीतर दिशानिर्देश तैयार करेंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ''बेंगलुरु में जीत के जश्न के दौरान हुई घटना के मद्देनजर, शीर्ष परिषद ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से व्यापक दिशा निर्देश तैयार करने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला किया है।''

नीरज पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक के लिए पेश करेंगे चुनौती

एजेंसी ▶▶| पेरिस

लगातार दो प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहने के बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जब 20 जून को पिछले आठ साल में पहली बार पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे तो उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना होगा।

इस 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की राजधानी में आयोजित किए गए ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले साल पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लिया था। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है, लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब बनाया नियम

सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच अब अवैध

एजेंसी ▶▶| लंदन

क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के खेल की परिस्थितियों से जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा।

इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे। आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। मसीसी ने नेसर द्वारा लिए गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बन्नी हॉप' किया। नियमों के अनुसार हालांकि यह तब सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सचमुच में सीमा रेखा से कई बार बाहर निकल गया था।

सीमा रेखा के अंदर कैच वैध

इन घटनाओं ने नई बहस को जन्म दिया जिसके बाद आईसीसी और एमसीसी को अपने नियम 19.5.2 की समीक्षा करनी पड़ी। एमसीसी ने अब स्पष्ट किया है कि सीमा रेखा के पार से छलांग लगाने के बाद गेंद के साथ दूसरी बार संपर्क बनाने के लिए किसी भी क्षेत्ररक्षक को सीमा रेखा के अंदर मैदान पर आना होगा अन्यथा उसे बाउंड्री मान लिया जाएगा।

गेंद अंदर फेंकने के बाद आकर कैच वैध

नोट में कहा गया है, 'एमसीसी ने इसे एक नया शब्द 'बन्नी हॉप' दिया है जिसे अब गैरकानूनी माना जाएगा लेकिन इस तरह के कैच, जिनमें क्षेत्ररक्षक गेंद को सीमा रेखा के अंदर फेंकने के बाद बाहर कदम रखता है और फिर सीमा रेखा के अंदर जाकर उसे कैच करता है तो इस तरह के कैच को वैध माना जाएगा।'नए नियम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए चक्र की शुरुआत में ही लागू हो जाएंगे जिसका पहला मैच 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गॉल में खेला जाएगा। नियमों में बदलाव आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 से लागू होगा।

खबर संक्षेप

सीआरपीएफ शिविर हमला केस में एनआईए का आरोप पत्र दाखिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2024 में छत्तीसगढ़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के उग्रवादियों द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमला किए जाने के मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है, उनमें से 16 फरार हैं और गिरफ्तार आरोपी की पहचान सोदी बामन उर्फ देवल के रूप में हुई है।

एक्सिओम-4 मिशन 19 जून को होगा 'लॉन्च'

नई दिल्ली। एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग पर ताजा अपडेट आया है। केंद्रीय विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि 19 जून को एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च होगा। इसमें ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के रूप में पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाएगा। 39 वर्षीय शुभांशु शुक्ला लखनऊ में जन्मे हैं। उन्हें जून 2006 में भारतीय वायुसेना में कमीशन मिला।

जहाज में लगी आग पर काफी हद तक काबू पाया

नई दिल्ली। केरल तट के पास नौ जून को सिंगापुर ध्वज वाले मालवाहक जहाज में लगी आग पर अब 'काफी हद तक काबू पा लिया गया है' तथा इसे बुझाने के प्रयास जारी हैं। एक कंटेनर में विस्फोट के बाद जहाज में आग लगी थी। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मणिपुर में युद्ध जैसी तैयारी में लगे थे उग्रवादी

साजिश नाकाम, सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार किए बरामद

खुफिया जानकारी के आधार पर की कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में हिंसा में अब भले ही कमी आ गई हो लेकिन उग्रवादी संगठन बड़ी साजिश में लगे हुए हैं। मणिपुर में सुरक्षाबलों ने इंफाल घाटी के पांच जिलों से 300 से अधिक राइफल समेत बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। एडीजीपी लहरी दोरजी ल्हाटू ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए।

इस दौरान जब्त की गई वस्तुओं में 151 एसएलआर, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य राइफल, 5 कार्बाइन, 2 एमपी5 बंदूक, 12 हल्की मशीन गन, एके सीरीज की 6 राइफल, 2 अमोघ राइफल, एक मोर्टार, 6 पिस्तौल, एक एआर-15 और 2 फ्लेयर बंदूक शामिल हैं। घाटी के विभिन्न जिलों - इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद छिपाए जाने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया, जिससे बड़ी मात्रा में बरामदगी हुई।

शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात खुफिया सूचना पर आधारित एक समन्वित अभियान के दौरान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सेना की संयुक्त टीमों ने बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए

खास बातें

- इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल में की सर्चिंग
- जब्त हथियारों में 300 से अधिक राइफलें, हल्की मशीन गन शामिल

कार्रवाई सुरक्षा की दिशा में अहम कदम

एडीजीपी लहरी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि यह तलाशी अभियान पूरी तरह खुफिया जानकारी पर आधारित था। सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों के बाहरी इलाकों को निशाना बनाया, जहां से यह खतरनाक हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। इस कार्रवाई में शामिल सभी बलों ने आपसी तालमेल और मेहनत से इस अभियान को कामयाब बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई मणिपुर में शांति और सुरक्षा को यकीनी बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। हमारी टीमें लगातार कोशिश कर रही हैं कि आम लोगों की जान-माल की हिफाजत हो और इलाके में अमन-चैन कायम रहे। हमारी कोशिश है कि मणिपुर के हर नागरिक को सुरक्षित माहौल मिले। इस तरह की कार्रवाइयां आगे भी जारी रहेंगी ताकि कोई भी शरारती तत्व शांति-व्यवस्था को नुकसान न पहुंचा सके।

कई गिरफ्तारियां की गईं

वहीं मणिपुर पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को थौबल, काकचिंग, इंफाल पश्चिम और तेंग्नौपाल जिलों से गिरफ्तारियां की गईं। 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के एक सदस्य को काकचिंग जिले के लैंगमीडोंग मैनिंग लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की पहचान अकोईजाम रॉबिन्सन (51) के रूप में हुई है। जिस पर इंफाल के स्कूलों से जबरन वसूली करने का आरोप है। उन्होंने कहा कि उसके पास से 32 पिस्तौल जब्त की गई है।

तीन रेडियो वाहन सेट भी बरामद

प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (नोयोन) के एक सदस्य को थौबल जिले के थौबल मेला ग्राउंड से गिरफ्तार किया गया, जबकि पीआरईपीएके (प्रो) और पीआरईपीएके के एक-एक सदस्य को तेंग्नौपल जिले के शांगतोंग में भारत-म्यांमा सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के लांगोल गेम गांव से गिरफ्तार किया गया। इंफाल पूर्वी जिले के बरुनी हिल के खालोंग में एक अलग अभियान में सुरक्षाबलों ने तीन वाहन रेडियो सेट, 13 रेडियो वायरलेस हैंडहेल्ड सेट, सात वायरलेस सेट एंटीना, एक सोलर चार्जर कन्वर्टर और तीन सोलर प्लेट समेत अन्य सामान बरामद किया।

पीएम मोदी आज से 5 दिन विदेश दौरे पर

साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया में करेंगे द्विपक्षीय बैठकें व चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के निमंत्रण पर 15 से 16 जून को साइप्रस की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह दो दशकों में किसी भारतीय पीएम की पहली साइप्रस यात्रा होगी। राजधानी निकोसिया में पीएम मोदी राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलिडेस से बातचीत करेंगे और लिमासोल में व्यापार जगत के नेताओं को संबोधित करेंगे।

अपनी यात्रा के दूसरे चरण में, कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के निमंत्रण पर, पीएम जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 16-17 जून को कनाडा के कनानास्किस की यात्रा करेंगे। यह जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम की लगातार छठी भागीदारी होगी। वहीं, 18 जून को पीएम मोदी क्रोएशिया की यात्रा करेंगे। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने तथा भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ के साथ भारत के जुड़ाव को मजबूत करने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करेगी।

18 को क्रोएशिया रहेंगे

इसके बाद अपने दौरे के अंतिम चरण में, क्रोएशिया गणराज्य के पीएम आंद्रेज प्लेंकोविच के निमंत्रण पर, पीएम मोदी 18 जून को क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा करेंगे। पीएम मोदी पीएम प्लेंकोविच के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे और क्रोएशिया के राष्ट्रपति जोरान मिलानोविच से भी मिलेंगे। क्रोएशिया की यात्रा यूरोपीय संघ में भागीदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह किसी भारतीय पीएम की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी

भारत ने फ्रांस को बताया यूरोप में अपना सबसे भरोसेमंद साझेदार

नई दिल्ली(ब्यूरो)। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने फ्रांस को यूरोप में भारत का सबसे भरोसेमंद साझेदार देश बताया। उन्होंने एक पुरानी कहावत का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आपका कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। बदलते वक्त के साथ-साथ दोनों मामलों में स्थिति बदलती रहती है। इन सबके बीच कुछ ऐसे देश होते हैं जिन पर आप कभी भी पूरी तरह से विश्वास कर सकते हैं। रायसीना मेडिटेरेनियन-2025 कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि कई मायनों में आज यूरोप में हमारा सबसे भरोसेमंद साझेदार देश है। यह भरोसा एक दिन में नहीं बना है। साथ ही ऐसा भी नहीं है कि दोनों देश अचानक एक दिन उठे और उन्होंने कह दिया कि हमारे बीच भरोसेमंद साझेदारी है। बल्कि इस भरोसे और विश्वास की नींव अनुभव के आधार पर पड़ी है। हाल के समय में दोनों देश अपनी सुरक्षा चिंताओं के अनुभव से गुजरे हैं। इस दौर में हमने देखा कि कौन हमारे साथ था और किस पर हम भरोसा करें। भारत और फ्रांस के विदेश मंत्रियों के बीच एक बैठक भी हुई।

- **विदेश मंत्री जयशंकर बोले, फ्रांस संग विश्वास का यह रिश्ता एक दिन में नहीं बना, अनुभव से पड़ी इसकी नींव**

आईएमए में पासिंग आउट परेड का आयोजन

भारतीय सेना को मिले 419 जांबाज अधिकारी, रक्षा करने की ली शपथ

एजेंसी ▶▶ देहरादून

देहरादून की भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में शनिवार को पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। परेड में 451 कैडेट्स पास आउट हुए, जिसमें 419 भारतीय और 9 मित्र देशों के 32 कैडेट्स शामिल थे। परेड ऐतिहासिक चेटवुड बिल्डिंग के सामने ड्रिल स्क्वायर पर हुई। परेड के बाद पीपिंग और शपथ समारोह आयोजित किया गया। आईएमए में गहन प्रशिक्षण के बाद अब सभी भारतीय कैडेट्स सेना में अधिकारी बन गए हैं और बतौर लेफ्टिनेंट देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे। ये कैडेट 156वें नियमित पाठ्यक्रम और 139वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम का हिस्सा थे। पासिंग आउट परेड में कैडेट ने अपना तन, मन और जीवन देश को समर्पित करने की शपथ ली।

श्रीलंका के सेना प्रमुख ने ली सलामी

इस बार आईएमए की पासिंग आउट परेड की शुरुआत सुबह 6:38 बजे मार्कर्स कॉल के साथ हुई। श्रीलंका के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासंथा रोड्रिगो ने रिव्यूइंग ऑफिसर के रूप में परेड की सलामी ली। 6:42 बजे एडवांस कॉल के साथ कैडेट्स कदमताल करते हुए चैटवुड बिल्डिंग के परेड मैदान में पहुंचे। श्रीलंका के सेना प्रमुख खुद 1990 में भारतीय सैन्य अकादमी के 87वें कोर्स से कमीशन प्राप्त कर चुके हैं। ऐसे में भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में रिव्यूइंग ऑफिसर बनकर आने पर उनकी पुरानी यादें भी ताजा हुईं। पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि श्रीलंका के सेना प्रमुख लासाथा रोड्रिगो ने कहा कि वह भारतीय सैन्य अकादमी के एंबेसडर भी हैं।

भारतीय यूजर्स ने 'एक्स' पर कर डाली फजीहत

इजराइल की सेना ने भारत का गलत नक्शा पोस्ट करने के लिए माफी मांगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

ईरान से युद्ध के बीच इजरायल ने कुछ ऐसा किया...जिसकी भारत में कभी किसी ने कल्पना ही नहीं की होगी। बीते शुक्रवार को इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक नक्शा पोस्ट किया और उसमें भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को गलत दर्शाते हुए जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान में दिखाया। जिसे लेकर भारत के सोशल मीडिया यूजर्स का एक्स पर गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने एक के बाद एक की गई अपनी कई पोस्ट में इजरायल के खिलाफ सख्त नाराजगी जताते हुए उसकी आलोचना की और अपनी गलती का अहसास करते हुए इस पोस्ट को तुरंत हटाने की मांग की। आईडीएफ ने शनिवार को मामले पर अपनी गलती को स्वीकार करते हुए माफी के साथ पोस्ट हटा दी। साथ ही कहा कि 'यह मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है। इसकी वजह से अगर किसी को भी ठेस पहुंची है तो हम उसके लिए क्षमा चाहते हैं। यह पोस्ट इस क्षेत्र का एक चित्रण है'। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने एक भारतीय यूजर्स इंडियन राइट विंग कम्युनिटी की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खबर अनपेक्षित इन्फोग्राफिक्स। पहले से ही हटाने, ठीक करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि हमने पहले ही नक्शे को हटाने के लिए कह दिया है। उधर, इन सबके बीच भारत सरकार ने मामले पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईरान पर हमलों के बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने सीधे ईरान की जनता को संबोधित किया

तानाशाही को जड़ से उखाड़ो...नेतन्याहू की ईरानी जनता से अपील, भड़के खामेनेई बोले- आपके लिए जहन्नुम तैयार

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरान पर इन हमलों के बीच इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने सीधे ईरान की जनता को संबोधित कर उन्हें मौजूदा शासन के खिलाफ खड़े होने की बात कही। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल की लड़ाई ईरान की जनता के खिलाफ नहीं है बल्कि ईरान की तथाकथित सरकार के खिलाफ है, जो पूरी तरह से तानाशाही है। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर इजराइल ने ताबड़तोड़ एयरस्ट्राइक की है। ईरान ने भी जवाब में इजराइल के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। इन सबके बीच इजरायली पीएम नेतन्याहू ने ईरान के लोगों से खामेनेई के शासन को उखाड़ फेंकने की बात कही है, जिसमें खामेनेई आगबबूला हो गए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि हमारी जंग ईरान की उस तानाशाही के खिलाफ है, जिसने 46 सालों से लोगों को दबाया है। वहीं, नेतन्याहू के इस बयान से बौखलाए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कहा कि अब इजराइल इस जंग से बाहर नहीं निकल सकता। हम उनके द्वारा किए गए इस अपराध से उन्हें बचकर नहीं जाने देंगे। उनके लिए जहन्नुम तैयार है।

इजराइल में हाई-अलर्ट पर भारतीय दूतावास

नई दिल्ली(ब्यूरो)। इजराइल के तेल अवीव में मौजूद भारतीय दूतावास हाई-अलर्ट पर है। दूतावास ने 24 घंटे चलने वाली हेल्पलाइन स्थापित की और उसके साथ ही भारतीय नागरिकों को लगातार चौकन्ने रहने का परामर्श जारी किया गया। यह जानकारी भारतीय दूतावास ने एक्स पोस्ट के जरिए दी। जिसमें बताया कि हालातों पर निगरानी रख रहे हैं। जिसमें भारतीयों की सुरक्षा शामिल है। आपात सहायता को हेल्पलाइन नंबर +97254-7520711 +97254-3278392 पर संपर्क करें।

एयर इंडिया और इंडिगो का अलर्ट

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, भारत की दो प्रमुख एयरलाइनों, एयर इंडिया और इंडिगो ने ईरान के एयरस्पेस के बंद होने के कारण उड़ानों में देरी और रूट बदले जाने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। एयर इंडिया ने कहा कि कंपनी ने ईरान का एयरस्पेस बंद होने के कारण कई उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन किया है। हवाई अड्डे पर जाने से पहले कंपनी की वेबसाइट या एप्लिकेशन से फ्लाइट स्टेटस की जांच करें।

पुतिन और ट्रंप ने पश्चिम एशिया में तनाव और यूक्रेन वार्ता को लेकर फोन पर चर्चा की : रूस

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और यूक्रेन शांति वार्ता पर चर्चा के लिए शनिवार को 50 मिनट तक फोन पर बातचीत की। पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने इसकी जानकारी दी। पुतिन ने ट्रंप को ईरान और इजराइल के नेताओं के साथ अपनी हालिया बातचीत के बारे में जानकारी दी और ईरानी परमाणु मुद्दे पर परस्पर स्वीकार्य समाधान तलाशने के रूस के प्रस्ताव को दोहराया। पुतिन और ट्रंप के बीच बातचीत के बाद उशाकोव ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, विचारों के आदान-प्रदान के केंद्र में पश्चिम एशिया में तनाव का खतरनाक रूप से बढ़ना रहा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25